THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 123 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.5 2083 सोमवार, 3 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

बारामूला में ओवर ग्राउंड वर्कर गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर , 2 अगस्त (एजेंसियां)। बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने एक ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एमपी-5 पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस, मैगजीन, मोबाइल फोन और बैग बरामद हुआ है। मामले में शिरी थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सुरक्षाबलों ने रविवार को जंदफरन-गोरिवान क्रॉसिंग पर नाकेबंदी की थी। इसमें 46 राष्ट्रीय राइफल्स, एसओजी बारामूला, सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन और बीएसएफ की 112वीं बटालियन शामिल थी। जांच के दौरान गोरिवान की ओर से आ रहा एक संदिग्ध नाकेबंदी देखकर भागने लगा। जवानों ने पीछा कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

ईरान पर हमला फिलहाल टाला : ट्रम्प

होर्मुज खोलने और परमाणु खतरा खत्म करने पर सहमति बनी

वॉशिंगटन डीसी, 2 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था।

उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी।

मिडिल ईस्ट में लगातार सैन्य कार्रवाई के बीच सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका के पास मिसाइल रोकने वाले इंटरसेप्टर तेजी से कम हो रहे हैं। इंटरसेप्टर ऐसी मिसाइलें होती हैं जो दुश्मन की मिसाइल या ड्रोन को हवा में ही मार गिराती हैं। अमेरिका इसके लिए मुख्य तौर पर पैट्रियट और थाड सिस्टम का इस्तेमाल करता है।

सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में जूते फेंके

समर्थकों ने पीटा; दावा-आरोपी चाकू लेकर आया था; संसद में चढ़ावा चोरी का नाटक किया था

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामा हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पप्पू के घर पर कॉन्फ्रेंस के बीच एक आदमी ने उनके ऊपर जूता फेंक दिया। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की।

पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इससे पहले वाराणसी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दो सांसदों पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। ये रिपोर्ट दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में पेश किए गए नाटक के खिलाफ हुई है। इसके पहले संतों ने बताया कि संसद में चढ़ावा चोरी के नाम पर जो कुछ भी दिखाया गया, वह सनातन का अपमान है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा : मोदी

दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं; हमें उनकी प्लानिंग नाकाम करनी है

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है।

पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है। नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है।

देश में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा रही है और कार्रवाई पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए।

जंतर-मंतर में तोड़फोड़ करने वाला था संदिग्ध जैश आतंकी

बंगाल एसटीएफ का दावा- पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने वाला था; गर्लफ्रेंड भी गिरफ्तार

कोलकाता, 2 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था।

एसटीएफ के आईजी गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था।

अदालत ने उसे 14 दिन की एसटीएफ हिरासत में भेज दिया है। एसटीएफ ने हमीम की गर्लफ्रेंड अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया है। एजेंसी का दावा है कि दोनों पाकिस्तान से जुड़े शाहजाद भट्टी गैंग के इशारे पर काम कर रहे थे।

हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी।

उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच कर रहे हैं।

अभिजीत दीपके के परिवार की संपत्ति जांचने की मांग

आरटीआई कार्यकर्ता ने पूछा- पिता जूनियर इंजीनियर तो बेटे की अमेरिका में पढ़ाई कैसे हुई

सूरत, 2 अगस्त (एजेंसियां)। आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके के परिवार की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को शिकायत भेजी है। तिवारी का दावा है कि अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में जूनियर इंजीनियर थे। उनकी मासिक सैलरी करीब 60-65 हजार थी। ऐसे में यह जांच होनी चाहिए कि उन्होंने अपने बच्चों की अमेरिका में उच्च शिक्षा का खर्च कैसे उठाया। अमित तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार से भगवानराव दीपके की आय और संपत्ति की जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि सीजेपी राजनीतिक दल की तरह काम कर रही है, लेकिन उसका चुनाव आयोग में पंजीकरण नहीं है और वह चंदा भी जुटा रही है।

'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते'

अमेरिका से भारतीय राजदूत ने पाकिस्तान को दिया करारा जवाब

वॉशिंगटन, 2 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान सिंधु जल संधि को लेकर भारत के खिलाफ नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है। कुछ हफ्ते पहले इस्लामाबाद में एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई थी। इसमें सिंधु जल संधि के भारत की तरह से रोकने पर चर्चा की गई और पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ दुष्प्रचार किया था। इसी पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने एक लेख के जरिए पाकिस्तान को करार दवाब दिया है।

विनय क्वात्रा ने 'द वीक' में लिखा है कि इस्लामाबाद कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के एक पूर्व विदेश मंत्री ने धमकी दी कि अगर सिंधु नदी प्रणाली को लेकर पाकिस्तान की मांगें पूरी नहीं हुईं तो वह भारत के खिलाफ युद्ध करेगा। अपनी अंदरूनी समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए भारत के खिलाफ युद्ध की धमकी देना इस्लामाबाद की एक आम नीति बन गई है।

विनय क्वात्रा ने लिखा है कि संधि को कुछ समय के लिए रोकने का फैसला भारत ने तब किया जब 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर एक भयानक हमला हुआ।

यह हमला लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े पाकिस्तानी और पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकवादियों ने किया था। उन्होंने 26 लोगों की हत्या कर दी जिनमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक शामिल थे। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए हमलों के बाद से भारत में किसी आतंकवादी हमले में आम नागरिकों की यह सबसे बड़ी संख्या में मौत थी।

उन्होंने लिखा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे और संधि में असमानता के कारण भारत के उन इलाकों में दशकों तक विकास रुका रहा जिन्हें बेहतर जल अधिकारों से लाभ हो सकता था। इसके बावजूद भारत ने संधि का पालन किया। उसने 1965, 1971 और 1999 में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़े और दशकों तक लगातार दुश्मनी और सीमा-पार आतंकवाद जारी रखा जिसमें 2001 में भारत की संसद पर हमला, 2008 में मुंबई आतंकी हमला, 2016 में उरी और पठानकोट हमले, 2019 में पुलवामा हमला और 2025 में पहलगाम हमला शामिल हैं।

कर्नाटक में जल्द हो सकता है कैबिनेट विस्तार

डीके शिवकुमार और कांग्रेस आलाकमान की दिल्ली में बैठक; 20 नए मंत्री शामिल हो सकते हैं

बैंगलूरू, 2 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ लेने के करीब दो महीने बाद भी मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। कैबिनेट विस्तार पर चर्चा के लिए शिवकुमार और राज्य के कई कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को नई दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आलाकमान से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 नए मंत्रियों के नाम आज तय हो सकते हैं। वहीं, अगले सप्ताह शपथ ग्रहण हो सकता है। अभी कैबिनेट में सीएम समेत 14 मंत्री हैं।

डीके शिवकुमार ने 3 जून को उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और 12 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। कर्नाटक में संवैधानिक रूप से मुख्यमंत्री सहित कुल 34 मंत्री हो सकते हैं, जिसके चलते अभी भी लगभग 20 पद खाली हैं।

कावेरी जल विवाद

क्यों आमने-सामने तमिलनाडु-कर्नाटक?

बैंगलूरू, 2 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को अपने आधिकारिक आवास पर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में जिस मुद्दे पर चर्चा तय की गई, वह है कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कई वर्षों से चल रहा कावेरी नदी के जल को साझा करने से जुड़ा विवाद। बताया गया है कि इस बैठक में कांग्रेस से लेकर भाजपा और जेडीएस जैसी प्रमुख पार्टियों के नेता पहुंचे।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर कर्नाटक के मुख्यमंत्री की तरफ से आज कावेरी जल विवाद पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक क्यों बुलाई गई है? कावेरी नदी के जल को लेकर क्या विवाद है? हालिया समय में इसे लेकर क्या-क्या हुआ है?

तमिलनाडु सरकार की तैयारियां

हाल ही में तमिलनाडु सरकार ने कावेरी नदी के जल साझाकरण को लेकर आपत्ति जताई है। तमिलनाडु सरकार ने साफ कर दिया है कि वह अपने हिस्से का पानी पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। राज्य के कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक की ओर से पानी छोड़ने से इनकार किया गया है। इसके चलते अब तमिलनाडु कानूनी रास्ता अपनाएगा। कानून मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु को कानून के अनुसार जितना पानी मिलना चाहिए, वह हर हाल में मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है, इसलिए सरकार सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। तमिलनाडु सरकार का कहना है कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण जब भी कर्नाटक को तय मात्रा में पानी छोड़ने का निर्देश देता है, तब भी उसका पालन नहीं किया जाता। राज्य का आरोप है कि इससे तमिलनाडु के किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार ने कहा कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सभी कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

तमिलनाडु सरकार फिलहाल कई विकल्पों पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय इस पूरे मामले पर लगातार समीक्षा कर रहे हैं। वह कानूनी विशेषज्ञों, जल विशेषज्ञों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ बैठकें कर रहे हैं ताकि अदालत में मजबूत पक्ष रखा जा सके। सरकार अगले कुछ दिन के अंदर अपनी विस्तृत कानूनी रणनीति का भी एलान कर सकती है। इसके तहत विजय सरकार सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग, जल बटवारे से जुड़े कानूनी उपायों को मजबूत करना, कर्नाटक के साथ बातचीत की संभावना तलाशना और केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करने का भी तरीका अपना सकती है।

तिरुपति का लड्डू 311 साल का हो गया

पहले लकड़ी की आग में बनता था प्रसाद; अब एआई वाली मशीनें बना रहीं

तिरुमला, 2 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर तिरुपति मंदिर में भक्तों को मिलने वाले श्रीवारी लड्डू प्रसाद के आज 311 साल पूरे हो गए हैं। तीन सदी बीतने के बाद भी लड्डू का स्वाद वैसा ही बना हुआ है। पहले यह लड्डू लकड़ी की आग पर बनता था। अब एआई आधारित मशीनें श्रीवारी लड्डू में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल में मिलावट की जांच कर रही हैं।

1715 को पहला लड्डू भगवान को अर्पित किया गया था

2 अगस्त 1715 को पहली बार पुराने पोटू (किचन) में मोटी बूंदी का पहला लड्डू बनाकर भगवान को नैवेद्य के रूप में अर्पित किया गया था। उस समय करीब 21 दिन की तैयारी और योजना के बाद यह लड्डू बनाया गया था। मंदिर का प्रबंधन संभालने वाले तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि अभी मंदिर में हर दिन 4.08 लाख लड्डू बनाए जाते हैं। ब्रह्मोत्सव और अन्य पर्वों पर यह संख्या बढ़कर 8 से 10 लाख हो जाती है। इस विशेष लड्डू के लिए रविवार का दिन विशेष महत्व रखता है।

लड्डू बनाते समय रसोइए एक सुर में जाप करते हैं

पोटू में करीब 250 से 270 मुख्य और कुशल रसोइए हैं। इन्हें पारंपरिक रूप से पारीचारक कहा जाता है। ये मुख्य रूप से सामग्री मिलाने, बूंदी तलने और शुद्धता बनाए रखने का काम करते हैं। इसके अलावा 350 से 400 कर्मचारी सामग्री ले जाने, बूंदी छानने, लड्डुओं को हाथ से आकार देने और उन्हें कन्वेयर बेल्ट पर रखने का काम करते हैं।

लड्डू बनाते समय वैष्णव ब्राह्मण लगातार 'ॐ नमो वेंकटेशाय' का जाप करते हैं या विष्णु सहस्रनाम और पवित्र वैदिक सूक्तों का पाठ करते हैं। दिनभर में 20 घंटे लड्डू बनाए जाते हैं। इसके लिए तीन अलग-अलग पारियों में टीमें काम करती हैं।

चूल्हे पर बेसन गर्म कर लड्डू तैयार किए जाते हैं

आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति मंदिर परिसर के 2,000 वर्ग फीट के पोटू (किचन) है, जहां बना लड्डू पहली बार भगवान को भोग के रूप में चढ़ाया गया था। यहां आज भी चूल्हे पर बेसन गर्म कर लड्डू तैयार किए जाते हैं। 25 वैष्णव ब्राह्मण भगवान के लिए विशेष प्रसाद बना रहे हैं।

मंदिर परिसर में 25 हजार वर्ग फीट में बना तीन मंजिला पोटू भी है। यहां गैस और स्टीम से चलने वाली मशीनों की मदद से 700 वैष्णव ब्राह्मण हर दिन 4 से 6 लाख लड्डू बनाते हैं। यह प्रसाद रविवार को भगवान तिरुपति को अर्पित किया जाता है।

'अभी भी एक स्टूडेंट हूं, हर दिन सीख रहा हूं'

राहुल गांधी ने खास अंदाज में किया फ्रेंडशिप डे विश

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को 'फ्रेंडशिप डे' पर लोगों को 'जेन-ज़ी' स्टाइल में बधाई दी। उन्होंने मशहूर कोरियन 'फिंगर हार्ट' इमोजी का इस्तेमाल किया और मजाक में कहा कि उन्हें अभी-अभी इसका मतलब पता चला है। इंस्टाग्राम पर एक फ़ोटो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने लिखा, 'अभी भी एक स्टूडेंट हूं, हर दिन कुछ नया सीख रहा हूं। आज का सबक: आज फ्रेंडशिप डे है, सभी को फ्रेंडशिप डे की बधाई। ढेर सारा प्यार!'

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के साथ ही अनौपचारिक बातचीत और युवाओं पर केंद्रित कैंपेन के जरिए युवा यूथ से जुड़ने की लगातार कोशिश की है। हाल के महीनों में, उन्होंने कई बार छात्रों को संबोधित किया है, पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बात की है। इसके साथ ही कई भाषणों और सोशल मीडिया पोस्ट में 'जेन जेड' का जिक्र किया है।

कांग्रेस नेता ने भारत और विदेशों में छात्रों से बातचीत भी की है और करियर से लेकर उनकी चिंता, शिक्षा और लोकतंत्र पर हुई बातचीत के वीडियो शेयर किए हैं। देशव्यापी स्तर पर चलाए गए 'छात्रों की गूंज' कैंपेन के दौरान, राहुल गांधी ने बार-बार युवाओं से परीक्षा में गड़बड़ियों और नौकरी भर्ती से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाने का आग्रह किया।

हाल ही में, राहुल गांधी ने चुनावी मुद्दों पर सोशल मीडिया के जरिए सीधे 'जेन जेड' से अपील की और कहा कि युवा 'संविधान की रक्षा करेंगे, लोकतंत्र को बचाएंगे और वोट की चोरी रोकेंगे'। एक अन्य पोस्ट

घर खाली कराने की कार्रवाई के दौरान मकान मालिक की पत्नी पर गोली चलाने वाले वकील को गिरफ्तार किया गया

चंडीगढ़, 2 अगस्त (एजेंसियां)। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पुलिस ने 67 साल के एक वकील को सेक्टर 42 के एक फ्लैट में घर खाली कराने की कार्रवाई के दौरान मकान मालिक की पत्नी पर गोली चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, किरायेदार जेपीएस चड्ढा ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली चलाई, जिससे राजिंदर सिंह की पत्नी मनविंदर कौर के चेहरे पर गोली के छर्रे लगे। चड्ढा का उस फ्लैट को लेकर अपने मकान मालिक से विवाद चल रहा था, जहाँ वह पिछले 36 सालों से रह रहे थे। यह घटना हुई जब मनविंदर कौर, कोर्ट के बेलिफ़ और पुलिसकर्मियों के साथ फ्लैट खाली कराने के आदेश का पालन करने के लिए वहाँ पहुँचीं। पुलिस ने बताया कि बार-बार दरवाज़ा खटखटाने के बावजूद चड्ढा ने दरवाज़ा नहीं खोला। कोर्ट ने अधिकारियों को ताला तोड़कर प्रॉपर्टी का कब्ज़ा मकान मालिक को सौंपने का अधिकार दिया था। जब पुलिस ने ताला तोड़ा, तो चड्ढा कथित तौर पर बंदूक लेकर बालकनी में आए और गोली चला दी।

आफत की बारिश

भूस्खलन से केरल में आठ, कर्नाटक में तीन की मौत

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन ने भीषण तबाही मचाई है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार आज यानी दो अगस्त को यूपी, बिहार समेत 12 राज्यों में भारी बारिश के साथ आंधी की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, केरल में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि आठ अन्य लापता हैं। वर्षाजनित हादसों में 13 लोग घायल भी हुए हैं। मौसम विभाग की ओर से राजस्थान, केरल, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। केरल में रविवार को मुझियार, कल्लारकुट्टी, एराट्टयार, लोअर पेरियार, पोरिंगलकुथु बांधों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

केरल में भारी बारिश ने मचाई तबाही

केरल में शनिवार को हुई भारी बारिश के चलते आठ लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन, जलभराव और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। बारिश के कारण 27 मकान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, जबकि 196 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। राज्यभर में बनाए गए 209 राहत शिविरों में 5,792 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

दिल्ली में हल्की बारिश की संभावना

दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अनुमान लगाया है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है।

कर्नाटक के शिवमोगा में भूस्खलन में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

कर्नाटक में रविवार तड़के शिवमोगा जिले के इंदिरा नगर में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक झोपड़ी दब जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें एक तीन साल का बच्चा भी शामिल था। मृतकों की पहचान मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेनी (28) और उनके बेटे संतोष के रूप में हुई, जो कोप्पल जिले के गंगावती तालुक के कोक्करेगुरू गांव के निवासी थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, परिवार सो रहा था जब सुबह करीब 2.30 बजे पहाड़ी का एक हिस्सा शेड पर गिर गया। सूत्रों ने बताया कि पास के एक शेड में रहने वाला एक व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद, अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के कर्मियों और पुलिस ने मलबे के नीचे से शवों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया।

शादीशुदा महिला को युवती से हुआ प्यार तो घर से भागी
अखनूर में अजीबोगरीब मामला

जम्मू, 2 अगस्त (एजेंसियां)। हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जम्मू के सीमांत क्षेत्र में एक युवती शादीशुदा महिला के साथ फरार हो गई है। दोनों ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि वे अपनी मर्जी से साथ हैं और एक-दूसरे से प्यार करती हैं। दोनों अखनूर के छंब क्षेत्र की बताई जा रही हैं। स्वजन ने संबंधित थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। प्रसारित वीडियो में दोनों का कहना है कि उन्होंने अपने परिवारों से शादी की बात की थी, लेकिन उन्होंने भावनाओं को नहीं समझा। वीडियो में महिला कहती है, हम दोनों एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। हम अपनी मर्जी से साथ हैं। घर से कुछ भी लेकर नहीं आए हैं और किसी ने किसी को कोई लालच नहीं दिया है। युवती भी वीडियो में कहती है कि उसने अपने साथी को पाने के लिए बहुत संघर्ष किया है और वह उसके बिना नहीं रह सकती। दोनों परिवारों से भावनाओं को समझने की अपील करती दिखाई दे रही हैं। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल, यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है।

'मेरा नंबर लीक किया, दुष्कर्म की धमकियां मिल रहीं'
पीएम को गाली देने वाली छात्रा का छलका दर्द

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी करने के बाद चर्चा में आई 15 वर्षीय छात्रा ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा का कहना है कि उसका मोबाइल नंबर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर दिया गया, जिसके बाद उसे लगातार दुष्कर्म और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उसने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उसके साथ किसी बड़े अपराधी जैसा व्यवहार किया जा रहा है। छात्रा ने कहा कि अज्ञात नंबरों से लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं।

> मेरा मोबाइल नंबर लीक कर दिया गया है। लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि जहां भी मिलूंगी, दुष्कर्म करेंगे और मार देंगे। मैं बहुत डरी हुई हूं।
>
> *15 वर्षीय छात्रा*

उसके मुताबिक, कॉल करने वाले अश्लील और हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे वह और उसका परिवार बेहद डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मोबाइल नंबर लीक कर दिया गया है। लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि जहां भी मिलूंगी, दुष्कर्म करेंगे और मार देंगे। मैं बहुत डरी हुई हूं। छात्रा का आरोप है कि पुलिस लगातार उसके घर पहुंच रही है और उसे ऐसे तलाश रही है, जैसे उसने कोई गंभीर अपराध किया हो। उसने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद से परिवार पर भी दबाव का माहौल है। छात्रा ने कहा कि वह पहले ही सार्वजनिक रूप से अपने बयान के लिए माफी मांग चुकी है। उसने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से माफी स्वीकार किए जाने की बात सामने आने के बावजूद पुलिस कार्रवाई जारी है। उसने अपील की कि अब उसे इस मामले में राहत दी जाए।

महामंडलेश्वर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का केस
एफआईआर के बाद आश्रम छोड़ कहां फरार हो गया ज्ञान दास?

उज्जैन, 2 अगस्त (एजेंसियां)। उज्जैन में निर्मोही अखाड़े के महामंडलेश्वर ज्ञान दास पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, मारपीट और धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महाकाल थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर की भनक लगते ही आरोपी महामंडलेश्वर आश्रम छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। एडिशनल एसपी आलोक शर्मा के अनुसार, युवती एक सांस्कृतिक ग्रुप से जुड़ी है। आरोप है कि सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान सदावल मार्ग स्थित दादूराम आश्रम के संचालक ज्ञान दास महाराज से उसकी मुलाकात हुई। इसके बाद महाराज ने उसे फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और व्हाट्सएप पर चैटिंग शुरू की। युवती का आरोप है कि लगभग एक वर्ष तक उसका आश्रम आना-जाना रहा। इसी दौरान महामंडलेश्वर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया। जब उन्होंने शादी से इनकार किया, तो युवती ने सबूतों के साथ एसपी कार्यालय और महाकाल थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मंडी में 3 .1 तीव्रता का भूकंप
दिल्ली से लेकर पूर्वोत्तर तक हिली धरती; कहां कितना रहा असर?

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। हिमाचल प्रदेश के मंडी से लेकर देश की राजधानी दिल्ली और पूर्वोत्तर के राज्यों तक धरती हिली। राहत की बात यह रही कि कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, रविवार 2 अगस्त 2026 की तड़के से लेकर सुबह तक देश के पांच अलग-अलग स्थानों पर कम तीव्रता के भूकंप दर्ज किए गए।

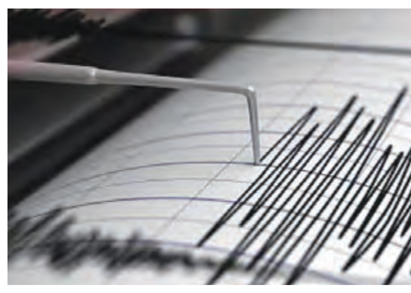

एक ही दिन में आए पांच भूकंप, कहां था केंद्र?

रविवार की सुबह की शुरुआत झटकों के साथ हुई। सबसे पहले दिल्ली में तड़के धरती हिली। इसके बाद पूर्वोत्तर भारत और फिर हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में भूकंप के झटके दर्ज किए गए।

दिल्ली (उत्तर जिला): सुबह 4:14 बजे 2.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई 8 किलोमीटर थी। इसका केंद्र 28.721 डिग्री उत्तर अक्षांश और 76.957 डिग्री पूर्व देशांतर पर था।

बरपेटा (असम): सुबह 5:25 बजे 2.4 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। इसकी गहराई जमीन से चार किलोमीटर नीचे थी। तवांग (अरुणाचल प्रदेश): सुबह 5:38 बजे 2.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ। इसकी गहराई 5 किलोमीटर रही।

मंडी (हिमाचल प्रदेश): सुबह 9:13 बजे 3.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र 31.445 डिग्री उत्तर अक्षांश और 76.993 डिग्री पूर्व देशांतर में 8 किलोमीटर गहराई पर था।

विष्णुपुर (मणिपुर): सुबह 9:34 बजे 3.4 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया। इसकी गहराई सबसे ज्यादा 53 किलोमीटर थी।

हिमाचल प्रदेश का मंडी जिला बेहद संवेदनशील माना जाता है। मौसम कार्यालय शिमला के अनुसार, मंडी जिला सिस्मिक जोन-5 के अंतर्गत आता है। यह क्षेत्र भूकंपीय दृष्टिकोण से सबसे अधिक जोखिम वाला माना जाता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप जमीन की सतह से लेकर 700 किलोमीटर नीचे तक आ सकते हैं। कम गहराई वाले भूकंप सतह पर अधिक तेज झटके पैदा करते हैं क्योंकि तरंगों को ऊपर तक पहुंचने में कम दूरी तय करनी पड़ती है। रविवार को आए अधिकांश भूकंप 4 से 8 किलोमीटर की कम गहराई पर थे।

अवैध खनन मामले में टूलू मंडल का कार्यालय सील
बीरभूम में देर रात हुई बंगाल पुलिस की कार्रवाई

बीरभूम, 2 अगस्त (एजेंसियां)। जिले में अवैध पत्थर कारोबार और उससे जुड़े मामलों की जांच के बीच रविवार प्रातः पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मोहम्मद बाजार क्षेत्र स्थित सोतशाल में टूलू मंडल के कार्यालय को सील कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान पहले से गिरफ्तार आरोपी मीनार मंडल को भी पुलिस अपने साथ मौके पर लेकर पहुंची थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मीनार मंडल की मौजूदगी में अधिकारियों ने कार्यालय का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कार्यालय पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया।कार्रवाई देर रात तक चली, जिसके चलते इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि अवैध पत्थर कारोबार और उससे जुड़े आर्थिक लेन-देन की जांच के सिलसिले में पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। इसी क्रम में पहले मीनार मंडल को गिरफ्तार किया गया था।

अब उसकी निशानदेही और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने टूलू मंडल के कार्यालय पर कार्रवाई की है। जांच एजेंसियां कार्यालय से जुड़े दस्तावेजों, रिकॉर्ड और अन्य संभावित साक्ष्यों की भी जांच कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कानून के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। इस कार्रवाई के बाद पूरे मोहम्मदबाजार और आसपास के क्षेत्रों में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक मामले के संबंध में विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की हर पहलू से पड़ताल की जा रही है। गौरतलब है कि जिला प्रशासन ने शनिवार को मोहम्मद बाजार और रामपुरहाट के आठ अवैध पत्थर खदानों को बंद करने का नोटिस जारी कर दिया गया था। इसके साथ ही टूलू मंडल के रिश्तेदार शेख वसीम को दार्जिलिंग से गिरफ्तार किया और उसे दस दिनों के पुलिस रिमांड पर लेकर जांच कर रही है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया

इंदौर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के खजराना थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद बिलाल के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने शिकायत में बताया कि मोहम्मद बिलाल ने शादी का वादा कर उसका विश्वास जीता और इसी बहाने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब उसने शादी की बात की तो आरोपी ने कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम बनने की शर्त रख दी। शिकायत में यह भी आरोप है कि धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर आरोपी ने युवती के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

यूकेएसएसएससी पेपर लीक केस, ईडी का बड़ा एक्शन, हाकम सिंह की 63 लाख की संपत्ति अटैच

देहरादून, 2 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित यूकेएसएसएससी भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी हाकम सिंह रावत की करीब 63 लाख रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है। ईडी का दावा है कि भर्ती घोटाले से अर्जित अवैध धन का इस्तेमाल संपत्तियां खरीदने और उसे वैध दिखाने के लिए किया गया। एजेंसी की जांच अभी जारी है और मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका को भी खंगाला जा रहा है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। जांच में सामने आया कि हाकम सिंह रावत और उसके सहयोगियों ने कथित तौर पर भर्ती परीक्षाओं में धांधली कर अभ्यर्थियों से मोटी रकम वसूली।

इसी अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई करीब 63 लाख रुपये की संपत्तियों को एजेंसी ने अस्थायी रूप से अटैच किया है। वित्तीय जांच के दौरान ईडी को हाकम सिंह रावत की आय और बैंक खातों से जुड़े कई अहम सुराग मिले। एजेंसी का दावा है कि उसे भर्ती घोटाले से करीब 95 लाख रुपये की अवैध कमाई हुई। बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा होने के साक्ष्य भी जांच में सामने आए। ईडी के मुताबिक, इस धन को वैध दिखाने के लिए आयकर रिटर्न में कृषि आय दर्शाई गई, लेकिन जांच के दौरान कृषि गतिविधियों से जुड़े दावे प्रमाणित नहीं हो सके। एजेंसी का आरोप है कि अपराध से अर्जित धन को वित्तीय प्रणाली के जरिए वैध बनाकर संपत्तियां खरीदी गईं।

मनी ट्रेल की जांच के दौरान ईडी ने 14 अलग-अलग स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान जांच एजेंसी ने डिजिटल उपकरण, बैंक रिकॉर्ड, संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड कब्जे में लिए। अधिकारियों का कहना है कि बरामद दस्तावेजों के आधार पर मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। ईडी के मुताबिक, जांच का दायरा 2016 और 2021 में आयोजित यूकेएसएसएससी भर्ती परीक्षाओं तक फैला हुआ है।

खाना खाने जा रही युवती का एक्सीडेंट में मौत

इंदौर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के बायपास पर स्थित ब्रिज के नीचे शनिवार रात एक हादसे में युवती की मौत हो गई। घटना रात 11 बजे की है। उसके दोस्त उसे खून से लथपथ हालत में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। रात 3 बजे युवती की मौत होने के बाद वे रात में ही शव छोड़कर चले गए। पुलिस ने बताया कि 29 वर्षीय साहिबा पिता मोहम्मद अफसर महालक्ष्मी नगर निवासी थी। रात में दोस्त अंकुर और सहज उसे लेकर एमवाय अस्पताल गए थे। सहज का कहना है कि साहिबा उसके दोस्त अंकुर की परिचित थी। हादसे की सूचना पर वह साथ आया है। साहिबा एक्टिवा गाड़ी से थी। पहले उसे गौरव अस्पताल पहुंचाया। यहां से दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई थी। इसके बाद एमवाय लेकर आए। दूसरी ओर, हादसे की सूचना मिलने के बाद भी भोपाल से उसके परिजन सुबह तक इंदौर नहीं पहुंचे हैं। भाई ने रात में ही इंदौर आने से मना कर दिया था। वहीं, अंकुर ने बताया कि साहिबा मूल रूप से भोपाल की रहने वाली थी। दो साल से इंदौर में रहकर इवेंट का काम कर रही थी। साहिबा ने कॉल कर कहा कि उसे लोकेशन नहीं मिल रही।

'भारत अब लोकतंत्र नहीं रहा': मनीष तिवारी का दावा
बोले- संसद सत्ता का अखाड़ा बनी; और क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर संसद और दूसरी विधायी संस्थाओं को संविधान के मुताबिक अपना काम ठीक से करना है, तो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बुनियादी बदलाव करने होंगे। उनका दावा है कि आज भारत वास्तविक अर्थों में लोकतंत्र नहीं रह गया है, क्योंकि जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्थाएं धीरे-धीरे कमजोर होती गई हैं। मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि संसद और दूसरी विधायी संस्थाओं का काम कानून बनाना और सरकार को जवाबदेह बनाना है। लेकिन अगर ये संस्थाएं केवल कार्यपालिका की सत्ता हासिल करने का माध्यम बनकर रह जाएंगी, तो नैतिक, राजनीतिक और संवैधानिक स्तर पर गिरावट लगातार बढ़ती जाएगी।

उन्होंने लिखा कि यह गिरावट 1990 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई थी और तब से लगातार जारी है। कांग्रेस सांसद ने संसद के कामकाज के आंकड़े भी साझा किए। उन्होंने बताया कि पहली लोकसभा (1952-57) हर

> आज लोकतंत्र की प्रतिनिधि संस्थाएं लगभग अप्रभावी हो चुकी हैं। संसद अपना संवैधानिक दायित्व नहीं निभा पा रही। लोकतांत्रिक और संवैधानिक ढांचे पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।
>
> *मनीष तिवारी, कांग्रेस सांसद*

साल औसतन 135 दिन बैठती थी। इसके मुकाबले 17वीं लोकसभा में बैठकें घटकर 55 दिन रह गईं। उनका कहना है कि इन 55 दिनों में भी करीब 30 से 35 दिन हंगामे और व्यवधान की वजह से प्रभावित रहे। उन्होंने यह भी कहा कि 13वीं, 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा का प्रदर्शन भी इससे बहुत बेहतर नहीं था। मनीष तिवारी ने आशंका जताई कि 18वीं लोकसभा विधायी कामकाज ठप रहने के मामले में पिछली लोकसभा का रिकॉर्ड भी तोड़ सकती है। उनके मुताबिक, अगर यही स्थिति बनी रही तो संसद अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से नहीं निभा पाएगी। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि आज देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं का संतुलन कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा कि अब व्यवस्था ऐसी बन गई है, जिसमें एक ओर शक्तिशाली कार्यपालिका है और दूसरी ओर न्यायपालिका, जो 'मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर' के बावजूद अपने न्यायाधीशों की नियुक्ति खुद करती है।

राम मंदिर चंदा चोरी पर बने नाटक को लेकर सांसदों पर एफआईआर
खेड़ा बोले - सरकार भूल जाती है कि चंदा चोरी से भक्तों को दुख पहुँचता है

नई दिल्ली हैदराबाद, 2 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी पुलिस द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद, कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने रविवार को कहा कि केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार राम मंदिर चंदे की कथित 'चोरी' जैसे मुद्दों को नज़रअंदाज़ कर रही है, जिससे भक्तों की भावनाएं आहत होती हैं।

खेड़ा ने कहा, सांसदों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही हैं, लेकिन सरकार यह भूल जाती है कि जब चंदा चोरी होता है, तो इससे भक्तों की भावनाएं भी आहत होती हैं। यह विवाद एक प्रदर्शन को लेकर है जिसमें पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने मंदिर के पुजारी की तरह गेरुए कपड़े पहने थे और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर एक नाटक किया था, जिसमें चंदा इकट्ठा करने वाला बॉक्स और भ्रष्टाचार के आरोप शामिल थे। इस प्रदर्शन के बाद बीजेपी नेताओं, जिनमें बांसुरी स्वराज और कई विधायक शामिल थे, ने नई दिल्ली में औपचारिक पुलिस शिकायतें दर्ज कराईं और नेताओं पर हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। एक धार्मिक नेता की शिकायत के बाद वाराणसी में भी एक अलग एफआईआर दर्ज की गई है।

राष्ट्रीय राजधानी के जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में याचिकाकर्ता सूर्य मैथिल द्वारा पप्पू यादव के खिलाफ एक और पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। परिसीमन पर राहुल गांधी की टिप्पणी का जिक्र करते हुए खेड़ा ने कहा कि तमिलनाडु में लोकसभा में विपक्ष के नेता का बयान बिल्कुल सही था। खेड़ा ने कहा, जो लोग अपने राज्यों को लेकर चिंतित हैं, उन्हें

परिसीमन का विरोध करना चाहिए। संसद में परिसीमन विधेयक को फिर से लाए जाने की चर्चा के बीच, गांधी ने विधेयक का समर्थन करने वालों की कड़ी आलोचना की थी और परिसीमन को तमिलनाडु के लोगों को मताधिकार से वंचित करने और राज्य की राजनीतिक शक्ति छीनने की साजिश बताया था। पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस सांसद ने तर्क दिया कि यह प्रक्रिया तमिलनाडु को कमज़ोर करने के लिए बनाई गई है और उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, चाहे वे क्षेत्रीय हों या राष्ट्रीय, से सदन में विधेयक को हराने का आह्वान किया।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, बीजेपी परिसीमन करने की कोशिश कर रही है। परिसीमन लोगों को मताधिकार से वंचित करने और तमिलनाडु के लोगों की राजनीतिक शक्ति छीनने के लिए बनाया गया है। यह बीजेपी की साजिश है। जो कोई भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु के साथ धोखा कर रहा है, तमिलनाडु के भविष्य के साथ धोखा कर रहा है और आरएसएस और बीजेपी को तमिलनाडु के लोगों और उनके भविष्य पर हमला करने की अनुमति दे रहा है।

सुविचार: जिंदगी से मिल रहे घावों से घबराना मत, वक्त ही उसका मरहम है।

2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना लक्ष्य : भट्टी विक्रमार्क

27 लाख विद्यार्थियों को नाश्ता, इंटर छात्रों को मध्याह्न भोजन योजना

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना को विश्वस्तरीय निवेश केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। वर्ष 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर और अगले पांच वर्षों में 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार 'तेलंगाना राइजिंग-2047' विजन योजना को लागू कर रही है। अमेरिका दौरे के दौरान इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने तेलंगाना सरकार की विकास योजनाओं और भविष्य की रणनीति से प्रवासी भारतीयों को अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि राज्य की जन सरकार कल्याण और विकास को समान प्राथमिकता देते हुए तेलंगाना की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद, सिकंदराबाद और साइबराबाद के साथ मुच्चेरला क्षेत्र में 'भारत फ्यूचर सिटी' का निर्माण किया जा रहा है, जिसे नेट-जीरो मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। राज्य को कोर अर्बन (क्योर), पेरी अर्बन (प्योर) और रूरल एग्री (रेयर) नामक तीन आर्थिक क्षेत्रों में विभाजित कर योजनाबद्ध विकास किया जा रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षा क्षेत्र में बड़े सुधार किए गए हैं। सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है तथा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले एकीकृत आवासीय विद्यालय बनाए जा रहे हैं।

टाटा समूह के सहयोग से 2,100 करोड़ रुपये की लागत से सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को हाईटेक डिजिटल प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देश में पहली बार सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले 27 लाख विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ता उपलब्ध करा रही है। इसके साथ ही सरकारी जूनियर कॉलेजों में अध्ययनरत इंटरमीडिएट विद्यार्थियों के लिए मध्याह्न भोजन योजना का भी विस्तार किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में झीलों, नालों और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण रोकने के लिए हाइड्रा व्यवस्था लागू की गई है। साथ ही लंदन की थेम्स नदी की तर्ज पर मूसी रिवरफ्रंट परियोजना के माध्यम से मूसी नदी का पुनरुद्धार कर उसे पर्यटन और वाणिज्यिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों के बीआरएस शासन में राज्य की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी और सरकारी कर्मचारियों को हर महीने 15 से 25 तारीख के बीच वेतन मिलता था। वर्तमान सरकार ने वित्तीय अनुशासन लागू कर व्यवस्था को पटरी पर लाया है और अब प्रत्येक माह की पहली तारीख को कर्मचारियों के खातों में वेतन जमा किया जा रहा है। साथ ही सरकारी कर्मचारियों को 1.20 करोड़ रुपये का निःशुल्क दुर्घटना बीमा भी उपलब्ध कराया जा रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार चुनाव के दौरान किए गए छह गारंटी वादों को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है। महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, निःशुल्क बिजली तथा आरोग्यश्री योजना की सीमा बढ़ाने जैसे निर्णयों से आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि रीजनल रिंग रोड, मेट्रो रेल के दूसरे चरण के विस्तार तथा बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश आकर्षित करने के कारण तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 4.18 लाख रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने अमेरिका में रह रहे तेलुगु प्रवासी भारतीयों और उद्योगपतियों से तेलंगाना में निवेश कर राज्य के विकास में भागीदार बनने का आह्वान किया। बैठक में मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव, सरकारी मुख्य सचेतक अद्दांकी दयाकर, विधायक टी. राममोहन रेड्डी, राकेश रेड्डी, काले यादैया, दोंथी माधव रेड्डी, येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, विजय डेयरी के अध्यक्ष गुत्ता अमित रेड्डी, कांग्रेस नेता हनुमानला झांसी रेड्डी तथा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय उपस्थित थे।

हॉस्टल में लंच के बाद आश्रम स्कूल के सात छात्र बीमार पड़े

मंचेरियल, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को बेल्लमपल्ली में अपने हॉस्टल में दोपहर का खाना खाने के बाद आश्रम स्कूल के सात छात्र बीमार पड़ गए। माता-पिता का दावा है कि दोपहर करीब 3 बजे खाना खाने के बाद छात्रों को उल्टी होने लगी और पेट दर्द की शिकायत हुई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया और शाम तक छुट्टी दे दी गई। उन्हें शक था कि परोसा गया बासी खाना इसकी वजह हो सकता है।

माता-पिता ने आरोप लगाया कि छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए कोई अधिकारी आगे नहीं आया, जो हॉस्टल के खराब मैनेजमेंट को दिखाता है। उन्होंने दावा किया कि वे स्थानीय लोगों की मदद से अपने बच्चों को अस्पताल ले जा सके। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे हॉस्टल में रहने वालों को साफ़-सुथरा खाना परोसना सुनिश्चित करें और साथ ही अधिकारियों द्वारा निगरानी में भी सुधार करें।

नलगोंडा निर्वाचन क्षेत्र में हर एकड़ भूमि की सिंचाई का वादा : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने नए ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि ब्राह्मणा वेल्लेमुला परियोजना के माध्यम से नालगोंडा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक एकड़ को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना के माध्यम से चार लाख एकड़ भूमि को सिंचाई प्रदान करके नलगोंडा जिले को एक उपजाऊ और समृद्ध क्षेत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि एसएलबीसी परियोजना पर पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है और अगस्त 2028 तक पूरा हो जाएगा, जिसके बाद लक्षित क्षेत्रों में सिंचाई का पानी पहुंचाया जाएगा।

मंत्री रविवार को नालगोंडा मंडल के कंचनपल्ली गांव में 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित एक नए ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कंचनपल्ली को एक आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें सड़कों, जल निकासी, पेयजल, सिंचाई और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गांव को हैदराबाद, नालगोंडा, चित्याल और अन्य स्थानों से जोड़ने के लिए दोहरी लेन की सड़कें बनाई जा रही हैं।

कंचनपल्ली लिफ्ट सिंचाई योजना, जिसे गांव के हर एकड़ में सिंचाई उपलब्ध कराने के लिए 11 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया है, दशहरा तक पूरी हो जाएगी। सरकार ने कंचनपल्ली के लिए 3 करोड़ रुपये की लागत से 33/11 केवी उप-स्टेशन को भी मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि लिफ्ट सिंचाई योजना और उप-स्टेशन दोनों का उद्घाटन दशहरा उत्सव के दौरान किया जाएगा।

नीट में सफलता के बाद हरीश राव सिद्दीपेट की छात्रा की एमबीबीएस की पढ़ाई का खर्च उठाएंगे

सिद्दीपेट, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव, जो पिछले चार सालों से एक ऐसी लड़की की पढ़ाई में मदद कर रहे हैं जिसके पिता नहीं हैं, ने नीट परीक्षा पास करने के बाद उसे अपने घर बुलाया और रविवार को नाश्ते पर उसका स्वागत किया।

इसके बाद हरीश राव ने उसकी पूरी मेडिकल की पढ़ाई का खर्च उठाने की पेशकश की। लड़की के पिता मड्डुरी राजू सिद्दीपेट में चाय की दुकान चलाते थे। हालाँकि, लगभग पाँच साल पहले ब्रेन कैंसर से राजू की मौत हो गई, जिससे उनकी तीन बेटियों की ज़िम्मेदारी उनकी पत्नी पर आ गई। होटलों में काम करने वाली उनकी पत्नी के लिए अपनी तीन बेटियों का पेट भरना भी मुश्किल हो रहा था। चूँकि परिवार के पास अपना घर नहीं था, इसलिए स्थानीय लोगों ने परिवार की मदद के लिए हरीश राव से संपर्क करने में सहायता की। राव ने परिवार को 2-बीएचके घर दिलाने के साथ-साथ उनकी स्कूली शिक्षा का खर्च भी उठाया था।

जहाँ पहली बेटी काव्या डिग्री के दूसरे साल में पढ़ाई कर रही थी, वहीं दूसरी बेटी अखिला ने 720 में से 453 अंक लाकर नीट परीक्षा पास की।

जुआ खेलने के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

मंचेरियल, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात सुमागूडम गांव में एक घर पर जुआ खेलने के आरोप में टास्क फोर्स ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन पांचों लोगों से 1.10 लाख रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिलें ज़ब्त कीं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांचों लोगों को कासीपेट पुलिस को सौंप दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

रेवंत रेड्डी के 'क्रिमिनल वेस्ट' बयान पर राहुल गांधी से बिना शर्त माफी की मांग

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने राहुल गांधी को लिखा पत्र

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को कथित रूप से 'क्रिमिनल वेस्ट' कहे जाने के मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी से देशभर के विद्यार्थियों, इंजीनियरों और शिक्षकों से बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की। रविवार को राहुल गांधी को संबोधित चार पृष्ठों का पत्र जारी करते हुए केटीआर ने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की यह टिप्पणी कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक सोच है। उन्होंने पूछा कि क्या विद्यार्थियों, इंजीनियरों और युवाओं का इस तरह अपमान करना कांग्रेस की नीति का हिस्सा है। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करने और रेवंत रेड्डी को मुख्यमंत्री चुनने वाले नेता होने के नाते राहुल गांधी इस बयान से अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की राजनीतिक और नैतिक जिम्मेदारी राहुल गांधी पर ही आती है तथा उनकी चुप्पी को मुख्यमंत्री के बयान का समर्थन माना जाएगा। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को 'क्रिमिनल वेस्ट' कहना लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का अपमान है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी न केवल इंजीनियरिंग पेशे की गरिमा को ठेस पहुंचाती है, बल्कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद की प्रतिष्ठा को भी कम करती है। केटीआर ने आरोप लगाया कि यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहले भी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों, युवाओं और शिक्षकों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लगातार तेलंगाना के युवाओं का अपमान कर रही है। उन्होंने राहुल गांधी से मांग की कि वे देशभर के विद्यार्थियों, इंजीनियरों, शिक्षकों और युवाओं से बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगें तथा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को तत्काल अपना बयान वापस लेने और इंजीनियरिंग विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों एवं आहत लोगों से बिना शर्त क्षमा मांगने का निर्देश दें। अपने पत्र के अंत में केटीआर ने कहा कि तेलंगाना का युवा कांग्रेस सरकार की कार्यशैली पर नजर रखे हुए है और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से अपना फैसला सुनाएगा। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा पीढ़ी का जनादेश किसी भी अस्थायी राजनीतिक सत्ता से अधिक प्रभावशाली होता है।

केटीआर ने उज्जयिनी महाकाली मंदिर के दर्शन किये

पूर्व मंत्री तलसानी ने पूजा-अर्चना की

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने रविवार को सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर का दौरा किया और देवी की विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने केटीआर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर बोलते हुए केटीआर ने बोनालू उत्सव को जातिगत भेदभाव से परे मनाया जाने वाला एक भव्य त्योहार बताया। उन्होंने कहा कि लोग अपनी मन्नतें पूरी करने के लिए देवी को 'बोनम' अर्पित करते हैं। हालांकि, उन्होंने याद दिलाया कि संयुक्त राज्य के समय में बोनालू उत्सव की उपेक्षा की गई और इसे राज्य उत्सव के रूप में मान्यता नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने बोनालू को राज्य उत्सव का दर्जा दिलाया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने कहा था कि तेलंगाना की यह उपलब्धि देवी के आशीर्वाद से ही संभव हो पाई है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य भर के मंदिरों को 25 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई और त्योहारों को भव्य रूप से मनाने के लिए मंदिर समितियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। केटीआर ने बताया कि वे राज्य में भरपूर वर्षा के लिए देवी से प्रार्थना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने देवी से राज्य को हरा-भरा और समृद्ध बनाए रखने और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने की विनती की थी। इसी क्रम में पूर्व मंत्री और सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आशा व्यक्त की है कि महाकाली देवी की कृपा से राज्य में भरपूर वर्षा हो और लोग सुख-समृद्धि से रहें। रविवार को वे आषाढ़ बोनालू उत्सव के अंतर्गत सिकंदराबाद स्थित श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर गए। उनके आगमन पर मंदिर के पुजारियों ने पूर्णा कुंभम से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर स्थानीय मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि अल नीनो के प्रभाव से कम बारिश के कारण किसानों और आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने देवी से भरपूर बारिश और अच्छी फसल के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने बोनालू उत्सव को तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक बताया।

छात्रों के विरोध प्रदर्शन में अपराधी शामिल थे: भाजपा

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के मुख्य आधिकारिक प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एनवी सुभाष ने रविवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दिन आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लगभग 3000 लोग शामिल हुए थे। 'आपराधिक पृष्ठभूमि वाले इन लोगों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया ताकि और अधिक अशांति पैदा की जा सके, जिसमें वास्तविक छात्रों की संख्या बहुत कम थी, सुभाष ने यहां राज्य पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया। उन्होंने कहा कि अपराधियों ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन को हाईजैक कर लिया है, जिन्हें कथित तौर पर कुछ राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को बदनाम किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस की एक रिपोर्ट से पता चला है कि विरोध रैली में शामिल 3000 लोगों में से 101 लोग हत्या के मामलों में, 62 हत्या के प्रयास में, 60 बलात्कार के मामलों में और 2089 डकैती और लूटपाट के मामलों में शामिल थे।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that our clients **Mr. Yogesh Agarwal**, S/o Late Chandrakant Agarwal and his wife **Smt Seema Agarwal**, W/o. Yogesh Agarwal, both R/o. Flat No. 401, H. No. 1-1-651/1 Anitha towers, Gandhi Nagar, Hyderabad-500080, Telangana, have severed all their relations with their son **Mr. Lokesh Agarwal and his spouse Saloni Agarwal**, who cultivated under the condition and acting against our clients, as such they have **disowned** their elder son **Mr. Lokesh Agarwal and his wife Saloni Agarwal**. Anybody dealing with **Mr. Lokesh Agarwal and his wife Mrs. Saloni Agarwal** will do so at his/her/their own risk and responsibilities and our clients will not be responsible for any act, deed or dealing done by **Mr. Lokesh Agarwal and Saloni Agarwal**.

M. A. Rasheed,
MOHAMMED IBRAHIM FARAZ
Advocates
D. No 17-1-211/7/A,
Santosh Nagar, Hyderabad-59
Cell:9989709370 & 9348557547

नरसमपेट मेडिकल कॉलेज का नाम दिवंगत पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के नाम पर रखा जाए

अमेरिका में बीआरएस व एनआरआई का प्रस्ताव

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका के बाल्टीमोर में आयोजित एटीए (अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन) महासम्मेलन में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) ने तेलंगाना आंदोलन के योद्धा एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय पेद्दी सुदर्शन रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देवदुला सिंचाई परियोजना तथा नरसमपेट में प्रस्तावित सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखने की मांग की। इस संबंध में तेलंगाना सरकार से शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया गया। बीआरएस एनआरआई यूएसए के तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हजारों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्वर्गीय पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यह कार्यक्रम बीआरएस एनआरआई यूएसए के प्रभारी महेश तन्नीरू के नेतृत्व में तिरुपति रेड्डी एर्रमरेड्डी, चंदू थल्ला, नरसिम्हा नागुलवंच और रजनीकांत कोसनम के सहयोग से आयोजित किया गया।

सभा में पूर्व मंत्री सी. लक्ष्मा रेड्डी, श्रीनिवास गौड़, पूर्व विधान परिषद सदस्य कर्णे प्रभाकर, पूर्व विधायक आल वेंकटेश्वर रेड्डी, एस. राजेंद्र रेड्डी, गडारी किशोर, पुट्टा मधु, बीआरएस के वरिष्ठ नेता मारेड्डी श्रीनिवास रेड्डी, कर्नाटी विद्यसागर, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कंचार्ला कृष्णा रेड्डी, नंद्याला दयाकर रेड्डी, पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष रघुवीर सिंह, रेगट्टे मल्लिकार्जुन रेड्डी सहित अनेक नेता और प्रवासी भारतीय उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पेद्दी सुदर्शन रेड्डी ने तेलंगाना राज्य आंदोलन में अतुलनीय योगदान दिया। आंदोलन के दौरान गंभीर रूप से घायल होकर उन्होंने एक पैर और एक आंख खो दी थी, लेकिन इसके बावजूद जीवन के अंतिम समय तक तेलंगाना और जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। ऐसे त्यागी नेताओं को तेलंगाना समाज कभी नहीं भूल सकता। बीआरएस एनआरआई यूएसए के प्रभारी महेश तन्नीरू ने प्रस्ताव रखा कि पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के आंदोलन में दिए गए त्याग और सेवाओं को स्थायी सम्मान देने के लिए देवदुला परियोजना का नाम उनके नाम पर रखा जाए। साथ ही उनके गृह क्षेत्र नरसमपेट में स्थापित होने वाले सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम भी उनके नाम पर रखने की मांग की। नेताओं ने कहा कि यदि वर्तमान सरकार यह निर्णय नहीं लेती है तो भविष्य में बीआरएस के पुनः सत्ता में आने पर देवदुला परियोजना और नरसमपेट मेडिकल कॉलेज का नाम पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के नाम पर रखने की कार्रवाई की जाएगी। सभा के अंत में नेताओं ने पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनके आदर्शों और विचारों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रवासी भारतीयों, पत्रकारों और अन्य प्रतिभागियों ने भी पेद्दी सुदर्शन रेड्डी से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया।

सेवानिवृत्त आरटीसी कर्मचारी 4 अगस्त को बस भवन तक मार्च निकालेंगे

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के महासचिव बुची रेड्डी ने रविवार को मंगलवार (4 अगस्त) को अपनी दीर्घकालीन शिकायतों के समाधान के लिए चलो बस भवन विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। उन्होंने सेवानिवृत्त आरटीसी कर्मचारियों से निर्धारित दिन सुबह 10:00 बजे बड़ी संख्या में बस भवन पर एकत्रित होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन तीन वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) चक्रों से बकाया राशि के भुगतान और सेवानिवृत्ति लाभों की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर है। उन्होंने कहा कि वे अपने लिए तारनाका आरटीसी अस्पताल में व्यापक चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। एक बयान में, महासचिव ने अनुरोध किया कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सुपर लग्जरी बसों में यात्रा करने की अनुमति दी जाए। बुची रेड्डी ने कहा कि इन मामलों के संबंध में एक ज्ञापन निगम के प्रबंध निदेशक को सौंपा जाएगा।

क्वारी दुर्गा देवी मंदिर में हजारों लोग उमड़े

मंचेरियल, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को चल रहे आषाढ़ बोनालु त्योहार के हिस्से के तौर पर, गादपुर गाँव के बाहरी इलाके में मंचेरियल सीमेंट कंपनी की एक बंद पड़ी क्वारी में स्थित दुर्गा देवी मंदिर में हजारों भक्त उमड़ पड़े।

मंचेरियल, मंदामरी, बेल्लमपल्ली, रामकृष्णपुर, श्रीरामपुर और लक्सेट्टीपेट कस्बों से लगभग 30,000 भक्त इस पवित्र स्थल पर पहुँचे और लंबी कतारों में मंदिर के दर्शन किए। वे ट्रैक्टर, ऑटो-रिक्शा, जीप और मोटरसाइकिल से मंदिर पहुँचे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, B Lakshmi Devi, W/o, No. 10329501Y, Ex-NK, Sreenivasulu Bathula, R/o, H No. 1-23-105, Venkatapuram, Dist: Medchal - Malkajgiri, Telangana, changed my name from B Lakshmi Devi to Lakshmi Devi Bathula, vide Affidavit No. BU 316465 dt. 31.07.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

छठी पुण्यतिथि
हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री विक्रमजी काग
सुपुत्र: स्व.श्री नेनाराम काग (मरुधर मे मुकनपुरा मारवाड़, पाली)
स्वर्गवास : 03 अगस्त 2020
आपकी मधुर स्मृतियां कभी नहीं मिट पायेगी।
जीवन के अंतिम क्षण तक हमें आपकी याद आयेगी॥
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : कमलाबाई (धर्मपत्नी), ओगड़रामजी-प्यारीबाई, रमेशजी-गौरीबाई (भाई-भाभी), प्रकाश-मंजू, हीरालाल-संतोष, पवन-पिंकी (पुत्र-पुत्रवधू), बाबूलाल-तारा, लुंबाराम-मंजू, पुनाराम-मंजू, मोती-गीता, उत्तम-निर्मला (भतीजा-बहू), मंजू-प्रकाशजी मुलैवा, पुष्पा-सुरेशजी भायल, सुखी-सुनीलजी वर्पा, केसी-पुनारामजी सोयल (बेटी-दामाद), किरण-हरीशजी गहलोत (पोत्री-दामाद), भंवरलाल, जगदीश, दीपक, हितेन, निखिल, पूजा, टीना, (दोयती)-दिव्यांशिका, एवं समस्त काग परिवार
:फर्म: पूजा ट्रेडर्स, जगदीश ट्रेडर्स
पारसीगुट्टा, सिकंदराबाद 9243245243, 9492063340
P.Solankey

नीट छात्र ने की खुदकुशी, आम के बाग में मिला शव

मुरादाबाद, 2 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के छजलैट थाना क्षेत्र में नीट की तैयारी कर रहे 19 साल के छात्र का शव आम के बाग में फंदे से लटका मिला है। छात्र घर से कोचिंग जाने की बात कहकर निकला था। कुछ देर बाद उसने दोस्तों को अपनी लोकेशन भेजी। जब दोस्त मौके पर पहुंचे तो छात्र मृत मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना छजलैट थाना क्षेत्र के दाढ़ी महमूदपुर गांव के पास की है। बताया गया कि अमरोहा के चक्क घी नगला गांव का रहने वाला 19 वर्षीय अनस नीट की तैयारी कर रहा था। हमेशा की तरह वह शुक्रवार को घर से कोचिंग जाने की बात कहकर निकला था। कुछ देर बाद उसने अपने दोस्तों को अपनी लोकेशन भेजी। दोस्त जब बताए गए स्थान पर पहुंचे तो उन्होंने अनस को आम के बाग में फंदे से लटका देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

बटेश्वर कॉरिडोर पर अखिलेश यादव का आरोप

'सीधे मिट्टी पर ही डाल दी पीसीसी', बोले- ये भ्रष्टाचार का सबूत है

आगरा, 2 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा के बटेश्वर धाम में बन रहे कॉरिडोर को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्माण कार्य की तस्वीरें साझा कर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि बिना बेस तैयार किए मिट्टी पर सीधे पीसीसी (पीसीसी) डाली जा रही है। वहीं, निर्माणदायी संस्था यूपीपीसीएल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि सावन में श्रद्धालुओं की सुविधा और कीचड़ से बचाने के लिए अस्थायी तौर पर पीसीसी डाली गई है। अखिलेश यादव ने एक्स पर बटेश्वर कॉरिडोर के काम की तस्वीरें साझा कीं।

उन्होंने निर्माण कार्य में लापरवाही का आरोप लगाते हुए लिखा कि यह है, बटेश्वर कॉरिडोर के काम में हो रहे बेतहाशा भ्रष्टाचार का साक्षात सबूत। वीडियो में दिख रहा है कि बिना नींव

तैयार किए सीधे मिट्टी पर ही पीसीसी डाली जा रही है। यहां खराब कांक्रीट और पत्थर का इस्तेमाल हो रहा है और डिजाइन फाल्ट्स की भी कई बार लिखित शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कभी सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी की जा रही है और शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए आगे लिखा कि भाजपा राज में जब कोई ईमानदार नागरिक आवाज उठाता है, तो उसके फोन पर धमकी की आवाज आ जाती है। भाजपा राज में सुनवाई की जगह धमकाई हो रही है। भाजपा ने अटल प्रोग्रेस वे बनाने का वादा किया था। अब जनता पूछ रही है कि क्या यह भी एक जुमला था? उन्होंने कहा कि बटेश्वर में पर्यटन विभाग की ओर से यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के माध्यम से काम कराया जा रहा है।

यूपीपीसीएल ने दी सफाई

अखिलेश यादव के आरोपों पर यूपीपीसीएल ने सफाई देते हुए इन्हें गलत बताया है। निर्माण संस्था का कहना है कि सावन महीने में श्रद्धालुओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए कच्चे रास्ते पर अस्थायी रूप से पीसीसी डाली गई है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह के अनुसार, यूपीपीसीएल ने जानकारी दी है कि बटेश्वर धाम कॉम्प्लेक्स में नए गेट नंबर एक और बिटुमिन मार्ग के बीच करीब छह मीटर हिस्से में 150 एमएम सीसी का आधार तैयार किया जाना है। इसके ऊपर 100 एमएम रेड स्टोन कोबल लगाया जाएगा।

बरसात में कीचड़ से बचाने के लिए डाली पीसीसी

अधिकारियों ने बताया कि मंदिर समिति के प्रतिनिधियों ने 28 जुलाई को गुरु पूर्णिमा और श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए व्यवस्था कराने का अनुरोध किया था। बरसात में कीचड़ की समस्या को देखते हुए कच्चे स्थान को चलने योग्य बनाने के लिए अस्थायी पीसीसी डाली गई।

नीलगाय से टकराई सपा विधायक इंद्राणी वर्मा की कार

सभी लोग सुरक्षित; लखनऊ जाते समय बहराइच में हुआ हादसा

बहराइच, 2 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में रविवार सुबह सपा विधायक इंद्राणी वर्मा की कार नीलगाय से टकरा गई। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि विधायक समेत वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे।

कुछ लोगों को हल्की चोटें आने की बात कही जा रही है। हादसा कैसरगंज क्षेत्र में बहराइच-लखनऊ राजमार्ग पर हुआ। श्रावस्ती के भिनगा विधानसभा सीट से सपा विधायक इंद्राणी वर्मा सुबह कार से लखनऊ जा रही थीं। रास्ते में अचानक एक नीलगाय सड़क पर आ गई।

चालक के वाहन नियंत्रित करने से पहले कार नीलगाय से टकरा गई। हालांकि वाहन की गति अधिक न होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। सूचना पर एक निजी स्कूल के प्रबंधक मशकूर हबीब ने विधायक के लिए दूसरे वाहन की व्यवस्था कराई। इसके बाद वह अन्य लोगों के साथ लखनऊ के लिए रवाना हो गईं। विधायक इंद्राणी वर्मा ने बताया कि सड़क पर अचानक नीलगाय आने से वाहन टकरा गया था। सभी लोग सुरक्षित हैं। किसी को गंभीर चोट नहीं आई है।

26 साल की प्रतिभा राणा की संदिग्ध मौत से हड़कंप, बैंक में करती थी काम

मुरादाबाद, 2 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद स्थित सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की हिमगिरी कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 26 वर्षीय महिला बैंक कर्मचारी का शव उनके किराए के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। मृतका की पहचान अमरोहा निवासी प्रतिभा राणा के रूप में हुई है, जो मुरादाबाद स्थित एक्सिस बैंक के लोन विभाग में कार्यरत थीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, प्रतिभा राणा के साथ रहने वाली युवतियों और सहकर्मियों ने जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा खटखटाया और लगातार फोन किया, तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

अनहोनी की आशंका होने पर सहयोगियों ने तत्काल यूपी 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिविल लाइंस पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतका के परिजनों को भी बुला लिया गया। परिजनों और गवाहों की उपस्थिति में जब दरवाजा खोला गया तो अंदर प्रतिभा का शव पड़ा मिला। पुलिस ने तुरंत पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कांवड़ यात्रा को लेकर हापुड़ डीएम के कड़े निर्देश

लापरवाही बरती तो अफसरों की खैर नहीं!

हापुड़, 2 अगस्त (एजेंसियां)। सावन माह की कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं। पिलखुवा स्थित सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेटों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नियुक्त मजिस्ट्रेट और

जोनल मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहेंगे। प्रत्येक अधिकारी को ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन हर समय चालू रखने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संपर्क स्थापित किया जा सके। कांवड़ यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। अस्पतालों में कांवड़ियों के लिए विशेष वार्ड बनाए जाएं। पर्याप्त दवाओं का स्टॉक उपलब्ध रहे, एंबुलेंस 24 घंटे तैयार रहें और चिकित्सकों की निरंतर ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा कांवड़ मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए।

भीड़ वाले क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। रूट डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था पहले से तय कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बसपा मुखिया मायावती की बड़ी कार्रवाई

भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को फिर पार्टी से निकाला

लखनऊ, 2 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बेहद गंभीर बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर बड़ा फैसला लिया है। विधानसभा चुनाव के लिए 15-18 प्रत्याशी फाइनल कर चकीं मायावती ने पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अनुशासनहीनता के बेहद खिलाफ मायावती ने पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर को अशोक सिद्धार्थ को पहले भी पार्टी से निष्कासित किया था,

लेकिन उनके सार्वजनिक रूप से माफी मांग लेने पर उनको वापस ले लिया था। मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के बाद आकाश आनंद को भी पार्टी से बाहर किया था, लेकिन उनकी भी वापसी कराकर नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया है। मायावती ने स्वयं ही टिकट फाइनल करने को लेकर एक्स पर एक पोस्ट किया था

भारत-नेपाल बॉर्डर पर तस्करों की साजिश नाकाम लाखों की गांजे की खेप जब्त

सीतामढ़ी, 2 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एसएसबी का अभियान लगातार रंग ला रहा है। शनिवार की देर रात भिट्ठामोड़ बॉर्डर पर तैनात एसएसबी की 51वीं बटालियन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15.400 किलो गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जवानों की सतर्कता से तस्करों की पूरी साजिश धरी की धरी रह गई। एसएसबी ने यह कार्रवाई भिट्ठा थाना क्षेत्र के कोरियाही गांव के समीप तिरपित नगर में की। जवानों को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद इलाके की घेराबंदी कर तीन लोगों को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान उनके पास से 15 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही तीन मोबाइल फोन और 30,500 रुपये नकद भी जब्त किए गए।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान दिल्ली के जेजे थाना क्षेत्र अंतर्गत वजीरपुर कॉलोनी, भारत नगर निवासी मो। अली, मो। आशिक अली और मो। शाकिर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस और एसएसबी यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप नेपाल से लाई गई थी या किसी अन्य नेटवर्क के जरिए सीमा तक पहुंची थी। बरामद गांजा, मोबाइल और नकदी को जब्त करने के बाद एसएसबी ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की।

8 लाख में कब्र बेचने' के आरोप से मचा बवाल

लखनऊ में आमने-सामने आए दो शिया धर्मगुरु

लखनऊ, 2 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इमामबाड़ा गुफरान मआब को लेकर शिया समुदाय के दो प्रमुख धर्मगुरुओं के बीच विवाद गहरा गया है। शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने मौलाना कल्बे जवाद पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि इमामबाड़ा गुफरान मआब परिसर में कब्रों की बिक्री की जा रही है और एक कब्र के लिए करीब 8 लाख रुपये तक वसूले जा रहे हैं। इन आरोपों के बाद शिया समुदाय में नई बहस छिड़ गई है। मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि वक्फ की जमीन पर स्थित कब्रिस्तान की जमीन को बेचा नहीं जा सकता। उनका आरोप है कि इमामबाड़ा गुफरान मआब में दफनाने के नाम पर बड़ी रकम ली जा रही है, जो धार्मिक परंपराओं और वक्फ के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी उठाई।

दूसरी ओर, मौलाना कल्बे जवाद ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। उनका कहना है कि उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास कोई ठोस सबूत है तो वह संबंधित एजेंसियों के सामने पेश करे। इमामबाड़ा गुफरान मआब और उससे जुड़ी वक्फ संपत्तियों को लेकर पहले भी आरोप-प्रत्यारोप सामने आते रहे हैं। वर्ष 2015 में भी वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और कब्रों की बिक्री से जुड़े आरोप सार्वजनिक रूप से लगाए गए थे और जांच की मांग उठी थी। हालांकि उन मामलों में भी आरोपों का खंडन किया गया था।

ताजा आरोपों के बाद लखनऊ का यह मामला शिया समुदाय में चर्चा का विषय बन गया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि संबंधित संस्थाएं या प्रशासन इन आरोपों पर कोई जांच या कार्रवाई करता है या नहीं। फिलहाल यह मामला आरोप और प्रत्यारोप के दौर में है तथा आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

10 साल की लव स्टोरी नहीं माने घर वाले तो हिंदू प्रेमी के लिए शाहजहां से बनी प्रतीक्षा, फिर मंदिर में 7 फेरे लेकर रचाई शादी

बरेली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले स्थित अगस्त्य मुनि आश्रम में एक अनोखा विवाह संपन्न हुआ। जौनपुर की रहने वाली शाहजहां बानो ने अपनी स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाकर अपना नया नाम 'प्रतीक्षा' रखा। इसके बाद उन्होंने प्रतापगढ़ निवासी अपने प्रेमी पवन के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। अब इस अनोखी शादी की हर कहीं चर्चा हो रगी है। दोनों की लव स्टोरी भी बेहद दिलचस्प है। जौनपुर जिले के भीलमपुर निवासी शाहजहां बानो और प्रतापगढ़ के भोजेमऊ गांव निवासी पवन की पहचान स्कूल के दिनों में हुई थी। एक ही कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के दौरान दोनों की दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई।

10 साल तक संपर्क में रहने के बाद दोनों ने साथ जीने-मरने का फैसला किया। जब दोनों के परिवारों ने इस शादी के लिए सहमति नहीं दी, तो दोनों ने साथ रहने का निर्णय लिया। बालिग जोड़ों के विवाह की जानकारी मिलने पर दोनों बरेली के अगस्त्य मुनि आश्रम पहुंचे।

आश्रम के पंडित केके शंखधार ने दोनों के शैक्षणिक और आयु प्रमाण पत्रों की गहन जांच की, जिसमें दोनों बालिग पाए गए। प्रतीक्षा की इच्छा पर सनातन परंपरा के अनुसार सिंदूरदान, मंगलसूत्र और सात फेरों की रस्म पूरी कराई गई। आश्रम प्रमुख ने बताया कि यह उनके आश्रम में कराया गया 251वां विवाह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आश्रम में केवल बालिग और अपनी स्वतंत्र इच्छा से शादी करने वाले जोड़ों का ही विवाह कानूनी प्रक्रिया व दस्तावेजों की जांच के बाद कराया जाता है।

'रोज फोन कर बुलाते थे विधायक, 50 लाख मांगते थे; ईओ विमल कुमार हत्याकांड में पत्नी के आरोप

पटना, 2 अगस्त (एजेंसियां)। रोहतास जिले के डेहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) विमल कुमार की हत्या के मामले में उनकी पत्नी बबीता ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पोस्टमार्टम के बाद जब विमल कुमार का शव पटना के दानापुर स्थित उनके आवास पहुंचा, तो परिवार में कोहराम मच गया। इसी दौरान मीडिया से बातचीत में बबीता देवी ने डेहरी के विधायक पर पति को लगातार प्रताड़ित करने और रुपये मांगने का आरोप

लगाया। पति के शव के पास बिलखती हुई बबीता देवी बार-बार विधायक का नाम लेते हुए न्याय की गुहार लगाती रहीं। उन्होंने दावा किया कि विधायक अक्सर उनके पति को फोन कर मिलने के लिए बुलाते थे और उन पर दबाव बनाते थे। बबीता देवी ने आरोप लगाया कि विधायक उनके पति से कभी 50 लाख रुपये तो कभी 25 लाख रुपये की मांग करते थे। उन्होंने कहा, मेरे पति कहते थे कि हम इतने पैसे कहां से देंगे। विधायक क्या-क्या कहते थे, यह वह विस्तार से नहीं बताते थे। बस फोन पर 'हां सर, हां सर' कहते रहते थे। पति उसके कारण काफी परेशान रहते थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई बार पति को सलाह दी थी कि वे वहां से तबादला कराकर किसी छोटे शहर में चले जाएं। 'मैं कहती थी कि आप यहां मत रहिए, किसी छोटे स्थान पर पोस्टिंग करा लीजिए। बबीता के अनुसार, 29 जुलाई को उनके पति विधायक से मिलने गए थे। हालांकि, लौटने के बाद उन्होंने मुलाकात में क्या बात हुई, इसकी जानकारी नहीं दी।

पैरामेडिकल छात्र के पास से मिली बम बनाने की परची, फोरेंसिक जांच में हुआ अहम खुलासा

अयोध्या, 2 अगस्त (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या के राजकीय मेडिकल कॉलेज से जुड़े बलरामपुर निवासी पैरामेडिकल छात्र के पास से बरामद बम बनाने संबंधी हस्तलिखित परची की फोरेंसिक जांच में अहम तथ्य सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कागज पर लिखी गई जानकारी के आधार पर किसी भी प्रकार का विस्फोटक या बम तैयार नहीं किया जा सकता। जांच एजेंसियों के मुताबिक, छात्र के मोबाइल फोन और कॉलेज परिसर के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में यह सामने आया कि वह सोशल मीडिया पर रील देखते हुए उसमें दिखाई गई सामग्री को कागज पर नोट कर रहा था। इसी दौरान उसने बम बनाने से संबंधित कुछ बिंदु भी लिख लिए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) समेत अन्य सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों ने छात्र से रातभर गहन पूछताछ की।

'सरकार चाहे जितना भी उन्हें बचाने की कोशिश करे, वे बच नहीं पाएंगे',

एफआईआर होने के बाद क्या बोले अवधेश प्रसाद?

वाराणसी, 2 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी के कोतवाली थाना अंतर्गत सांसद पप्पू यादव, राहुल गांधी और अवधेश प्रसाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दरअसल वाराणसी में संतों ने संसद परिसर में पप्पू यादव द्वारा भगवा के अपमान से आक्रोशित होकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, दान और चढ़ावे की चोरी में देशभर के करोड़ों लोग शामिल हैं, जिनकी भगवान श्री राम में आस्था है। यह एक अलग तरह की डकैती है। यह देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं के साथ डकैती है।

अवधेश प्रसाद ने कहा, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले को उजागर किया। सरकार चाहे जितना भी उन्हें बचाने की कोशिश करे, वे बच नहीं पाएंगे। वास्तव में धर्म के विरुद्ध अपराध हुआ है, और इसके दोषी कौन हैं? बीजेपी या आरएसएस के लोग हैं। उन्होंने आगे कहा, भले ही बीजेपी उनको माफ कर दें लेकिन भगवान माफ नहीं करेंगे। सच्चाई यह है कि समाज का एक बड़ा हिस्सा समाजवादी पार्टी द्वारा सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह दान की चोरी के खिलाफ जिस तरह से लड़ाई लड़ी जा रही है, उससे बेहद खुश और प्रसन्न है।

संतों का मानना है कि लगातार इन नेताओं द्वारा संत समाज और सनातन धर्म के खिलाफ बोला जा रहा है। पप्पू यादव द्वारा जिस तरह से भगवा वस्त्र पहनकर प्रदर्शन किया गया, वह धर्म और संत समाज के खिलाफ है। यह बेहद आपत्तिजनक है। इसके खिलाफ हमने प्रार्थना पत्र देकर इन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। पातालपुरी पीठ के पीठाधीश्वर बाबा बालक दास ने बताया कि पप्पू यादव ने जिस तरह से गेरुआ भगवा वस्त्र धारण करके राहुल गांधी और अवेधश प्रसाद के साथ मिलकर इस तरह से सनातन धर्म का अपमान किया है।

आईपीएसः रिटायरमेंट के बाद शोभा ओहटकर को बड़ी जिम्मेदारी; सरकार ने बीएसएससी का अध्यक्ष बनाया

पटना, 2 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) के अध्यक्ष पद पर नई नियुक्ति कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी शोभा ओहटकर को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। वह पदभार संभालने की तारीख से अगले आदेश तक इस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगी। अपने कड़े स्वभाव के कारण वह 'हंटर वाली' के रूप में लंबे समय तक चर्चित रहीं।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की नेतृत्व वाली सरकार ने यह नियुक्ति बिहार कर्मचारी चयन आयोग अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत की है। लंबे प्रशासनिक अनुभव वाली शोभा ओहटकर अब राज्य में कर्मचारी चयन से जुड़ी अहम प्रक्रियाओं की कमान संभालेंगी।

'बिहार के लोग आजकल ज्यादा पूजा करते हैं'

सीएम सम्राट चौधरी के बयान के पीछे क्या था इशारा?

पटना, 2 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि बिहार की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने कहा कि आज बिहार के लोग पहले की तुलना में ज्यादा पूजा-पाठ करते हैं और देवघर, बनारस तथा कुशीनगर जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह बयान शराबबंदी के प्रभाव को रेखांकित करने के साथ-साथ उन लोगों पर भी कटाक्ष माना गया, जो शराब पीने के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं।

पटना के लोक भवन मंडपम में आयोजित 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत और समृद्ध बिहार का सपना तभी पूरा होगा, जब समाज पूरी तरह नशामुक्त बनेगा। उन्होंने अभियान के तहत देश के 10 करोड़

लोगों को नशे से मुक्त करने के संकल्प की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2016 में आर्थिक चुनौतियों के बावजूद शराबबंदी लागू करने का साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि उस समय राज्य की आर्थिक स्थिति आज जैसी मजबूत नहीं थी, फिर भी सामाजिक हित को प्राथमिकता दी गई। सम्राट चौधरी ने स्वीकार किया कि यह नहीं कहा जा सकता कि बिहार में पूरी तरह नशा समाप्त हो गया है, लेकिन समाज में बड़ा बदलाव जरूर आया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराबबंदी का असर साफ दिखाई देता है और महिलाओं के जीवन में इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, चोरी-छिपे लोग शराब पीते हों, इसमें दो मत नहीं है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर पूर्ण रूप से शराबबंदी का असर दिखता है। महिलाओं की मांग पर ही शराबबंदी लागू की गई थी और इससे महिलाओं पर होने वाले अत्याचार में कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी के कारण बिहार को बड़े राजस्व का त्याग करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश को शराब से करीब 70 हजार करोड़ रुपये, दिल्ली को 40 हजार करोड़ रुपये, पश्चिम बंगाल को 50 हजार करोड़ रुपये और झारखंड को 25 हजार करोड़ रुपये का राजस्व मिलता है। इसके बावजूद बिहार ने सामाजिक हित को प्राथमिकता दी। सम्राट चौधरी ने कहा कि एक समय बिहार को अपने राजस्व का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा झारखंड से मिलने वाले संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ता था।

लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने वर्ष 2024 में बजट पेश किया, तब बिहार का बजट झारखंड की तुलना में लगभग तीन गुना बड़ा था, जो राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से अपील की कि जिस तरह उन्होंने भारत सरकार के साथ नशामुक्ति को लेकर एमओयू किया है, उसी तरह बिहार सरकार के साथ भी समझौता कर इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि सरकार कानून बना सकती है, लेकिन उसे सफल बनाना समाज की जिम्मेदारी है।

'सिद्धिविनायक मंदिर से हर साल 18 करोड़ रुपये का दान होता है चोरी'

राज ठाकरे ने लगाया आरोप

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दावा किया है कि मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में हर साल 18 करोड़ रुपये का चंदा हड़प लिया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अयोध्या के राम मंदिर में 1,400 करोड़ रुपये की चोरी हुई है। ठाकरे ने कहा कि आजकल मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं और उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बात करें। एमएनएस प्रमुख शनिवार को अपनी पार्टी की छात्र शाखा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि निराश युवा मंदिरों में जाते हैं लेकिन मंदिर भी भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं हैं। ठाकरे ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को आठ ट्रस्टियों द्वारा लिखे गए एक पत्र को पढ़कर सुनाते हुए कहा कि सिद्धि

विनायक मंदिर के दान पेटी से पैसे चुराने वाले कुछ कर्मचारियों को ट्रस्टियों की सतर्कता के कारण पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि चोरी पकड़े जाने से पहले मंदिर की दान से होने वाली साप्ताहिक कमाई 50 लाख रुपये से कम थी और उसके बाद यह कलेक्शन बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये हो गया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि हर साल 18 करोड़ रुपये की चोरी हो रही थी। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता सदा सरवणकर ने कहा कि इस मामले में नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "जहां भी जरूरत पड़ी, हमने मामले दर्ज किये हैं।" सरवणकर ने कहा कि दान में बढ़ोतरी ट्रस्ट की कोशिशों की वजह से हुई है।

उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर की आय दो साल पहले के 114 करोड़ रुपये से बढ़कर 182 करोड़ रुपये हो गई है। खास बात यह है कि पुलिस ने राम मंदिर में दान की कथित चोरी के मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच चल रही है।

वीजा शर्तों का उल्लंघन करने पर दिल्ली से 6 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ के फॉरिन सेल ने वीजा शर्तों का उल्लंघन करने पर छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के होटलों और गेस्ट हाउस में चलाए गए स्पेशल वेरिफिकेशन अभियान के दौरान इस उल्लंघन का पता चला। दरअसल, वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाले विदेशी नागरिकों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ के फॉरिन सेल ने 'ऑपरेशन वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन' शुरू किया है। इसका मकसद दिल्ली में वीजा की शर्तों का उल्लंघन करने वाले या तय से ज्यादा समय तक रहने वाले विदेशियों की पहचान करना, उनकी जांच करना और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना है। इस ऑपरेशन के दौरान एक खास टीम ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के होटलों और गेस्ट हाउसों की बड़े पैमाने पर जांच की।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाले में सीआईडी की जांच जारी
जानकारी नहीं देने वाले अभ्यर्थियों पर होगी कार्रवाई

रांची, 2 अगस्त (एजेंसियां)। जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा (पीटी) में सफल 2204 अभ्यर्थियों को सीआईडी ने ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी और अन्य साक्ष्य उपलब्ध कराने का मौका दिया है। इसके लिए सीआईडी ने व्हाट्सएप नंबर और ई-मेल आईडी जारी की है। सीआईडी के अधिकारियों के अनुसार, अभ्यर्थी अपने सफल होने के साक्ष्य उपलब्ध करा रहे हैं। जो अभ्यर्थी पांच अगस्त तक अपने साक्ष्य सीआईडी को उपलब्ध नहीं कराएंगे, उनपर कार्रवाई की जाएगी। इधर, जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) में गड़बड़ी के साक्ष्य मिलने के बाद सीआईडी की जांच जारी है। इस कड़ी में आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते से 3 अगस्त को फिर पूछताछ की जाएगी। इसके लिए उन्हें नोटिस जारी किया गया है। अब तक की जांच में मिले दस्तावेजों के आधार पर उनसे पूछताछ होगी। रिमांड पर पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने जो खुलासे किए हैं,उनसे संबंधित सवाल भी जांच एजेंसी पूछेगी।

अब तक की जांच में मिले तथ्यों की गहराई से पड़ताल करने के लिए सीआईडी, जेपीएससी की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता, टीडीपीएल के निदेशक राजबीर सिंह और टीडीपीएल के मैनेजर सह डीएसओ मनोज तिवारी उर्फ अभय तिवारी को फिर से रिमांड पर लेगी। आरोप मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने सीआईडी की पूछताछ में जेपीएससी के वरीय अधिकारियों की गतिविधियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

राष्ट्रपति पद का गलत इस्तेमाल कर रहे डोनाल्ड ट्रंप
सोशल मीडिया पोस्ट पढ़ने के लिए खरीदना होगा सब्सक्रिप्शन

वॉशिंगटन, 2 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जानते हैं कि पूरी दुनिया उनके हर एक शब्द पर नजर रखती है, इसीलिए अब वो चाहते हैं कि लोग उनके पोस्ट पढ़ने के लिए पेमेंट करें। दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के सोशल मीडिया पोस्ट बिक्री के लिए उपलब्ध हो रहे हैं। उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट के उन ट्रेडर्स को इनका जल्दी पहुँच देना शुरू कर रहा है, जो पेमेंट करने के लिए तैयार हैं। इस कदम से ट्रंप की कंपनी को भारी मुनाफा हो सकता है, हालांकि इससे भेदिया कारोबार और निजी फायदे के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जैसे बड़े और महत्वपूर्ण सार्वजनिक पद का इस्तेमाल करने को लेकर बड़े सवाल खड़े होते हैं।

इसी तरह के अर्ली एक्सेस वाले फीड दूसरे सोशल मीडिया कंपनियों और मीडिया घरानों द्वारा बेचे जाते हैं, लेकिन ट्रुथ सोशल केवल समाचार प्रसारित नहीं करता, बल्कि ये समाचार बनाता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध से लेकर केंद्रीय बैंक के नेतृत्व और टैरिफ तक हर चीज पर नीतिगत बदलाव वाले पोस्ट किए जाने से बाजार अक्सर हिल जाते हैं।

एबल अल्फा ट्रेडिंग की प्रमुख आइरीन एल्ड्रिज, जो इस सब्सक्रिप्शन को खरीदने की योजना नहीं बना रही हैं, ने कहा, "यदि वो किसी पब्लिक कंपनी के सीईओ होते, तो उन्हें जेल की सजा होती। अमेरिकी राष्ट्रपति की हर गतिविधि पर सीधी नजर रहती है, जो सभी फैसले लेते हैं और वो एक चुनिंदा ग्रुप को इसे समय से पहले बता रहे हैं।" दूसरी ओर ट्रंप की कंपनी का कहना है कि आलोचक पर्याप्त पूंजीवादी नहीं हैं। जब नई सर्विस के औचित्य के बारे में पूछा गया और क्या व्हाइट हाउस के वकीलों ने इसकी जांच की थी, तो ट्रंप के प्रेस ऑफिस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ट्रंप की कंपनी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ने एक बयान जारी कर आलोचकों पर मुक्त बाजारों के वैचारिक विरोध या सार्वजनिक और गैर-सार्वजनिक जानकारी के बीच अंतर को समझने में विफलता का आरोप लगाया।

एक्सीडेंट में घायल मादा चिंकारा को खींचकर ले जा रहे थे आवारा कुत्ते
गांव वालों ने बचाई जान, इंदौर ले जाते तोड़ा दम

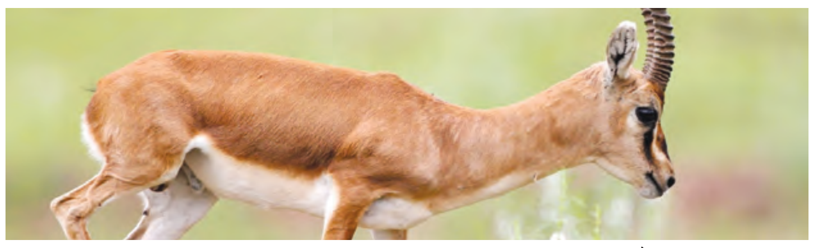

खरगोन, 2 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में इंसानियत और वन्यजीव संरक्षण की एक मार्मिक तस्वीर सामने आई है। बड़वाह क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुई अनुसूची-1 में संरक्षित एक मादा चिंकारा को ग्रामीणों ने आवारा कुत्तों के झुंड से बचाकर नई जिंदगी देने की पूरी कोशिश की, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद वह बेहतर उपचार के लिए इंदौर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ गई।

वन विभाग के पाडल्या वन रेंज के डिप्टी रेंजर कमल जोशी और वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट टोनी शर्मा के अनुसार, करीब तीन वर्ष की मादा चिंकारा माचलपुर खुर्द और बर्दिया बंजारी गांवों के बीच किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई थी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वह जान बचाने के लिए जंगल की ओर भागी, लेकिन वहां आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया। इसी दौरान खेत से लौट रहे बंजारी निवासी रवि करोले की नजर घायल चिंकारा पर पड़ी। उन्होंने अन्य ग्रामीणों की मदद से तुरंत कुत्तों को खदेड़ा और चिंकारा की जान बचाई। अत्यधिक रक्तस्राव, एक सींग, एक पैर और जबड़े के गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के कारण चिंकारा दोबारा खड़ी नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने उसे पानी पिलाया और तुरंत डायल-112 पर सूचना दी।

अफगानिस्तान की सीमा पर हथियार तस्करी की कोशिश नाकाम, 24 असॉल्ट राइफलें बरामद

काबुल, 2 अगस्त (एजेंसियां)। अफगान सुरक्षा बलों ने पूर्वी नंगरहार प्रांत में हथियार तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया है और अलग-अलग तरह की 24 असॉल्ट राइफलें बरामद की हैं। प्रांतीय सरकार ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि ये हथियार पड़ोसी मुल्क से चोरी-छिपे लाए जा रहे थे। सुरक्षा कर्मियों ने तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग पर इसकी बरामदगी की। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने सुरक्षा बलों के हवाले से बताया कि हथियार एक गाड़ी के अंदर छिपाए गए थे।

अधिकारियों ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि इस घटना के सिलसिले में किसी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया या नहीं। यह ऑपरेशन अफगान सरकार के उस बड़े अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत सुरक्षा बल आम लोगों के पास किसी भी तरह के गोला-बारूद की मौजूदगी पर नकेल कसते हैं और बॉर्डर इलाकों के जरिए हथियारों की तस्करी को रोकते हैं। पहली बार नहीं है कि अफगान बॉर्डर पर इस तरह की बरामदगी हुई हो। इससे पहले 29 जुलाई को, पुलिस ने अफगानिस्तान के पूर्वी लगमान प्रांत में गैर-कानूनी तरीके से हथियार रखने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया था और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किए थे। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद यूनुस यूसुफजई ने इस बारे में पूरी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि दोनों लोगों को दौलत शाह जिले में गिरफ्तार किया गया और उनके पास से पांच कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल, तीन हैंड ग्रेनेड और सैकड़ों गोलियां और प्रोजेक्टाइल समेत काफी हथियार मिले। उन्होंने कहा था कि पुलिस किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने और इलाके में बिना इजाजत हथियार रखने या ले जाने की अनुमति नहीं देती। इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है।

ताइवान की सीमा में फिर घुसे चीन के 5 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और 8 युद्धपोत, बढ़ा तनाव

ताइपे, 2 अगस्त (एजेंसियां)। ताइवान और चीन के बीच तनाव एक बार फिर चर्चा में है। ताइवान ने अपने आसपास चीनी सेना की गतिविधियां दर्ज की हैं। ताइवान के नेशनल डिफेंस मिनिस्ट्री के अनुसार, चीन के 5 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज द्वीप के आसपास ऑपरेट करते हुए देखे गए। ताइवान ने बताया कि चीनी विमानों में से कुछ ने ताइवान स्टेट की मीडियन लाइन पार की। इसके बाद वे ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (एडीजेड) में दाखिल हुए। ताइवान की सेना ने स्थिति पर नजर रखते हुए जरूरी कदम उठाए। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को जारी अपडेट में बताया कि चीनी पीपल्स लिबरेशन आर्मी (प्ला) के 5 एयरक्राफ्ट की गतिविधियां रिकॉर्ड की गईं। इनमें से 3 विमानों ने ताइवान स्टेट की मीडियन लाइन को पार किया। ये विमान ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से के एडीजेड क्षेत्र में पहुंचे। इसके अलावा चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (योजना) के 8 जहाज और 2 सरकारी चीनी जहाज भी आसपास मौजूद थे।

ताइवान की सेना ने आगे कहा कि वह लगातार इन गतिविधियों की निगरानी कर रही है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सैन्य तैयारियां जारी हैं। यह पहली बार नहीं है जब ताइवान ने चीन की सैन्य गतिविधियों की जानकारी दी है। इससे पहले भी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कई बार चीनी विमानों और युद्धपोतों की मौजूदगी की रिपोर्ट जारी की है। ठीक एक दिन पहले भी ताइवान ने अपने आसपास 5 प्ला एयरक्राफ्ट, 8 नौसैनिक जहाज और 2 आधिकारिक चीनी जहाजों की गतिविधियां दर्ज की थीं। वहीं इससे पहले बुधवार को भी ताइवान ने 8 चीनी सैन्य विमानों, 7 नौसैनिक जहाजों और एक सरकारी जहाज को ट्रैक करने की जानकारी दी थी। ताइवान लगातार चीन की इन गतिविधियों को अपनी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानता है और अपनी सेना को अलर्ट रखता है। चीन और ताइवान के बीच विवाद कई दशकों पुराना है।

आधी रात को तीसरी मंजिल से रस्सी के सहारे उतरकर भागने लगी दुल्हन, गिरकर मौत

रतलाम, 2 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले स्थित करमदी रोड इलाके में एग्रीमेंट और शपथपत्र के आधार पर शादी रचाकर लाई गई 23 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बिहार के रोहतास की रहने वाली नवविवाहित संध्या कुमारी रात के करीब 2 बजे तीसरी मंजिल से रस्सी के सहारे उतरकर भागने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान रस्सी टूट गई और पक्के फर्श पर गिरने से उसकी जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, रोहतास जिले के करवंदिया गांव की रहने वाली 23 वर्षीय संध्या चौहान का विवाह 10 दिन पहले रतलाम निवासी 45 वर्षीय मुकेश कुमार लोहार से हुआ था। पति मुकेश के अनुसार, यह विवाह एग्रीमेंट और शपथपत्र के आधार पर हुआ था, जिसके बाद वह संध्या को ब्याह कर रतलाम लाया था। 45 साल के मुकेश और 23 साल की संध्या के बीच 22 साल की उम्र का बड़ा अंतर था, जिससे शादी में मजबूरी या दबाव की आशंका जताई जा रही है।

29 और 30 जुलाई की दरमियानी रात खाना खाने के बाद सब सो गए थे। रात 2 बजे जब पति मुकेश की नींद खुली तो संध्या गायब थी। तलाशी लेने पर घर के पीछे खाली पड़े प्लॉट में संध्या खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली और उसकी सांसें चल रही थीं। डायल 112 की मदद से उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली के 2706 लोगों को मिला हज का मौका
10 अगस्त तक पूरा करना होगा यह जरूरी काम

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। हज-2027 के लिए आवेदन करने वाले दिल्ली के हजारों लोगों का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने लॉटरी प्रक्रिया के बाद चयनित आवेदकों की सूची जारी कर दी है। इस बार राजधानी से 2,706 लोगों को पवित्र हज यात्रा पर जाने का अवसर मिला है। हालांकि चयनित यात्रियों को अपनी सीट सुरक्षित रखने के लिए 10 अगस्त तक निर्धारित अग्रिम राशि जमा करानी होगी। तय समय सीमा चूकने पर चयन रद्द भी हो सकता है। हज-2027 के लिए देशभर से प्राप्त आवेदनों पर लॉटरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद हज कमेटी ऑफ इंडिया ने लगभग 1.22 लाख यात्रियों का चयन किया है। इस सूची में दिल्ली के 2706 आवेदकों को भी जगह मिली है। चयन सूची जारी होने के साथ ही आगे की औपचारिक प्रक्रियाएं भी शुरू कर दी गई हैं। दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने चयनित सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कमेटी पूरी गंभीरता से काम करेगी। उनका कहना है कि सभी चयनित यात्रियों को समय पर जरूरी जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

दिल्ली स्टेट हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी के अनुसार चयनित 2706 यात्रियों में 440 वरिष्ठ नागरिक ऐसे हैं जिनकी आयु 65 वर्ष से अधिक है। वहीं 45 वर्ष या उससे अधिक आयु की बिना महरम यात्रा करने वाली 34 महिलाओं का भी चयन किया गया है। इसके अलावा वैकल्पिक श्रेणी के 81 और सामान्य श्रेणी के 2151 आवेदकों को हज यात्रा का अवसर मिला है।

अमेरिका के रेस्टोरेंट में अंधाधुंध फायरिंग, 3 लोगों की मौत, 7 घायल, हमलावर भी ढेर

बोइस (अमेरिका), 2 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के दक्षिणी इडाहो राज्य में एक रेस्टोरेंट में फायरिंग की घटना में 3 लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। ट्विन फॉल्स के पुलिस प्रमुख मैथ्यू हिक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मारे गए लोगों में हमलावर भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पुलिस हमलावर की पहचान और हमले के मकसद का पता लगाने में जुटी है। हिक्स ने कहा, "हमें लगता है कि लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। घटनास्थल पर बेहद अफरा-तफरी का माहौल था।" इस घटना के एक चश्मदीद लेन कोहन (34) ने बताया कि वह 'इन-एन-आउट' रेस्टोरेंट के पास लाल बत्ती पर रुके हुए थे, तभी उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति 'एआर' शैली की राइफल लेकर निकला।

उसी दौरान एक अन्य व्यक्ति ने पिस्तौल से हमलावर पर गोली चलानी शुरू कर दी। कोहन ने बताया कि उन्होंने रेस्टोरेंट की वर्दी पहने एक कर्मचारी को अपनी सहकर्मी को पार्किंग क्षेत्र में घसीटते हुए देखा, जिसे सीने में गोली लगी थी। वह कर्मचारी, कोहन और एक पिस्तौलधारी व्यक्ति उसके साथ तब तक रहे, जब तक चिकित्साकर्मी वहां नहीं पहुंच गए। उन्होंने कहा, "उसकी हालत बहुत गंभीर थी। मुझे नहीं पता कि वह बची या नहीं, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि वह सुरक्षित हो।"

यूएस का नया वीजा नियम लागू, 50 देशों पर बॉन्ड की शर्त; भारत को राहत

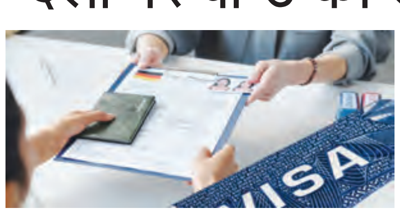

वॉशिंगटन, 2 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका ने वीजा बॉन्ड प्रोग्राम को अब स्थायी बना दिया है। नए नियम के तहत कुछ देशों के नागरिकों को बिजनेस (बी-1) और टूरिस्ट (बी-2) वीजा मिलने से पहले 20,000 डॉलर (करीब 17 लाख रुपये) तक का बॉन्ड यानी सिक्योरिटी मनी जमा करनी पड़ सकती है। नया नियम 3 अगस्त से लागू होगा। अमेरिकी सरकार ने यह फैसला फेडरल रजिस्टर में जारी अधिसूचना के जरिए लिया है। इसके मुताबिक, वीजा अधिकारी जरूरत पड़ने पर किसी भी पात्र आवेदक से वीजा जारी करने से पहले बॉन्ड जमा कराने को कह सकते हैं।

फिलहाल यह नियम 50 देशों के नागरिकों पर लागू होगा। इनमें ज्यादातर देश अफ्रीका के हैं। भारत के लिए राहत की बात यह है कि भारत इस सूची में शामिल नहीं है। यानी भारतीय नागरिकों को बी-1 (बिजनेस) और बी-2 (टूरिस्ट) वीजा के लिए आवेदन करते समय कोई बॉन्ड नहीं देना होगा। हालांकि अमेरिका ने साफ किया है कि भविष्य में जरूरत पड़ने पर दूसरे देशों को भी इस योजना में शामिल किया जा सकता है। अभी इस सूची में बांग्लादेश, नेपाल और भूटान जैसे पड़ोसी देश शामिल हैं। अमेरिका ने इस योजना की शुरुआत 2025 में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर की थी। इसका मकसद यह पता लगाना था कि क्या बॉन्ड लेने से लोग वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने (वीजा ओवरस्टे) से बचेंगे। अमेरिकी सरकार का कहना है कि पायलट योजना के अच्छे नतीजे मिले, इसलिए इसे अब स्थायी कर दिया गया है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी का हिस्सा माना जा रहा है। पहले इस योजना में 5,000, 10,000 और 15,000 डॉलर तक का बॉन्ड लिया जाता था। अब 5,000 डॉलर का विकल्प हटा दिया गया है और अधिकतम राशि बढ़ाकर 20,000 डॉलर कर दी गई है।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस नियम से लोग वीजा की शर्तों का पालन करेंगे और तय समय के बाद भी अमेरिका में गैरकानूनी तरीके से नहीं रुकेंगे। हालांकि, इमिग्रेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे कारोबार या घूमने के लिए अमेरिका जाने वाले कई असली यात्रियों पर भी आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन पहले ही कई वीजा श्रेणियों की फीस बढ़ा चुका है और वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच भी पहले से ज्यादा सख्त कर दी है।

पुलिस की बड़ी सफलता, 6 महीने में 17,590 गुमशुदा महिलाएं और बच्चे खोजे गए

भुवनेश्वर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा पुलिस ने जनवरी से जून 2026 तक लापता हुई 17,590 महिलाओं और बच्चों को ढूंढकर उनके परिवारों से मिलवाया है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार और पुलिस के प्रयासों की यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। पुलिस के मुताबिक यह काम ओडिशा के डीजीपी वाईबी खुरानिया के सीधे मार्गदर्शन में हुआ। इसके साथ ही अपराध शाखा की महिला एवं बाल अपराध निवारण विंग ने लगातार जांच और दूसरे राज्यों के साथ समन्वय कर इस अभियान को सफल बनाया। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से जून 2026 के बीच राज्य में 4,873 बच्चे लापता होने की सूचना मिली थी। इनमें 538 लड़के, 4,334 लड़कियां और एक ट्रांसजेंडर बच्चा शामिल था। इसी अवधि में पुलिस ने 5,413 बच्चों को सकुशल बरामद किया। बच्चों को वापस लाने में पुरी जिला सबसे आगे रहा। यहां 1,161 बच्चों को ढूंढा गया।

इसके बाद अर्बन पुलिस डिस्ट्रिक्ट (यूपीडी) भुवनेश्वर में 399 और मयूरभंज में 278 बच्चों को बचाया गया। इसी छह महीने में ओडिशा में 10,605 महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने इस दौरान 12,177 लापता महिलाओं को ढूंढ निकाला। महिलाओं को बरामद करने में भी पुरी जिला पहले नंबर पर रहा।

300 रुपये वाला शहद 7 लाख में और हजार रुपये की अंगूठी 2.62 लाख में बेची , ढोंगी अशोक खरात पर नया खुलासा

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। सिर्फ 300 रुपये प्रति लीटर में मिलने वाले साधारण शहद को 'दिव्य गुफा का शहद' बताकर सात लाख रुपये प्रति लीटर तक में बेचना, हजार रुपये कीमत वाली अंगूठियों का जोड़ा 2.62 लाख रुपये में बेचना और 100 रुपये किलो मिलने वाले इमली के बीज एक लाख रुपये तक में बेच देना। ईडी की जांच में स्वयंभू बाबा अशोक खरात के फर्जीवाड़े का ऐसा चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, जिसने लोगों की आस्था के नाम पर चल रहे करोड़ों रुपये के खेल को उजागर कर दिया है। जांच में सामने आया है कि मामूली बाजारू सामान को चमत्कारी और दिव्य बताकर श्रद्धालुओं से लाखों रुपये वसूले जाते थे। ईडी के मुताबिक, अशोक खरात और उसके सहयोगियों ने लोगों की बीमारियों, पारिवारिक परेशानियों और आर्थिक संकट का डर दिखाकर ठगी का पूरा नेटवर्क खड़ा कर रखा था।

श्रद्धालुओं को बताया जाता था कि उनकी मुश्किलों की वजह ग्रहों का प्रकोप और नकारात्मक शक्तियां हैं। इसके बाद उन्हें महंगे अनुष्ठान कराने और विशेष पूजा कर 'पवित्र' बताई गई वस्तुएं खरीदने के लिए तैयार किया जाता था। जांच एजेंसी का कहना है कि इस तरह जुटाई गई रकम को कई बैंक खातों के जरिए इधर-उधर भेजकर उसके असली स्रोत को छिपाने की कोशिश की गई। ईडी की जांच में सबसे हैरान करने वाला खुलासा शहद की बिक्री को लेकर हुआ है। जांच के अनुसार,

बाजार में 300 से 500 रुपये प्रति लीटर में मिलने वाले सामान्य शहद को 'दिव्य गुफा का शहद' बताकर सात लाख रुपये प्रति लीटर तक में बेचा जाता था। श्रद्धालुओं से दावा किया जाता था कि यह शहद दुर्लभ है, इसमें असाधारण औषधीय और आध्यात्मिक शक्तियां हैं और इसके सेवन से गंभीर बीमारियां तक ठीक हो सकती हैं।

इसी दावे के भरोसे लोगों से लाखों रुपये वसूले जाते थे। ईडी का मानना है कि यह ठगी का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला तरीका था। जांच में यह भी सामने आया कि करीब एक-एक हजार रुपये कीमत वाली अंगूठियों का जोड़ा 2.62 लाख रुपये में बेचा गया। ईडी के सामने दर्ज बयान में पीड़ित राजेंद्र नानासाहेब भागवत ने बताया कि परिवार की समस्याओं और व्यापार में नुकसान के चलते वह बाबा के संपर्क में आए थे। बाबा ने उन्हें डराया कि उनके ऊपर ग्रहों का गंभीर दोष है और यदि तुरंत उपाय नहीं किया गया तो परिवार पूरी तरह बर्बाद हो सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 3 अगस्त - 2026

गंगा की धारा और 'बोल बम' का उद्घोष है विकास की कहानी

कुमार कृष्णन

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ यात्राएँ केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधन नहीं होतीं, बल्कि वे मनुष्य के भीतर चलने वाली आध्यात्मिक यात्रा का भी प्रतीक बन जाती हैं। श्रावण मास में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवर यात्रा ऐसी ही एक अनूठी परंपरा है, जिसमें करोड़ों कदम केवल दूरी नहीं नापते, बल्कि श्रद्धा, अनुशासन, समानता और लोकविश्वास की एक अखंड धारा को आगे बढ़ाते हैं। उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ के चरणों में अर्पित करने की यह परंपरा सदियों से भारतीय संस्कृति के उस जीवन-दर्शन को अभिव्यक्त करती है, जिसमें आस्था केवल मंदिरों की परिधि तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज, संस्कृति और लोकजीवन का आधार बन जाती है।

इसी सांस्कृतिक विरासत के बीच श्रावणी मेला-2026 का शुभारंभ केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि बिहार की विकास-दृष्टि के एक नए अध्याय का उद्घोष भी है। सुल्तानगंज के नमामि गंगे घाट से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा की गई जहाँ गंगा की धारा और 'बोल बम' का उद्घोष लिख रहे विकास की कहानीआध्यात्मिक मेला, सुल्तानगंज और अंग प्रदेश के बदलते भविष्य की तस्वीर विकास संबंधी घोषणाएँ यह संकेत देती हैं कि राज्य सरकार अब धार्मिक आस्था को पर्यटन, आधुनिक आधारभूत संरचना, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ जोड़कर देखने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि इन घोषणाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से मूर्त रूप दिया जाता है, तो यह केवल श्रावणी मेले की व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे अंग प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखेगा।

श्रावणी मेला भारत के उन विरल आयोजनों में है, जहाँ करोड़ों लोग बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के केवल आस्था के बल पर एकत्र होते हैं। सुल्तानगंज का महत्व इसलिए भी अद्वितीय है कि यहाँ गंगा उत्तरवाहिनी होकर बहती है। भारतीय धार्मिक परंपरा में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना गया है। इसी पावन धारा से श्रद्धालु जल भरकर लगभग 105 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा करते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग तक पहुँचते हैं। इस यात्रा में न कोई जातिगत भेद दिखाई देता है, न आर्थिक असमानता का प्रदर्शन। एक ही रंग के वस्त्र, एक ही उद्घोष—₹बोल बम₹—और एक ही संकल्प के साथ आगे बढ़ते लाखों कांवरिये भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक एकात्मता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, जिसकी कल्पना आधुनिक लोकतांत्रिक विमर्श भी करता है। यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन और लोकभागीदारी का भी अद्भुत उदाहरण है। मार्ग के दोनों ओर स्थानीय ग्रामीण, स्वयंसेवी संस्थाएँ, धार्मिक संगठन और प्रशासन मिलकर जिस सेवा-भाव से कांवरियों की सहायता करते हैं, वह भारतीय समाज की सह-अस्तित्व की भावना को साकार करता है। चिकित्सा शिविरों से लेकर निःशुल्क भोजन, विश्राम स्थलों से लेकर पेयजल की व्यवस्था तक-सब कुछ इस विश्वास पर आधारित होता है कि यात्री में ही शिव का स्वरूप है। यही भारतीय संस्कृति का वह मानवीय पक्ष है, जिसने इस यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहने दिया, बल्कि लोकसेवा के विराट उत्सव में बदल दिया।

इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि श्रावणी मेला केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है, एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। लंबे समय तक धार्मिक आयोजनों को केवल परंपरा के रूप में देखा जाता रहा, जबकि आज विश्वभर में धार्मिक पर्यटन सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में शामिल है। भारत में अयोध्या, काशी, उज्जैन, महाकाल लोक और केदारनाथ के विकास ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि आस्था के केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं, बेहतर संपर्क और सुव्यवस्थित प्रबंधन से जोड़ा जाए, तो वे स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के शक्तिशाली माध्यम बन सकते हैं। बिहार के संदर्भ में यह संभावना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह वही भूमि है जहाँ बौद्ध, जैन, हिंदू और सूफी परंपराओं के अनेक तीर्थ स्थित हैं। नालंदा, राजगीर, बोधगया, पावापुरी, वैशाली, विक्रमशिला और सुल्तानगंज जैसे स्थल विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएँ रखते हैं। ऐसे में यदि सुल्तानगंज और देवघर को आधुनिक आधारभूत संरचना से जोड़ा जाता है, तो यह केवल एक तीर्थयात्रा का विकास नहीं होगा, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था के विस्तार का भी आधार बनेगा।

इसी सोच के अनुरूप सुल्तानगंज में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट, अजगैबीनाथ से अगुवानी घाट तक रोप-वे, भागलपुर से मुंगेर तक प्रस्तावित गंगा पथ (मरीन ड्राइव), डॉल्फिन पर्यटन, गंगा पार्क और नए पर्यटन केंद्रों जैसी योजनाएँ केवल निर्माण परियोजनाएँ नहीं हैं। वे इस पूरे क्षेत्र को राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दूरदर्शी पहल के रूप में देखी जानी चाहिए। विशेष रूप से गंगा, डॉल्फिन और धार्मिक धरोहरों को एकीकृत पर्यटन मॉडल के रूप में विकसित करने की अवधारणा इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान को और सशक्त बना सकती है। विकास की किसी भी परिकल्पना का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उसके दूरगामी प्रभावों से किया जाता है। श्रावणी मेला-2026 के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा जिन परियोजनाओं की घोषणा की गई, वे यदि निर्धारित समय-सीमा में पूरी होती हैं, तो उनका प्रभाव केवल सुल्तानगंज या देवघर तक सीमित नहीं रहेगा।

वे भागलपुर, मुंगेर, बांका और पूरे अंग प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं। इन घोषणाओं में सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करने वाली योजना सुल्तानगंज में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे की है। वर्तमान समय में धार्मिक पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि बेहतर परिवहन, सुरक्षित यात्रा, गुणवत्तापूर्ण आवास और आधुनिक सुविधाओं की भी अपेक्षा रखते हैं। यदि सुल्तानगंज हवाई मार्ग से जुड़ता है, तो बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा अधिक सुलभ होगी। इसका लाभ स्थानीय होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प, कृषि उत्पादों और छोटे व्यापारियों तक पहुँचेगा। धार्मिक पर्यटन तब केवल श्रद्धा का विषय नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था का एक सशक्त इंजन बन सकता है।

अजगैबीनाथ से अगुवानी घाट तक प्रस्तावित रोप-वे केवल सुविधा का माध्यम नहीं है। यह गंगा के दोनों तटों को एक नए पर्यटन अनुभव से जोड़ने का प्रयास है। विश्व के अनेक देशों में रोप-वे केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि पर्यटन का आकर्षण होते हैं। यदि इसका निर्माण पर्यावरणीय संतुलन और तकनीकी गुणवत्ता के साथ किया जाता है, तो यह सुल्तानगंज की पहचान को नई ऊँचाई दे सकता है। इसी प्रकार भागलपुर से मुंगेर तक लगभग 83 किलोमीटर लंबे गंगा पथ (मरीन ड्राइव) की परिकल्पना केवल एक सड़क निर्माण परियोजना नहीं है। गंगा के किनारे विकसित होने वाला यह मार्ग पर्यटन, शहरी विकास और निवेश की नई संभावनाओं का द्वार खोल सकता है। यदि इसके साथ नदी तट का सौंदर्यीकरण, हरित पट्टी, साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक उद्यान और सांस्कृतिक केंद्र विकसित किए जाते हैं, तो यह क्षेत्र पूर्वी भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थान बना सकता है। लंबे समय से प्रतीक्षित अगुवानी-सुल्तानगंज गंगा पुल भी इस पूरे क्षेत्र के विकास का केंद्रीय बिंदु है।

आस्था पर ये कैसी राजनीति?

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित चोरी का मामला केवल आर्थिक अनियमितता का विषय नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और धार्मिक भावनाओं से भी सीधे जुड़ा हुआ है। इसलिए इस घटना ने स्वाभाविक रूप से पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है। किसी भी धार्मिक संस्था में श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया दान केवल धनराशि नहीं, बल्कि उनके विश्वास एवं आस्था का प्रतीक होता है। ऐसे में यदि उसके प्रबंधन में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। किंतु चिंता तब और बढ़ जाती है, जब इतने गंभीर विषय को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और प्रतीकात्मक प्रदर्शन का माध्यम बना दिया जाए। इसी संदर्भ में संसद परिसर में विपक्ष के सांसद पप्पू यादव द्वारा साधु वेश धारण कर विरोध प्रदर्शन किए जाने पर व्यापक बहस छिड़ी है। माना कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन विरोध की शैली भी कैसी हो यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि विरोध का स्वरूप ऐसा हो, जिससे किसी धार्मिक परंपरा, संत समाज अथवा करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचने की आशंका पैदा हो, तो उसकी समीक्षा होना जरूरी है। लोकतंत्र की शक्ति गंभीर विमर्श और तथ्यों पर आधारित बहस में निहित है, न कि ऐसे प्रतीकात्मक प्रदर्शनों में जिनसे मूल मुद्दा ही पीछे छूट जाए। अब तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस कथित चोरी प्रकरण में जिन लोगों पर कार्रवाई हुई या जिनकी जिम्मेदारी तय करने की बात सामने आई, उनमें किसी संत-महंत का नाम सामने नहीं आया है। इसलिए पूरे संत समाज अथवा किसी धार्मिक परंपरा को इस विवाद से जोड़ना उचित नहीं कहा जा सकता। दूसरी ओर, यदि विपक्ष सरकार और संबंधित प्रशासन से जवाबदेही की मांग करता है, तो वह भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। किंतु ऐसी मांग तथ्यों, प्रमाणों और मर्यादित भाषा के आधार पर ही अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बनती है। इस पूरे घटनाक्रम ने मंदिर प्रशासन और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी भी बढ़ा दी गई है। श्रद्धालुओं के दान की सुरक्षा, पारदर्शी लेखा-जोखा, नियमित ऑडिट तथा आधुनिक निगरानी व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यदि कहीं प्रशासनिक लापरवाही हुई है, तो उसे स्वीकार कर सुधारात्मक कदम उठाना ही सबसे उचित मार्ग है। इससे न केवल भविष्य में ऐसी घटनाओं की संभावना कम होगी, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी मजबूत होगा। धार्मिक आस्था से जुड़े विषय किसी भी दल के लिए राजनीतिक लाभ का माध्यम नहीं बनने चाहिए। ऐसे मामलों में दलगत हितों से ऊपर उठकर पारदर्शिता, जवाबदेही और जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना ही लोकतंत्र और समाज के हित में है। राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था का प्रतीक है। इसलिए चढ़ावा प्रकरण में निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई, पूर्ण पारदर्शिता और राजनीतिक संयम ही वह मार्ग है, जिससे श्रद्धालुओं का विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता दोनों अक्षुण्ण रह सकती हैं। यही किसी भी परिपक्व लोकतंत्र और उत्तरदायी शासन की वास्तविक पहचान है।

अवैध प्रवासी बनेंगे यूरोप के महाविनाश का कारण?

डॉ. शैलेश शुक्ला

पिछले एक दशक में यूरोप जिस चुनौती से सबसे अधिक जूझ रहा है, वह केवल आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध या जनसंख्या की वृद्धावस्था नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक जटिल और दूरगामी प्रभाव रखने वाला प्रश्न है-अवैध प्रवासन। यह समस्या अब केवल सीमाओं को पार करने वाले लोगों की संख्या तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक स्थिरता, सामाजिक विश्वास, कानून के शासन, राजनीतिक व्यवस्था और यूरोप की सांस्कृतिक पहचान तक पहुँच चुकी है।

यूरोप की उदार लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ लंबे समय तक मानवाधिकारों और शरणार्थियों के संरक्षण की वैश्विक प्रतीक रही हैं, किंतु जब मानवीय संवेदनाएँ और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बिगड़ने लगता है, तब सबसे विकसित लोकतंत्र भी कठिन निर्णय लेने के लिए विवश हो जाते हैं। आज यूरोप का वास्तविक संकट यही है कि वह मानवीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी सीमाओं, अपने नागरिकों और अपनी संस्थाओं की सुरक्षा किस प्रकार सुनिश्चित करे। यदि इस प्रश्न का व्यावहारिक और प्रभावी समाधान समय रहते नहीं निकाला गया, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या यूरोप की राजनीतिक, सामाजिक और सुरक्षा संरचना को गहराई से प्रभावित कर सकती है।

यूरोप की सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बाहरी देशों से लोग वहाँ पहुँच रहे हैं; वास्तविक चिंता यह है कि बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी प्रवेश कर रहे हैं जिनकी पहचान, पृष्ठभूमि, यात्रा मार्ग और उद्देश्य का तत्काल सत्यापन संभव नहीं हो पाता। किसी भी आधुनिक राष्ट्र-राज्य की सुरक्षा इस सिद्धांत पर आधारित होती है कि सरकार को यह ज्ञात हो कि उसके क्षेत्र में कौन प्रवेश कर रहा है, कहाँ रह रहा है और किस उद्देश्य से रह रहा है। जब हजारों लोग एक साथ बिना वैध दस्तावेजों के सीमा पार करते हैं, तब यह पूरी व्यवस्था दबाव में आ जाती है। पहचान सत्यापन की प्रक्रिया लंबी हो जाती है, प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है, न्यायिक प्रणाली धीमी पड़ती है और सुरक्षा एजेंसियों को सीमित संसाधनों में अधिक जटिल कार्य करना पड़ता है। यह स्थिति किसी भी विकसित राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती है, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि प्रभावी सीमा प्रबंधन और विश्वसनीय पहचान प्रणाली से भी सुनिश्चित होती है। यूरोप के सुरक्षा विशेषज्ञ वर्षों से इस संभावना की ओर ध्यान आकर्षित करते रहे हैं कि अनियंत्रित और अवैध प्रवासन का लाभ संगठित अपराधी नेटवर्क, मानव तस्कर अथवा हिंसक उग्रवादी तत्व उठाने का प्रयास कर सकते हैं। सुरक्षा नीति का आधार संभावित जोखिमों का पूर्वानुमान होता है, न कि केवल घटित घटनाओं का विश्लेषण। यदि किसी व्यक्ति की पहचान, उसके पूर्ववृत्त या उसके दस्तावेजों का सत्यापन समय पर नहीं हो पाता, तो सुरक्षा एजेंसियों के लिए जोखिम का आकलन कठिन हो जाता है। आधुनिक आतंकवाद और संगठित अपराध अक्सर खुले युद्ध के बजाय प्रशासनिक कमजोरियों का लाभ उठाते हैं। इसलिए अनियमित प्रवासन का सबसे बड़ा खतरा उसकी संख्या नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे उन सीमित किंतु संभावित सुरक्षा जोखिमों में निहित है, जिन्हें समय रहते पहचानना आवश्यक होता है।

अवैध प्रवासन के साथ मानव तस्करी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी तेजी से विकसित हुआ है। भूमध्यसागर और अन्य मार्गों से लोगों को यूरोप पहुँचाने वाले गिरोह अरबों डॉलर के अवैध नेटवर्क का हिस्सा बन चुके हैं। ये गिरोह केवल लोगों को सीमा पार नहीं कराते, बल्कि नकली दस्तावेज, धन शोधन, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों के परिवहन और अन्य संगठित अपराधों से भी जुड़े पाए जाते हैं। इस प्रकार अवैध प्रवासन केवल मानवीय संकट नहीं रह जाता, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत की आर्थिक शक्ति को भी बढ़ावा देता है। जब तक इन नेटवर्कों को समाप्त नहीं किया जाएगा, तब तक सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ाने के बावजूद नए मार्ग खोज लिए जाएँगे। यही कारण है कि यूरोप की अनेक सुरक्षा एजेंसियाँ अब अवैध प्रवासन को केवल आव्रजन नीति का विषय न मानकर संगठित अपराध और राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक ढाँचे में देख रही हैं। इस समस्या का एक अन्य गंभीर आयाम सामाजिक विश्वास का क्षरण है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज की स्थिरता इस भावना पर आधारित होती है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है। यदि आम नागरिकों को यह प्रतीत होने लगे कि सीमाओं का उल्लंघन करने वालों को भी अंततः वही सुविधाएँ प्राप्त हो जाती हैं जो वैध प्रक्रियाओं का पालन करने वालों को मिलती हैं, तो कानून के प्रति सम्मान कमजोर पड़ सकता है। यही कारण है कि यूरोप के अनेक देशों में प्रवासन का मुद्दा राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ गया है। कई देशों में राष्ट्रवादी और सीमा-सुरक्षा पर बल देने वाले राजनीतिक दलों का प्रभाव बढ़ा है, जबकि दूसरी ओर उदारवादी दल मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की रक्षा पर जोर देते हैं। परिणामस्वरूप समाज वैचारिक रूप से अधिक विभाजित दिखाई देता है। यदि यह ध्रुवीकरण लगातार बढ़ता है, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास और सामाजिक सामंजस्य दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी अनियमित प्रवासन सरकारों के सामने कठिन प्रश्न खड़े करता है। सीमाओं की निगरानी, पहचान सत्यापन, शरण आवेदन, अस्थायी आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा, न्यायिक प्रक्रियाएँ और प्रशासनिक व्यवस्थाएँ-इन सभी पर अतिरिक्त व्यय होता है। यदि बड़ी संख्या में लोग लंबे समय तक कानूनी स्थिति प्राप्त नहीं कर पाते, तो वे औपचारिक श्रम बाजार में सम्मिलित नहीं हो पाते और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का विस्तार होने लगता है। इससे कर राजस्व प्रभावित होता है, श्रमिकों का शोषण बढ़ता है और संगठित अपराध को आर्थिक आधार मिल सकता है। यह स्थिति उन वैध प्रवासियों के हितों को भी प्रभावित करती है जो नियमों का पालन करते हुए यूरोप पहुँचे हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। इसलिए अवैध और वैध प्रवासन के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना किसी भी संतुलित नीति की अनिवार्य शर्त है।

यूरोप के सामने सबसे कठिन चुनौती यह है कि वह सुरक्षा और मानवता के बीच संतुलन कैसे बनाए। युद्ध, उत्पीड़न या मानवीय संकट से भाग रहे वास्तविक शरणार्थियों की सहायता करना अंतरराष्ट्रीय दायित्व है, किंतु इसी मानवीय व्यवस्था का दुरुपयोग करने वाले तत्वों की पहचान करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि सुरक्षा के नाम पर सभी प्रवासियों को संदेह की दृष्टि से देखा जाएगा, तो यूरोप अपने ही लोकतांत्रिक मूल्यों से दूर चला जाएगा। दूसरी ओर यदि मानवीय उदारता के कारण सीमा नियंत्रण और पहचान सत्यापन कमजोर पड़ते हैं, तो उसका लाभ वे लोग उठा सकते हैं जिनका उद्देश्य केवल बेहतर जीवन नहीं, बल्कि कानून का उल्लंघन या अपराध हो सकता है। इसलिए विवेकपूर्ण नीति वही होगी जिसमें वास्तविक शरणार्थियों को संरक्षण मिले । यूरोप के सामने समय तेजी से बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल निगरानी, बायोमेट्रिक पहचान, अंतरराष्ट्रीय खुफिया सहयोग और आधुनिक सीमा प्रबंधन जैसी तकनीकों ने अनेक नए अवसर प्रदान किए हैं।

संस्थागत मध्यस्थता हमारी सनातन परंपरा का हिस्सा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सही ही कहा है कि हर विवाद का निस्तारण लंबी न्यायिक प्रक्रिया के ही तहत हो, यह जरुरी नहीं है। मध्यस्थता यानी की आपसी बातचीत-सहमति से भी विवादों का निपटारा किया जा सकता है। मध्यस्थता से विवादों का निपटारा हमारी सनातन परंपरा का हिस्सा रहा है। जयपुर में राजस्थान स्टेट लीगल सर्विसेज अथारिटी द्वारा आयोजित कामनवेल्थ पीस मेडिएशन कॉन्फ्रेस इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि विवादों के निस्तारण के लिए मध्यस्थता हमारी सनातन परंपरा रही है जिसे समय के साथ भुला दिया गया तो दूसरी और मध्यस्थता से विवादों के निस्तारण की आवष्यकता लंबे समय से महसूस की जाती रही है। एक और न्यायालयों में वादों का अंबार लगा हुआ है तो उनमें मध्यस्थता के दायरें में आने वाले वादों की अच्छी खासी संख्या है और आपसी समझाइश से इनमें से अधिकांश वादों का निस्तारण आसानी से हो सकता है। संपत्ति को लेकर आपसी विवाद, पति-पत्नी के मनमुटाव, भरण-पोषण, पारिवारिक बंटवारें जैसे मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से आसानी से निपटाया जा सकता है। इसके अलावा व्यापारिक विवाद खासतौर से लेन-देन, व्यापारिक समझौते के विवाद, कर्जे की वसूली, उपभोक्ता सेवाओं से संबंधित विवाद मोटर दुर्घटना, मोटर व्हीकल एक्ट आदि से संबंधित विवाद और नियोक्ताओं और कार्मिकों के बीच के विवाद और इसी तरह की श्रेणी के विवादों को आपसी समझौतों से आसानी से निपटाया जा सकता है। लोक अदालतों के माध्यम से यह प्रयास किये भी जा रहे हैं तो दूसरी और मध्यस्थता से विवादों के निपटारों पर पहले भी दिया जाता रहा है। करीब पांच साल पहले फिक्की के एक समारोह में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश शरद अरविन्द बोबड़े ने अदालतों में मुकदमों के बोझ को कम करने के लिए संस्थागत मध्यस्थता की जरुरत जताई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि मुकदमों के बोझ तले दबी न्यायिक व्यवस्था को लेकर न्यायालय, सरकार, गैरसरकारी संगठन और आमजन सभी गंभीर है। अनावश्यक पीएलआर दाखिल करने की प्रवृति पर सख्त संदेश देकर आए दिन लगने वाली पीएलआर पर कुछ हद तक अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। लोक अदालतों के माध्यम से भी आपसी समझाइश से मुकदमों को कम करने के प्रयास जारी है। लोकअदालतों का आयोजन अब तो नियमित होने लगा है। देश के न्यायालयों में लंबित मुकदमों के गणित को प्राप्त आंकड़ों से आसानी से समझा जा सकता है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 4.9 करोड़ न्यायिक प्रकरण देश की निचली एवं जिला अदालतों में ही लंबित चल रहे हैं। एक जानकारी के अनुसार देश की सर्वोच्च अदालत में ही 93 हजार दीवानी एवं फौजदारी मामलें लंबित चल रहे हैं। राज्यों के उच्च न्यायालयों में करीब 64 लाख मामलें विचाराधीन है। इन आंकडों में कमी बेसी हो सकती है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि न्यायालयों में विचाराधीन वादों की संख्या करोड़ों में है। सर्वोच्च न्यायालय देश में लंबित मुकदमों के प्रति काफी गंभीर है। सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को पुराने मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं तो पांच साल से पुराने मामलों की सूची तैयार कर इन्हें शीघ्र निस्तारित करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने तो यहां तक सुझाव दिया है कि मुकदमों के अंबार को कम करने के लिए बहुत ही इमरजेंसी को छोड़कर न्यायालय को कार्य दिवस को छुट्टी ना ले। सरकार और न्यायालयों द्वारा वादों के भार को कम करने के लिए समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय स्तर पर भी सुधार के प्रयास जारी है।

संस्थागत मध्यस्थता की जो आवश्यकता महसूस की है उसको इस मायने में भी समझा जा सकता है कि हमारी सनातन परंपरा और ग्रामीण व्यवस्था में पंच परमेश्वर की जो भूमिका थी आज उस भूमिका को पुनर्स्थापित किए जाने की आवश्यकता है। इसी तरह से मोटर व्हीकल एक्ट की पालना नहीं करने, यातायात नियमों की अवहेलना, मामूली कहासुनी, मामूली बातों के आपसी विवाद आदि इस तरह के प्रकरणों को चिन्हित कर लिया जाए और यह तय कर लिया जाए कि भले ही सख्ती कहा जाए पर फास्ट ट्रेक की तरह इन प्रकरणों की सुनवाई कर तत्काल निर्णय कर लिए जाये और अनावश्यक अपील की व्यवस्था ना हो तो पूरे देश में लाखों की संख्या में इस तरह के मुकदमों का अंबार कम किया जा सकता है। इसी तरह से राजस्व मामलें जो सर्वाधिक संख्या में आने लगे हैं उनकी भी पंच परमेश्वरों या अन्य दूसरी तरह का मैकेनिज्म बनाकर निस्तारण की ठोस रणनीति बन जाए तो मुकदमों का कुछ हद तक अंबार कम किया जा सकता है। कुल मिलाकर जिस तरह से सर्वोच्च न्यायालय और हमारे न्यायाधीपतिगण और सरकार गंभीर होने लगी है उससे एक सोच विकसित होने लगा है और यह मानकर चला जाना चाहिए कि मुकदमों के अंबार में कमी आने के साथ ही जल्द न्याय की उम्मीद भी जगेगी। सबसे खास बात यह है कि मध्यस्थता या आपसी सहमति से विवादों के निपटारें से केवल विवादों का निस्तारण ही नहीं होता अपितु आपसी सौहाद्रता भी बनी रहती है।

जेफ्री एप्स्टीन की 5000 करोड़ की संपत्ति के 44 दावेदार

अनिकेत सिंह

दुनिया के सबसे कुख्यात अपराधियों में गिने जाने वाले अमेरिकी कारोबारी जेफ्री एप्स्टीन की मौत को सात वर्ष हो चुके हैं, लेकिन उसकी लगभग 5000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति को लेकर विवाद अब भी जारी है। नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण कराने और प्रभावशाली लोगों तक उन्हें पहुंचाने के आरोपों के कारण बदनाम एप्स्टीन ने अपने जीवन में अपार संपत्ति अर्जित की थी। अब सवाल यह है कि उसकी इस दौलत का असली वारिस कौन होगा।

एप्स्टीन ने कभी विवाह नहीं किया था और उसकी कोई संतान भी नहीं थी। हालांकि उसके कई महिलाओं से संबंध रहे। इनमें घिसलेन मैक्सवेल और ईवा डुबिन के नाम प्रमुख हैं। घिसलेन मैक्सवेल पर आरोप है कि उसने एप्स्टीन के साथ मिलकर नाबालिग लड़कियों को फंसाने और उनके शोषण के नेटवर्क को चलाने में सक्रिय भूमिका निभाई। एप्स्टीन की गिरफ्तारी के बाद वह अमेरिका के बेडफोर्ड क्षेत्र में फर्जी पहचान के साथ रह रही थी, लेकिन 2 जुलाई, 2020 को एफबीआई ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वह फिलहाल जेल में सजा काट रही है। ईवा डुबिन लंबे समय तक एप्स्टीन के साथ संबंध में रही, हालांकि बाद में उसने किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया था।हाल के वर्षों में एप्स्टीन की एक और करीबी सहयोगी और प्रेमिका कारिना शुलियाक का नाम चर्चा में आया है। बेलारूस मूल की 37 वर्षीय डेंटिस्ट कारिना से एप्स्टीन की आखिरी बार फोन पर बातचीत हुई थी। आत्महत्या से दो दिन पहले तैयार की गई अपनी वसीयत में एप्स्टीन ने कारिना के लिए 30 करोड़ रुपए नकद, 33 कैरेट हीरे की अंगूठी, अन्य बहुमूल्य हीरे, पेरिस का एक आलीशान मकान तथा न्यू मैक्सिको स्थित फार्महाउस छोड़ने की इच्छा व्यक्त की थी। हालांकि उसकी पूरी संपत्ति कानूनी प्रक्रिया के तहत सील होने के कारण कारिना को यह संपत्ति मिलना आसान नहीं माना जा रहा है। एप्स्टीन की कुल संपत्ति में न्यूयार्क के अपर ईस्ट साइड स्थित सात मंजिला आलीशान हवेली, फ्लोरिडा के पाम बीच का बंगला, न्यू मैक्सिको का विशाल फार्महाउस, पेरिस का लक्जरी अपार्टमेंट, 'लिटिल सेंट जेम्स' और 'ग्रेट सेंट जेम्स' नाम के दो निजी द्वीप, बोइंग 727 सहित कई निजी विमान, 20 से अधिक लग्जरी कारें, महंगी पेंटिंग्स, दुर्लभ प्राचीन वस्तुएं तथा भारी मात्रा में नकदी शामिल थी।

फिलहाल अदालत के आदेश पर एप्स्टीन की संपत्तियों का प्रबंधन उसके वकील डैरेन इंडिक और अकाउंटेंट रिचर्ड कान कर रहे हैं। अदालत ने दोनों को संपत्ति का प्रशासक नियुक्त किया है और मुकदमों से जुड़े सभी खर्च भी इसी संपत्ति से चुकाए जा रहे हैं।

एप्स्टीन के अपराध उजागर होने के बाद बड़ी संख्या में पीड़ित महिलाएं सामने आईं। अदालत ने उसकी संपत्तियां बेचकर पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश दिया। 150 से अधिक पीड़ितों में से 140 से अधिक ने समझौते के तहत मुआवजा स्वीकार किया। उन्हें कुल लगभग 1200 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। इसके अतिरिक्त करोड़ों डालर वकीलों की फीस और सरकारी करों के रूप में खर्च हुए।

एप्स्टीन की संपत्ति पर कुल 44 लोगों ने दावा किया है। इनमें उसका सगा भाई मार्क एप्स्टीन तथा हार्वर्ड विश्वविद्यालय के गणित के एक प्रोफेसर का नाम भी शामिल है। अंतिम निर्णय अदालत की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा। जेफ्री एप्स्टीन की 10 अगस्त, 2019 को न्यूयार्क की मेट्रोपॉलिटन करेक्शनल सेंटर जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। आधिकारिक तौर पर इसे आत्महत्या बताया गया। उसके करीबी सहयोगी और फ्रांसीसी माडलिंग एजेंट जीन लुक ब्रुनेल ने भी 19 फरवरी, 2022 को पेरिस की ला सांते जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ब्रुनेल पर आरोप था कि वह माडलिंग का झांसा देकर लड़कियों को एप्स्टीन तक पहुंचाता था। दिसंबर, 2020 में वह सेनेगल भागने की कोशिश के दौरान चार्ल्स डी गॉल एयरपोर्ट से गिरफ्तार हुआ था, लेकिन मुकदमा पूरा होने से पहले ही उसने अपनी जान दे दी।

लीकों के नाम पर लीक से हट गए

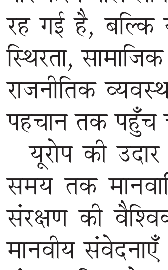

डॉ टी महादेव राव

लीक या रिसाव बड़ा ही खतरनाक शब्द है। आपके घाव से खून का रिसाव का न रुकना आपके जीवन के लिए खतरे के घंटी है। कोई भी चीज़ जब तक अपने जद में रहे, पैबस्त रहे, कहीं से बाहर न निकल सके मुख्य मुख्य चीज़ें तब तक कोई समस्या नहीं। कोई तकलीफ नहीं। लेकिन जब चीज़ें अपने वश में नहीं रह पाती या हम रहने नहीं देते तो बस यह जो लीक है जानलेवा नहीं बल्कि पद-लेवा होती है जिस तरह बहुत बार और बहुत सारा खून बह जाना जानलेवा हो सकता है।

शोर बहुत मचा कि बारह वर्षों में बहुत सारे पेपर लीक हुये। करोड़ों बच्चे इससे प्रभावित हुये। उनका भविष्य अंधेरे से भर गया। जिनका दायित्व था उनके कान पर जूं नहीं रेंगी। लेकिन जब कॉकरोच ने रेंगना शुरू किया तो यह रिसाव नामक लीक गरम लावा रूपी राक्षस बन कर पद-लेवा साबित हुआ। प्रश्न यह उठता है कि हटाना और त्यागपत्र या इस्तीफा देना इन दोनों प्रक्रियाओं में फर्क क्या है? दोनों स्थितियों में पद से हटना ही होता है।

हटाना या बाहर का रास्ता दिखाना कुसंस्कारी बात है, जबकि कार्यालय में बैठकर अपने पत्र शीर्ष अजी लेटर हेड पर इस्तीफा लिख कर देना जिसमें यह ज़िक्र भी कि देश हित में, छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुये त्यागपत्र दिया जा रहा है। ऐसा लगता है हटाना एक सही प्रक्रिया होने के बावजूद प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाता है। सजायाफ्ता मुजरिम के विरोध में दिया जा रहा फैसला लगता है। जबकि त्यागपत्र या इस्तीफा समुचित साक्ष्यों के अभाव में बाइज्जत बरी करने जैसी स्थिति बनाता है। अब यह भी लीक हो गया कि उन्हें इस्तीफा देने को कहना भी बड़े बुजुर्गों के लिए खतरा लगता था। सारे लोगों की सारे ब्लेक डीड्स यानी सभी की काली करतूतों का चिट्ठा खुलने का अंदेशा था अगर धुतकार के भगा दिया जाता। यह तो वैसी ही बात हो गई जैसे न्यायाधीश कह रहे हों कि सात खून करने के बावजूद मुलजिम के चेहरे के भोले और थुलथुलपन को मद्दे नज़र रखते हुये बेइज्जत नहीं, बाइज्जत बरी किया जाता है। इधर सांप भी नहीं मरा और लाठी भी नहीं टूटी। शायद राजनीति का पहला उसूल अपनी धोती को खोले जाने से रोका जाए और दूसरे कि धोती कि भी रक्षा करें। यही तो पॉलिटिकल फ्रेंडशिप यानी सियासती दोस्ताना या राजनीतिक मित्रता कहलाती है। वैसे भी कल ही फ्रेंडशिप डे यानी मित्रता दिवस सभी मना चुके हैं। यह रिसाव, लीक और इससे जुड़ी चेष्टाएं जारी थी कि एक और हादसा हो गया रिसाव का अजी वही लीक का। भाजपा के लोकप्रिय प्रथम प्रधान मंत्री और कुशल ज्ञानी राजनीतिज्ञ स्व अटल बिहारी वाजपेयी जी की कटघोरा छत्तीसगढ़ में स्थापित तथाकथित कांस्य मूर्ति वास्तव में सीमेंट की मूर्ति तेज बारिश और आंधी में भ्रष्टाचारी शासन के कारनामों को लीक कर गया। कॉंस्य प्रतीत होता सारा पेंट जगह जगह से धुल गया और असत्य का रंग रोगन बारिश में घुल गया। जिस तरह कहते हैं तुम डाल डाल हम पात पात इसी तरह भ्रष्टाचार के लीक या रिसाव को आप कहाँ कहाँ ढूँढने जाएँगे।

रानी चुआ कुएं पर सावन में जल भरते हैं कावड़िये

रांचीः क्या आप जानते हैं कि झारखंड की राजधानी रांची में एक ऐसा चमत्कारिक कुआं है, जिसे विशाल स्वर्णरेखा नदी की जन्मदाता माना जाता है। सावन के महीने में इस कुएं का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। जो श्रद्धालु सुल्तानगंज नहीं जा पाते, वे इसी पवित्र कुएं से जल भरकर कांवड़ यात्रा शुरू करते हैं और पहाड़ी बाबा का जलाभिषेक करते हैं।

महाभारत काल से जुड़ी है पौराणिक मान्यता

रांची के नगरी स्थित 'रानी चुआ' कुएं को स्वर्णरेखा नदी का उद्गम स्थल माना जाता है। स्थानीय पुजारी देवेंद्र बताते हैं कि अज्ञातवास के दौरान पांडव इस गांव में आए थे। तब माता द्रौपदी को रोजमर्रा के कामों के लिए पानी की सख्त जरूरत थी। माता द्रौपदी की जरूरत पूरी करने के लिए अर्जुन ने जमीन पर बाण चलाकर पानी की धारा निकाली थी। माता द्रौपदी ने यहां विशेष पूजा और अनुष्ठान किए थे, इसी कारण इस जगह का नाम 'रानी चुआ' पड़ा।

स्वर्णरेखा नदी की है जन्मदाता

मान्यता है कि इस नदी से पहले सोना निकलता था, इसलिए इसका नाम स्वर्णरेखा पड़ा। एक छोटा सा कुआं किस तरह एक विशाल नदी को जन्म देता है, यह अपने आप में अद्भुत है। स्थानीय लोग इस कुएं को जन्मदाता के रूप में पूजते हैं। यहां का पानी बेहद पवित्र माना जाता है। लोग अपने घरों के धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पाठ और खेतों की सिंचाई में इसी कुएं के पानी का इस्तेमाल करते हैं।

सावन में जुटती है श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सावन के महीने में रानी चुआं पर भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। हर सोमवार को यहां से कांवड़ियों का बड़ा जत्था जल उठाकर निकलता है। यहां से पहाड़ी बाबा के मंदिर की दूरी लगभग 25 किलोमीटर है। भक्त 25 किमी पैदल चलकर पहाड़ी मंदिर पहुंचते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

कठिन राह भी नहीं रोक पाती कांवड़ियों के कदम

इस पवित्र कुएं तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है। कुएं तक जाने के लिए श्रद्धालुओं को चार खेतों को पार करना पड़ता है। सावन में धान की रोपनी का समय होता है, जिससे खेतों में चारों तरफ कीचड़ और गीली मिट्टी होती है। इसके बावजूद भक्तों की अटूट आस्था के आगे यह चुनौती छोटी पड़ जाती है। श्रद्धालु नंगे पांव, कीचड़ से लथपथ होकर भी खुशी-खुशी कुएं तक पहुंचते हैं, जल भरते हैं और पहाड़ी बाबा के जयकारों के साथ अपनी यात्रा शुरू करते हैं।

पूरी होती है हर मनोकामना

पुजारी देवेंद्र के अनुसार, अगर कोई भक्त सच्चे मन और सच्ची श्रद्धा से इस कुएं का जल भगवान शिव पर अर्पित करता है, तो उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। यही वजह है कि हर साल सावन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु रानी चुआं जल भरने पहुंचते हैं।

रामा या श्यामा तुलसी, घर में कौन सी तुलसी लगाना होता है बेहद शुभ

हिंदू घरों में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है और इसे केवल एक पौधा नहीं माना जाता बल्कि मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। लगभग हर हिंदू घर में तुलसी का पौधा लगाने और उसकी प्रतिदिन पूजा करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक मान्यता है कि जिस घर में तुलसी का वास होता है, वहां सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। वहीं आयुर्वेद में भी तुलसी को औषधीय गुणों का भंडार बताया गया है। वैसे तो तुलसी कई प्रकार की होती हैं लेकिन रामा और श्यामा तुलसी का विशेष महत्व है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर में रामा तुलसी रखनी चाहिए या श्यामा।

हिंदू धर्म में तुलसी का धार्मिक महत्व - शास्त्रों के अनुसार तुलसी को माता लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। भगवान विष्णु की पूजा तुलसी दल के बिना अधूरी मानी जाती है। कार्तिक मास, देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह जैसे पर्वों पर तुलसी का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि नियमित रूप से तुलसी की पूजा करने और जल अर्पित करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है तथा नकारात्मकता दूर रहती है। तुलसी का महत्व क्या है, आप इसी से जान सकते हैं कि श्रीहरि को भोग बिना तुलसी दल के अर्पित नहीं कर सकते। लेकिन भगवान शिव या भगवान गणेश की पूजा करते समय तुलसी के पत्तों का कभी भी उपयोग नहीं किया जाता है। तुलसी को वृंदा का एक रूप भी माना जाता है, जो एक समर्पित पत्नी और भगवान विष्णु की भक्त थीं, जिनका तुलसी के रूप में पुनर्जन्म हुआ था और तुलसी विवाह के दिन भगवान विष्णु के एक रूप भगवान शालिग्राम से उनका विवाह हुआ था।

तुलसी के पौधे के स्वास्थ्य लाभ - आयुर्वेद में तुलसी को जड़ी-बूटियों की रानी कहा जाता है। इसके पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण पाए जाते हैं। नियमित रूप से सीमित मात्रा में तुलसी के पत्तों का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने, सर्दी-खांसी से राहत दिलाने, पाचन को बेहतर बनाने और तनाव कम करने में सहायता मिल सकती है। हालांकि, किसी भी स्वास्थ्य समस्या में इसका उपयोग चिकित्सकीय सलाह के साथ ही करना चाहिए। तुलसी का पौधा हवा को शुद्ध करने और लोगों के आसपास की ऊर्जा और हवा को स्वस्थ और सकारात्मक रखने वाला भी माना जाता है। लोग यह भी मानते हैं कि तुलसी का पौधा किसी भी नकारात्मकता को सोख लेता है और शांति और स्थिरता फैलाता है।

रामा तुलसी क्या है ? - रामा तुलसी, जिसे श्री तुलसी भी कहा जाता है, सबसे आम और सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली तुलसी का प्रकार है। इसमें चमकीले हरे पत्ते, हल्की सौम्य सुगंध, मीठा-हर्बी स्वाद होता है, और इसका उपयोग नियमित, रोजमर्रा की पूजा और स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। धार्मिक पूजा-पाठ में राम तुलसी का व्यापक उपयोग किया जाता है और इसे घर के आंगन में लगाना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि रामा तुलसी का शरीर पर शीतलन प्रभाव होता है और इसे प्रकृति में कोमल, शांत और सात्विक माना जाता है।

श्यामा तुलसी क्या है ? - श्यामा तुलसी कृष्ण तुलसी के नाम से अधिक लोकप्रिय है, और माना जाता है कि यह वर्षों से भगवान कृष्ण की पसंदीदा रही है। जिस तरह भगवान कृष्ण को आमतौर पर नीले और बैंगनी रंग में चित्रित किया जाता है, श्यामा तुलसी में भी गहरे हरे और बैंगनी रंग के पत्ते होते हैं। साथ ही इसमें एक मजबूत सुगंध और स्वाद होता है। आयुर्वेद में इसे औषधीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इसका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में भी किया जाता रहा है।

रामा और श्यामा तुलसी के बीच अंतर - धार्मिक दृष्टि से राम तुलसी और श्याम तुलसी दोनों ही समान रूप से पूजनीय हैं लेकिन इनके बीच का मुख्य अंतर उनके अंतर्निहित स्वभाव, उसके गुणों और रंग में आता है। इसके गुणों के कारण, इसका उपयोग भी अलग-अलग तरीकों से किया जाता है। रामा तुलसी चमकीले हरे रंग की होती है, श्यामा तुलसी में गहरे हरे और बैंगनी रंग के होते हैं। रामा तुलसी स्वाद में हल्की और मीठी होती है, जिसमें हर्बी स्वाद होता है, श्यामा तुलसी में एक तेज स्वाद प्रोफाइल होती है। साथ ही रामा तुलसी में थोड़े बड़े और चौड़े पत्ते होते हैं, श्यामा तुलसी में संकरे पत्ते होते हैं। रामा और श्यामा तुलसी को एक-दूसरे से श्रेष्ठ नहीं माना जाता। घर में अपनी आवश्यकता, स्थान और श्रद्धा के अनुसार किसी भी प्रकार की तुलसी लगाई जा सकती है।

शिवलिंग पर सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए?

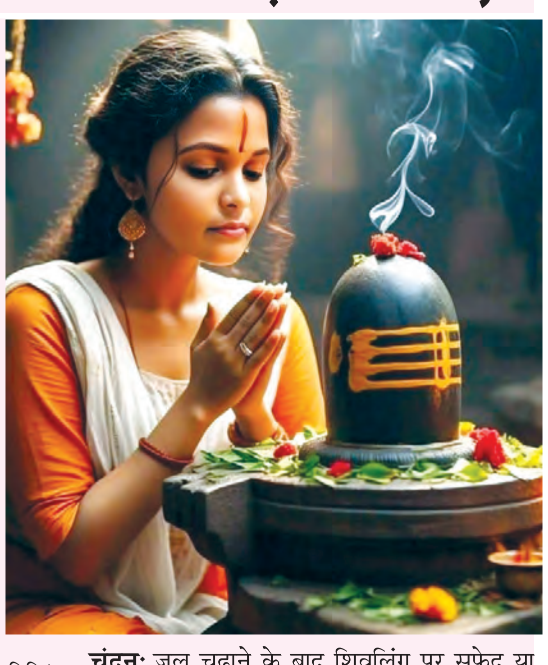

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्। सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानीसहितं नमामि॥.... सावन का महीना महादेव की कृपा पाने का सबसे पावन अवसर होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन माह में भगवान शिव और माता पार्वती धरती पर भ्रमण करने के लिए आते हैं। इसलिए हर भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाता है। सावन में शिवलिंग का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है। तो अगर आप भी भगवान शिव की खास कृपा पाना चाहते हैं तो पूरे सावन माह शिवजी की आराधना करें और सोमवार का व्रत भी करें। आइए जानते हैं कि शिवलिंग पर सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए और जलाभिषेक सही विधि क्या है। वहीं बता दें कि सावन में सोमवार व्रत करने के साथ ही इस पूरे माह में भी उपवास रखने का विधान है। तो अगर आप भी सावन माह में व्रत रख रहे हैं तो इन नियमों का ध्यान रखें।

शिवलिंग पर सबसे पहले क्या चढ़ाएं (शिवलिंग पूजा विधि)

जलः सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल धीर-धीरे चढ़ाएं। जल चढ़ाने के लिए तांबे या पीतल के लोटे का इस्तेमाल करें। जल चढ़ाते समय 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते रहें।

पंचामृतः जल चढ़ाने के बाद शिललिंग का पंचामृत से अभिषेक करें। पंचामृत दही, घी, शहद और चीनी को मिलाकर बनाया जाता है। पंचामृत चढ़ाने के बाद फिर से शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और शिवलिंग को हल्के हाथों से पोंछें।

कच्चा दूधः अगर आप शिवलिंग पर पंचामृत नहीं चढ़ा रहे हैं तो फिर कच्चा दूध चढ़ाएं। शिवलिंग पर जल अर्पित करने के बाद गाय का कच्चा दूध चढ़ाएं। दूध चढ़ाने के बाद फिर से शुद्ध जल या गंगा जल चढ़ाएं।

चंदनः जल चढ़ाने के बाद शिवलिंग पर सफेद या पीला चंदन का लेप लगाएं।

बेलपत्र, धतूरा और फूलः चंदन के बाद शिवलिंग पर महादेव की प्रिय चीजें बेलपत्र, धतूरा, भांग और मदार के फूल अर्पित करें। इसके साथ ही शमी के पत्ते भी चढ़ा सकते हैं।

अक्षत और जनेऊः इसके बाद शिवलिंग पर अक्षत यानी बिना टूटे हुए चावल चढ़ाएं। फिर भगवान शिव को जनेऊ अर्पित करें।

भोगः अब शिवलिंग पर पान का पत्ता, सुपारी और इलायची चढ़ाएं। इसके साथ ही भगवान शिव को फल और मिठाई का भोग लगाएं।

आरतीः धूप-दीप जलाकर कपूर से भगवान शिव की आरती करें। आप चाहे तो आरती से पहले शिव चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं।

विवाह के बाद बेटी क्यों मायके में मनाती है पहली तीज ? राधा रानी से है संबंध

सनातन धर्म में तीज का व्रत बहुत विशेष और महत्वपूर्ण माना जाता है। सावन में हरियाली तीज मनाई जाती है। हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन हरियाली तीज का व्रत रखा जाता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल हरियाली तीज का व्रत 15 अगस्त के दिन रखा जाएगा। ये व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए बहुत खास होता है। इस दिन व्रत रखने और शिव जी व माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने पर सुहागिनों को अंखड सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है। पति की आयु बढ़ती है।

यही नहीं हरियाली तीज का व्रत कुंवारी कन्याएं भी रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर प्राप्त होता है। इस पर्व का महत्व नवविवाहित बेटियों के लिए बहुत बढ़ जाता है और वो इस पर्व बहुत ही खास तरह से मनाती हैं। प्राचीन परंपराओं के अनुसार, नवविवाहित बेटी अपनी पहली हरयाली तीज अपने मायके में मनाती है। आइए जानते हैं इस परंपरा के पीछे की धार्मिक वजह।

मायके में मनाती हैं तीज

भारतीय संस्कृति कहती है कि लड़की का मायका उसके जीवन में विशेष स्थान रखता है, क्योंकि वहीं वो अपने बचपन से लेकर विवाह तक का समय बिताती है। मायके से लड़की का भावानात्मक जुड़ाव बहुत अधिक होता है। जब बेटी पहली बार तीज मनाती है, तो उसको मायके की याद न आए इसलिए वो इस दौरान मायके में ही रहती है।

नवविवाहित बेटी को मायके के लोग सम्मानपूर्वक घर लाते हैं और उसे उपहार में श्रृंगार की चीजें, नए कपड़े, घेवर, मिठाइयां और गहने देते हैं। इस परंपरा को 'सिंधारा' या 'सिंजारा' कहते हैं। ये सिर्फ एक पंरपरा भर नहीं, बल्कि मायके के लोगों का आशीर्वाद होता है।

राधा रानी तीज पर आती हैं मायके

हरियाली तीज पर बरसाना में राधा रानी और श्रीकृष्ण का झूलन महोत्सव मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ये वो दिन होता है, जब राधा रानी का अपनी ससुराल नंदगांव से अपने मायके बरसाना में आगमन होता है। राधा रानी के हरियाली तीज पर मायके आने की परंपरा का अनुसरण करते हुए ही नवविवाहित बेटियां मायके आती हैं।

शिव जी ने देवी पार्वती को अपनाया था

सावन में आने वाली हरियाली तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन से माना जाता है। शिवपुराण में इसका उल्लेख विस्तार पूर्वक मिलता है। मान्यता है कि भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने कठोर तप किया था। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन यानी हरियाली तीज पर महादेव ने माता की तपस्या से प्रसन्न होकर उनको अपनाया था।

यहां है 45 फीट ऊंचा और 16 फीट चौड़ा शिवलिंग

जो बार-बार बदलता है रंग,जानें किन्नर कैलाश का रहस्य

सावन का पवित्र माह शुरू हो चुका है। इस माह में भक्त महादेव के पवित्र धामों में जाकर उनका ललाभिषेक करते हैं। महादेवाके एक ऐसा ही पावन धाम किन्नर कैलाश भी है। ये हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित है। यहां पर प्राकृतिक है, जोकि श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। धार्मिक मान्यता है कि इस क्षेत्र का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती से है।

हिमालय के गर्भ में बसा किन्नर कैलाश महादेव को बहुत प्रिय है। माना जाता है कि ये भगवान शिव का शीतकालीन निवास है। यहां का शिवलिंग अपने आप में बहुत अद्भुत है, क्योंकि ये पहाड़ों के बीच 12 महीने बर्फ की चादर ओढ़े हुए रहता है। ये शिवलिंग 45 फीट ऊंचा और 16 फीट चौड़ा है। ये शलिवलिंग किन्नौर के कल्पा से भी नजर आता है। साल 1990 में किन्नर कैलाश की यात्रा शुरू हुई थी।

किन्नर कैलाश से निचली तरफ है पार्वती कुंड

सबसे पहले भेड़ बकरियों के साथ लोग किन्नर कैलाश के आसपास

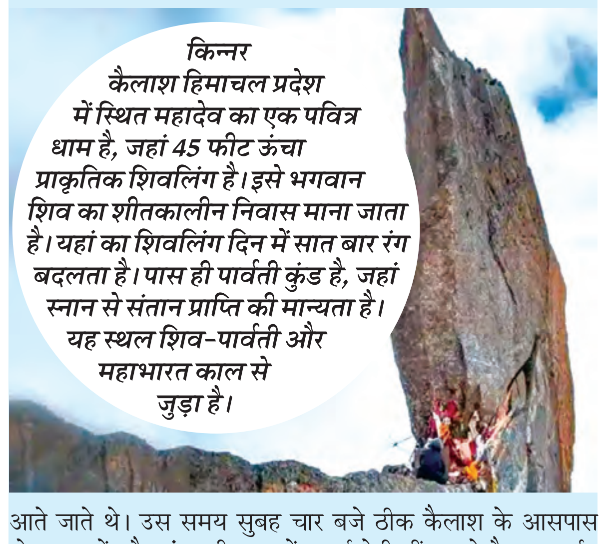

आते जाते थे। उस समय सुबह चार बजे ठीक कैलाश के आसपास ढोल नगाड़ों और शंख की आवाजें सुनाई देती थीं। मानो कैलाश पर्वत पर पूजा की जा रही हो। किन्नर कैलाश से निचली तरफ पार्वती कुंड है। ये किन्नर कैलाश से 500 सौ मीटर निचली तरफ है। यहां एक तालाब है, जहां गर्मियों में भी पानी बहुत ठंडा रहता है। मान्यता है कि इस कुंड में स्नान करने से महिलाओं को संतान प्राप्ति होती है।

शिवलिंग का बदलता है रंग

माना जाता है कि जब लंका का राजा रावण मानसरोवर की यात्रा पर गया था तो उसने किन्नर कैलाश में तपस्या की थी। कहा जाता है कि किन्नर कैलाश का रंग दिन में सात बार बलदलता है। जबकि इसके आस-पास मौजूद जो पहाड़ हैं, उनके रंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इतना ही नहीं यहां शिवलिंग का रंग भी बार-बार बदलता रहता है। अंधेरा होने के बाद कई बार किन्नर कैलाश में मौजूद शिवलिंग के ऊपरी तरफ चमकते हुए सितारे उतरते हैं।

महाभारत के अनुसार, पांडु पुत्र अर्जुन ने इसी क्षेत्र में भगवान शिव से पाशुपतास्त्र की प्राप्ति की थी। काफी ऊंचाई पर पहुंचने के बाद भक्त यहां प्राकृतिक शिवलिंग के दर्शन और पूजन करते हैं।

8 अगस्त से इन राशियों को मिलेगी मनचाही सफलता

ग्रहों के राशि परिवर्तन की तरह ही नक्षत्र बदलाव को भी बहुत विशेष और महत्वपूर्ण माना जाता है। ग्रहों के नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों पर पड़ता है। ग्रहों का नक्षत्र परिवर्तन व्यक्ति के जीवन को बहुत गहरे रूप में प्रभावित करता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, ग्रहों के राजकुमार बुध नक्षत्र परिवर्तन करने जा रहे हैं।

बुध 08 अगस्त 2026 को पुनर्वसु नक्षत्र से निकलकर पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे।

पुष्य नक्षत्रों का राजा माना जाता है। बुध बुद्धि, तर्क, संवाद और व्यापार के कारक ग्रह हैं। बुध का पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करना ज्ञान, करियर, आर्थिक समृद्धि और व्यावसायिक मामलों के लिए अत्यंत शुभ हो सकता है। इस दौरान वृषभ, मिथुन, कर्क, कन्या और वृश्चिक राशि के जातकों के लिए निवेश और करियर से जुड़े बड़े मामलों में शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

वृषभ राशि

बुध का ये नक्षत्र परिवर्तन वृषभ राशि वालों को आर्थिक रूप से मजबूत कर सकता है। लंबे समय से रुका हुआ धन इस समय वापस मिल सकता है। कारोबार में नई डील हो सकती है। भविष्य में लाभ हो सकता है।

मिथुन राशि

बुध मिथुन राशि के ही स्वामी माने जाते हैं। उनके नक्षत्र परिवर्तन से मिथुन राशि वालों का व्यक्तित्व निखर सकता है। मीडिया, मार्केटिंग, लेखन, वकालत और अध्यापन के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। आय के अतिरिक्त स्रोत बन सकते हैं।

कर्क राशि

बुध का नक्षत्र परिवर्तन कर्क राशि वालों को नई जिम्मेदारियां या नया जॉब ऑफर दिला सकता है। साझेदारी में काम करने वालों के लिए ये समय आपसी सामंजस्य और लाभ बढ़ाने वाला साबित हो सकता है।

कन्या राशि

कन्या राशि भी बुध की राशि है। ऐसे में बुध का ये नक्षत्र परिवर्तन कन्या राशि वालों के लिए आर्थिक दृष्टि से बहुत अच्छा रह सकता है। लंबे समय से कोई नया व्यवसाय या प्रोजेक्ट शुरू करने का प्लान बना रहे हैं, तो ये समय अनुकूल है।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि वालों को इस समय पद-प्रतिष्ठा और आर्थिक उन्नति मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों का प्रमोशन या वेतन वृद्धि हो सकती है। परिवार में चल रही अनबन समाप्त हो सकती है। सुख-शांति का माहौल रह सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ की संभावना है।

रेमो डिसूज़ा की एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत भरुचा व पश्मीना

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूज़ा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं।

सूत्र ने बताया, टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।

हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी।

यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूज़ा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।

'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद फिर साथ आए टाइगर और रेमो

टाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूज़ा की पिछली फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में टाइगर ने अमन ढिल्लों का किरदार निभाया था, जो एक रहस्यमयी घटना के बाद सुपरपावर्स हासिल कर सुपरहीरो बन जाता है और खलनायक राका से मुकाबला करता है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे।

आने वाली इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज़ डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी। फिलहाल निर्माताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है।

टाइगर और नुसरत के आगामी प्रोजेक्ट्स

टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म 'बागी 4' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, हरनाज़ संधू, सोनम बाजवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी थे।

वहीं नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज़ कॉमेडी-थ्रिलर 'उफ्फ ये सियापा' थी, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

रेमो डिसूज़ा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई साझेदारी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। दमदार एक्शन, नई स्टारकास्ट और दिलचस्प कहानी के साथ यह फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है।

ब्वॉयफ्रेंड की वजह से टूटा था तापसी पन्नू का दिल आज हैं विदेशी खिलाड़ी की दुल्हनियां

स्कूल-कॉलेज का प्यार अक्सर किसी पुरानी किताब में समिट कर रह जाते हैं। इसी उम्र में अभिनेत्री तापसी पन्नू भी किसी पर अपना दिल हार बैठी थीं। अभिनेत्री आज भले ही मनोरंजन जगत में अपना करियर स्थापित कर डेनमार्क के जाने-माने पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच मैथियास बोए के साथ शादीशुदा जीवन बिता रही हैं लेकिन उनके किशोरावस्था का प्यार किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दिल्ली के माता जय कौर पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई के समय ही अभिनेत्री को पहली बार प्यार का एहसास हुआ और वह एक लड़के पर दिल हार बैठी थीं। एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया था कि स्कूल के समय उनका एक बॉयफ्रेंड था। वह 9वीं क्लास में थीं तो उनका बॉयफ्रेंड 10वीं में। तापसी ने बताया कि उनके ब्वॉयफ्रेंड ने उनसे इसलिए ब्रेकअप ले लिया था क्योंकि उसका कहना था कि वो 10वीं क्लास की बोर्ड परीक्षा पर पूरा ध्यान लगाना चाहता है, जिसके बाद मैं खूब रोई भी थी।

हालांकि, उस समय आज के बच्चों के पास पर्सनल मोबाइल नहीं हुआ करते थे। अभिनेत्री ने बताया कि वो उनका पहला हार्ट ब्रेक था और वे अपने घर के पास वाले पीसीओ पर जाकर दो-दो रुपए के सिक्के डालकर अपने बॉयफ्रेंड को कॉल किया करती थीं और कहती थीं कि प्लीज बात कर लो। वो पहले तो फोन उठाता ही नहीं था और अगर उठाया, तो बुरी तरह बात करता था।

अभिनेत्री ने बताया कि उस दिन उन्होंने तय किया था कि वे अपने जीवन में किसी को इतना हक नहीं देंगी, कि वो उनकी इतना बुरा हाल कर दे। अभिनेत्री ने अपनी बात में यह भी जोड़ा था कि वो उनके जीवन का सबसे बड़ा हार्ट ब्रेक था।

समय बीता और यह सब पीछे चला गया। तापसी ने भी अपनी राह बदली और गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (नई दिल्ली) से कंप्यूटर साइंस में बीटेक (इंजीनियरिंग) पूरी की। यहीं से उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाया और साउथ सिनेमा की तरफ रुख किया।

उन्होंने 2010 में तेलुगु फिल्म 'झमंडी नादम' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने साल 2013 की फिल्म 'चश्मे बद्दूर' हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने के बाद 'पिंक', 'बेबी', 'नाम शबाना', 'थप्पड़' और 'डंकी' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय कर अपना नाम स्थापित किया। हाल ही में अभिनेत्री की फिल्म अस्सी रिलीज हुई थी, जिसने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी थी।

तापसी पन्नू अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड मैथियास बो के साथ शादीशुदा जिंदगी जी रही हैं। दोनों की पहली मुलाकात साल 2013 में इंडियन बैडमिंटन लीग के समारोह में हुई थी। मैथियास बो इस टूर्नामेंट में लखनऊ की टीम (अवाध वारियर्स) की ओर से खेल रहे थे जबकि तापसी हैदराबाद हॉटशॉट टीम की ब्रांड एंबेसडर थीं। दोस्ती गहरी हुई और दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया। इस जोड़े ने लगभग एक दशक तक अपने रिश्ते को निजी और मीडिया की चकाचौंध से दूर रखा था और 23 मार्च 2024 को उदयपुर में एक निजी समारोह में शादी कर ली।

'युवा पीढ़ी में सिंगर्स के भजन गाने पर अनुराधा पौडवाल ने जताई खुशी

जानी-मानी गायिका अनुराधा पौडवाल ने जयपुर में 'गुप्त वृंदावन धाम' के एक कृष्ण भक्ति संगीत कार्यक्रम में परफॉर्म किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं की आध्यात्मिकता और भक्ति संगीत में बढ़ती दिलचस्पी के बारे में बात की। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए पौडवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी के ज्यादा लोगों को आध्यात्मिकता अपनाते और 'भजन' गाते हुए देखकर उन्हें बहुत अच्छा लगा।

नए भजन गायकों पर क्या बोलीं अनुराधा पौडवाल

अनुराधा पौडवाल ने कहा, 'आज हम देख सकते हैं कि युवा भी आध्यात्मिकता से जुड़ रहे हैं। कई नए सिंगर भजन गा रहे हैं।

यह बहुत अच्छी बात है। भगवान उन्हें सही रास्ता दिखाते हैं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि इतने सारे बच्चे एक साथ आए हैं। क्योंकि इससे उन्हें भविष्य में हिम्मत मिलेगी।'

समृद्ध रहा है अनुराधा पौडवाल का संगीत सफर

अनुराधा पौडवाल भारत की सबसे मशहूर प्लेबैक और भक्ति संगीत गायिकाओं में से एक हैं। उनका करियर पांच दशकों से ज्यादा लंबा रहा है। उन्होंने बॉलीवुड, मराठी सिनेमा में भी काम किया है। अनुराधा पौडवाल को 1980 के दशक के आखिर और 1990 के दशक की शुरुआत में पहचान मिली। बाद में उन्होंने भक्ति संगीत में देश की सबसे लोकप्रिय आवाजों में से एक के तौर पर अपनी जगह बनाई।

गायिका को मिले कई सम्मान

अनुराधा पौडवाल को कई सम्मान मिले हैं। 1990 की फिल्म 'आशिकी' के गाने 'नजर के सामने' के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला था। फिल्मों में गाए गानों के लिए उन्हें चार फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुके हैं। वहीं कला के क्षेत्र में योगदान के लिए 2017 में भारत का चौथा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' भी मिला है।

अदिति शर्मा ने पति पर लगाया घरेलू हिंसा का आरोप कहा- ससुराल वालों ने गहने वापस नहीं किए

टीवी अभिनेत्री अदिति शर्मा ने 30 जुलाई को अपने पति, सास और ननद के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराई है। अदिति की शिकायत के आधार पर गोरेगांव पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें आरोप लगाया गया कि तीनों ने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान किया।

अभिनेत्री ने लगाए आरोप

रिपोर्ट के मुताबिक ससुराल वालों ने अभिनेत्री के साथ घरेलू हिंसा, मारपीट, गाली-गलौज किया और उनके चरित्र पर सवाल उठाए। अदिति ने आगे आरोप लगाया कि उनकी सास ने उनके शादी के गहने अपने पास रख लिए, जिनमें सोने की चेन, अंगूठियां, हीरे की अंगूठी, मंगलसूत्र और चूड़ियां शामिल थीं।

गोरेगांव पुलिस ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं और अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुलिस ने अदिति शर्मा के पति, ननद और सास के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। गोरेगांव पुलिस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। असिस्टेंट इंस्पेक्टर अमिता मराठे मामले की जांच कर रही हैं।

कब हुई थी शादी?

शिकायत में शर्मा ने कहा, 'मैं अपने पति से जून 2021 में ऑनलाइन एक्टिंग क्लास के दौरान मिली थी। हम दोस्त बने और बाद में हमारी दोस्ती प्यार में बदल गई। सितंबर 2024 से, हम दोनों गोरेगांव में एक किराए के घर में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। दोनों परिवारों की सहमति से, हमने 12 नवंबर 2024 को शादी की। शादी के दो-तीन दिन बाद मेरे माता-पिता दिल्ली लौट गए। उस समय, मेरी सास और ननद मेरे साथ थीं।'

पति ने दी गाली

शर्मा ने बताया 'मेरी सास अक्सर दिल्ली आती-जाती रहती थीं। शादी के बाद, मेरे पति मेरे कपड़ों को लेकर मुझे बुरा-भला कहते थे। वे घर की छोटी-छोटी बातों पर भी मुझसे झगड़ा करते थे।

वे मुझे घर के खर्च के लिए पैसे नहीं देते थे। इसके उलट, वे मुझसे ही पैसे लेते थे। 1 जनवरी 2025 की सुबह उन्होंने कहा, 'अब तुम मेरी पत्नी नहीं रहोगी, तुम किसी की भी पत्नी नहीं रहोगी।''

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम तब्बू और श्रीदेवी को भी बताया अपनी प्रेरणा

सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। निहारिका एनएम ने कहा, "साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।"

निहारिका ने कहा, साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, "वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।"

बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, "इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।"

फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, "राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।"

विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल, संजय कपूर, बरखा सिंह, चंदन रॉय सान्याल, विवान भटेना और विकल्प मेहता जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

मृणाल ठाकुर के जन्मदिन पर संदीपा धर ने किया विश लिखा- तुम्हारा आने वाला साल खुशियों से भरा हो

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर शनिवार को अपना जन्मदिन मनाया । इस मौके पर उनकी प्रिय को-स्टार अभिनेत्री संदीपा धर ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस पोस्ट के जरिए संदीपा ने मृणाल को अपनी पसंदीदा को-स्टार बताया। अभिनेत्री संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का अनसीन वीडियो पोस्ट किया।

इस क्लिप में संदीपा धर मृणाल ठाकुर को दुल्हन की तरह तैयार कर रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं मृणाल ठाकुर। 'दो दीवाने सहर में' के साथ बिताए गए पल शेयर कर रही हूं। ये एक प्यारा सीन था, जो फिल्म से कट कर दिया गया था, लेकिन तुम्हारे खास दिन पर इसे शेयर किए बिना रह नहीं पाई। उस दिन मुझे सबसे खूबसूरत दुल्हन लग रही थीं, और सच में तुम्हें उस सीन को जीवंत करते हुए देखना मेरे लिए एक जादू जैसा था। मेरी दुआ है कि तुम्हारा आने वाला साल खुशियों से भरा हो। उसमें कमाल के किरदार,

तरक्की, सुकून और ढेर सारा प्यार हो। तुम उन सबसे टैलेंटेड और इंस्पायर करने वाले लोगों में से एक हो, जिन्हें मैं जानती हूं। तुम्हारे साथ फिर से स्क्रीन शेयर करने का इंतजार है।

अभिनेत्री संदीप धर और मृणाल ठाकुर ने फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में साथ काम किया था। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि संदीप (संदीपा धर) सहायक भूमिका में नजर आती हैं। मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म में 'रोशनी' नाम की एक संकोची लड़की का मुख्य किरदार निभाया है, और संदीप (संदीपा धर) ने फिल्म में बहन (नायिका के परिवार से जुड़ी भूमिका) का किरदार अदा किया है।

'दो दीवाने सहर में' साल 2026 की रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसके जरिए निर्देशक रवि उदयावर ने अपने अंदर की कमियों को स्वीकार करने के विषय में जोर दिया है।

फिल्म के मुख्य नायक शशांक को 'श' को 'स' बोलने की एक छोटी सी समस्या (स्पीच डिसऑर्डर) है, जिससे वे अपने आत्म-संदेह और असुरक्षा से जूझते हैं। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे आम इंसान अपनी कमियों और कम आत्मविश्वास के साथ भी प्यार और अपनापन पा सकते हैं।

फ्रेशर्स के लिए इसरो में वैकेंसी बिना एग्जाम सीधे नंबरों से सेलेक्शन

पढ़ाई कम्प्लीट करने के बाद सबसे बड़ा टास्क बन जाता है, अच्छी नौकरी पाना। क्योंकि इस समय कैंडिडेट्स फ्रेशर होते हैं, तो सीवी की शॉर्टलिस्टिंग या इंटरव्यू हर जगह परेशानी आती है। करियर के शुरुआत में चरण में अगर आप भी ऐसी ही परेशानी से गुजर रहे हैं, तो आपको इसरो जाने की शानदार अपॉर्चुनिटी मिल रही है। दरअसल इसरो ने अपने यू.आर. राव सेटेलाइट सेंटर के लिए अप्रेंटिसशिप निकाली है। ग्रेजुएट, टेक्नीशियन, कमर्शियल प्रैक्टिस के लिए युवाओं को बिना किसी लिखित परीक्षा के भर्ती किया जा रहा है।

ऐसे में आप भी इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। 400 से ज्यादा सीटों के लिए युवाओं का चयन किया जाएगा। अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग पूरी करने के बाद कैंडिडेट्स को आगे जॉब के नए विकल्प मिल सकते हैं, साथ रिज्यूम भी मजबूत बनेगा। अप्रेंटसिशिप के दौरान आपको हर महीने स्टाइपेंड भी मिलेगा। जो भी उम्मीदवार इस भर्ती में आवेदन करना चाहते हैं, अंतिम तिथि 28 अगस्त 2026 तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

कुल 410

कौन अप्लाई कर सकता है?

ग्रेजुएट अप्रेंटिसः किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में बी.ई/बीटेक की डिग्री प्राप्त की हो।

टेक्नीशियन अप्रेंटिसः मान्यता प्राप्त स्टेट बोर्ड से संबंधित फील्ड में डिप्लोमा किया हो।

कमर्शियल अप्रेंटिसः मान्यता प्राप्त बोर्ड से कमर्शियल प्रैक्टिस में डिप्लोमा पूरा किया हो। ध्यान रखें कि जिन उम्मीदवारों ने 2022, 2023, 2024, 2025 और 2026 में अपनी पढ़ाई की है, केवल वे ही अप्रेंटिस के लिए अप्लाई कर सकते हैं। पढ़ाई के अलावा कोई अनुभव नहीं चाहिए।

बिना परीक्षा ऐसे होगा सेलेक्शन

अंक प्रतिशत पर बनेगी लिस्टः कैंडिडेट्स का सेलेक्शन संबंधित विषय में आए अंक प्रतिशत के जरिए किया जाएगा। पहले ज्यादा अंकों वाले उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग करके लिस्ट तैयार की जाएगी।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशनः शॉर्टलिस्टिंग होने के बाद अगले चरण में इन सभी अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद चयन के लिए एक पैनल बनाया जाएगा। जिसके जरिए चयन संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इसरो अप्रेंटिस में स्टाइपेंड कितना मिलेगा?

अप्रेंटिसशिप के दौरान अभ्यर्थियों को कैटेगिरी के हिसाब से हर महीने स्टाइपेंड भी मिलेगा। ग्रेजुएट- 12,300/- टेक्नीशियन - 10,900/- कमर्शियल प्रैक्टिस- 10,900/-

अप्लाई कहां करना होगा?

इस अप्रेंटिसशिप में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को एनएटीएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद उमंग ऐप web.umang.gov.in पर अप्लाई करना होगा। यहां अप्रेंटिसशिप के लिए रजिस्ट्रेशन लिए जा रहे हैं। इसकी कोई फीस नहीं है। इसके लिए आप यहां बताए स्टेप्स भी फॉलो कर सकते हैं।

उमंग ऐप पर जाकर होमपेज पर आपको URSC Apprenticeship का कॉलम नजर आएगा।

इसके बाद Apply for Position के लिंक पर जाएं।

अब अपना नाम, कैटेगिरी, पोजीशन, घर का पता जैसी जानकारियां भरें।

बी.ई/बीटेक/डिप्लोमा की जानकारी सीजीपीए या परसेंट में भरनी होंगी। इनमें प्राप्त किए नंबर, क्लास, पास होने का साल, महीना सबकी जानकारी भरें।

अपना फोटोग्राफ और हस्ताक्षर 50 KB में अपलोड करें। इसके आलावा जाति प्रमाण पत्र जैसे सर्टिफिकेट भी 50KB में jpg/jpeg/png फॉर्मेट में अपलोड करें।

ध्यान रखें कि जिस बॉक्स में जानकारी भरने के लिए कही जाती है, उसे ठीक वैसे ही भरें। इसके बाद आवेदन को फाइनली सबमिट कर दें।

प्रशिक्षण की ट्रेनिंग 12 महीने की होगी। नियुक्ति के समय उम्मीदवारों को मेडिकल सर्टिफिकेट भी जमा कराना होगा।

रेलवे में जूनियर इंजीनियर सहित 4,098 पदों पर बंपर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रेलवे में नौकरी करना हजारों-लाखों युवाओं का सपना होता है, जिसके लिए वे तैयारी करने के साथ रिक्तियों के जारी होने के इंतजार में रहते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, तो आपके लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो मटीरियल सुपरिटेंडेंट (डीएमएस) एवं केमिकल और मेटालर्जिकल असिस्टेंट (सीएमए) के कुल 4,098 पदों पर पात्र उम्मीदवारों की भर्ती के लिए एक शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी करके बंपर वैकेंसी की घोषणा की है। आरआरबी की ओर से जारी कुल 4,098 रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया संभावित रूप से 14 अगस्त से शुरू होगी, और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 13 सितंबर तय की गई है।

ऐसे में जो उम्मीदवार रेलवे में इन पदों पर नियुक्त होने की इच्छा रखते हैं, वे आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट पर संबंधित पोस्ट के लिए आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।

आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 33 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 जनवरी 2027 के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

योग्य अभ्यर्थियों का चयन कंप्यूटर-आधारित परीक्षण (सीबीटी), दस्तावेज सत्यापन, चिकित्सीय परीक्षण, आदि चरणों के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की शुरुआती सैलरी 7वें सीबीसी पे मैट्रिक्स के अनुसार, पे लेवल 6 के तहत 35,400 रुपए प्रति माह होगी। इसके अलावा उम्मीदवारों को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे।

आरआरबी की ओर से इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से पहले अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर योग्यता, चयन प्रक्रिया, आदि से जुड़ी विस्तृत जानकारी का डिटेल्ड नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। हालांकि, इसके लिए उम्मीदवारों को टाइम-टू-टाइम ऑफिशियल पोर्टल चेक करने की सलाह दी जाती है।

सिर्फ पढ़ाई नहीं, जिंदगीभर सीखने में काम आती हैं बचपन की ये बातें, हर किसी को जाननी चाहिए

बचपन से ही जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और सीखने की आदत विकसित करके छात्र जीवन भर सीखते रहने वाले बन जाते हैं। सहयोगी शिक्षक, माता-पिता और नई चीजें खोजने, पढ़ने, खेलने और समस्याओं को सुलझाने के अवसर बच्चों में आत्मविश्वास, परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता और जीवन भर लगातार सीखते रहने और आगे बढ़ने की आदत विकसित करने में मदद करते हैं।

शुरुआती बचपन की शिक्षा का महत्व।

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा होकर समझदार और जिम्मेदार इंसान बने। क्योंकि हम ऐसे एरा में हैं जहां नॉलेज लगातार डेवलप हो रही है और करियर- टेक्नोलाजी, वैश्विक बदलावों और सतत विकास जैसी शक्तियों से आकार ले रहे हैं। ऐसे समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को परीक्षाओं में सफल बनाना नहीं, बल्कि उन्हें क्रिटिकल थिंकर और आजीवन सीखने वाला बनाना है। इस महत्वपूर्ण यात्रा की शुरुआत न तो कॉलेज से होती है और न ही हाईस्कूल से, बल्कि बचपन के समय होती है।

बचपन के शुरुआती वर्षों में बच्चों का संज्ञानात्मक (कॉग्निटिव) विकास अपने सर्वोच्च स्तर पर होता है। यह एक तथ्य है कि 5 साल की आयु तक बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 80 प्रतिशत विकास हो चुका होता है। इसी दौरान अरबों न्यूरल कनेक्शन बनते हैं, जो बौद्धिक क्षमता, समझ और सबसे महत्वपूर्ण आजीवन सीखने की क्षमता की नींव रखते हैं। यहां एक्सपर्ट से समझें कि बचपन की शिक्षा और कुछ

आदतों का महत्व पूरी जिंदगी के लिए क्या होता है।

हर बच्चे में होती है सीखने की उत्सुकता, एक्सपर्ट ने बताया पढ़ाई का तरीका

जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की निदेशक ध्वनि जयपुरिया ने बताया कि 2 छोटे बच्चों की मां होने के नाते मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि हर बच्चा जन्म से ही सीखने और जानने की भावना लेकर आता है। वे हर बात पर सवाल पूछते हैं, नई संभावनाओं की तलाश करते हैं और बिना किसी सीमा के कल्पना करते हैं।

शुरुआती बाल्यावस्था के शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की स्वाभाविक जिज्ञासा को दबाने के बजाय उसे बढ़ावा दें। पढ़ाई का तरीका ऐसा हो कि बच्चे खुलकर सवाल पूछ सकें, नई बातें सीख सकें और अपने नए विचारों को रख सकें।

बचपन में मन से पहले संवेदनाओं का विकास

किसी बच्चे की सीखने की क्षमता इस बात पर भी निर्भर करती है कि उसका अपने शिक्षकों और साथियों के साथ कैसा संबंध है। शुरुआती साल बच्चों में सामाजिक और भावनात्मक दृढ़ता विकसित करने का सबसे अच्छा समय होता है। इस दौरान उनमें आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और भावनात्मक संवेदनशीलता का विकास किया जा सकता है। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन भी सामाजिक-भावनात्मक विकास को शैक्षणिक सफलता का महत्वपूर्ण आधार मानता है।

शोध बताते हैं कि जिन बच्चों में सामाजिक-भावनात्मक कौशल मजबूत होते हैं, वे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, स्वस्थ संबंध बनाते हैं और आगे चलकर अच्छे टीम सदस्य तथा प्रभावी नेता बनते हैं।

खेल-खेल में सीखते हैं बच्चे, बढ़ती है क्षमता

खेल बचपन की सबसे स्वाभाविक और सहज गतिविधि है। बच्चों में हर गतिविधि को खेल में बदल देने की अद्भुत क्षमता होती है और इस प्रवृत्ति को बनाए रखना आवश्यक है। जब बच्चे खेलते हैं, कहानियां गढ़ते हैं, चित्र बनाते हैं, रंग भरते हैं या अन्य गतिविधियों में भाग लेते हैं तो वे रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और सहयोग करने की स्किल डेवलप कर रहे होते हैं जो पूरी जिंदगी उनके काम आती है।

पहले पढ़ना सीखना, फिर पढ़कर सीखना

आजीवन सीखने की नींव साक्षरता और गणनात्मक कौशल (न्यूमरसी) जैसी स्किल पर आधारित होती है। दुनिया भर के शोध (जिनकी पुष्टि जयपुरिया समूह की साक्षरता पहल लेक्सीलर्न से भी होती है) बताते हैं कि बच्चों की पढ़ने और समझने की क्षमता का सबसे अधिक विकास कक्षा 1 से 3 (लगभग 5 से 8 वर्ष की आयु) के बीच होता है। जब बच्चे वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य लेक्साइल स्कोर के अनुरूप पढ़ना और समझना सीख जाते हैं तो वे एक नए चरण में प्रवेश करते हैं। यानी 'पढ़ना सीखने' से 'पढ़कर सीखने' की ओर। इस तरह वे शुरुआती साल में विकसित मजबूत गणनात्मक कौशल भी आजीवन सीखने की ठोस नींव तैयार करते हैं।

माता-पिता बच्चे के पहले शिक्षक होते हैं और स्कूली शिक्षा के दौरान भी वे उसके सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बने रहते हैं। बच्चे की शिक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी उसे औपचारिक शिक्षा के अनुरूप ढलने में बहुत मदद करती है। जब विद्यालय और परिवार मिलकर बच्चे के विकास में सहयोग करते हैं, तब सीखना केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके दैनिक जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बन जाता है।

बाल्यावस्था शिक्षा ज्ञान, कौशल और मूल्यों के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसका फायदा जीवनभर मिलता है। इसकी शुरुआत सही समय पर हो और बच्चों का मार्गदर्शन सही दिशा में किया जाए। आजीवन सीखने वाले लोग कभी अपनी उपलब्धियों पर रुकते नहीं हैं। वे पूरे जीवन सीखते है, पुरानी धारणाओं को छोड़ते हैं और नई चीजों को अपनाते रहते हैं।

बीए, बीकॉम या बीएससी के बाद क्या करें? किन सेक्टर्स में बना सकते हैं करियर

12वीं के बाद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बीए, बीकॉम और बीएससी जैसी पारंपरिक स्नातक डिग्रियों में दाखिला लेते हैं। लेकिन ग्रेजुएशन के अंतिम वर्षों में या डिग्री पूरी होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आगे करियर किस दिशा में बनाया जाए।

ई छात्रों को लगता है कि इन डिग्रियों के बाद रोजगार के अवसर सीमित हैं, जबकि वास्तविकता इससे अलग है। सही दिशा और तैयारी के साथ इन तीनों स्ट्रीम के विद्यार्थी सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में अच्छा करियर बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि बीए, बीकॉम और बीएससी के बाद किन-किन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

बीए ग्रेजुएट्स के लिए कौन-कौन से करियर विकल्प हैं?

बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) करने वाले विद्यार्थियों के बीच सरकारी नौकरियों का खासा आकर्षण रहता है।

हर साल बड़ी संख्या में बीए ग्रेजुएट्स संघ लोक सेवा आयोग (UPSC), कर्मचारी चयन आयोग (SSC), राज्य लोक सेवा आयोग, बैंकिंग, रेलवे और पुलिस भर्ती जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेते हैं।

सरकारी नौकरियों के अलावा कंटेंट राइटिंग, पत्रकारिता, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, पब्लिक

रिलेशन्स (PR) और टीचिंग जैसे क्षेत्रों में भी बीए डिग्रीधारकों के लिए अच्छे अवसर मौजूद हैं।

यदि किसी छात्र की रुचि साहित्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र या भाषा विषयों में है, तो वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर शिक्षण और शोध (रिसर्च) के क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकता है।

बीकॉम के बाद किन क्षेत्रों में मिलते हैं बेहतर अवसर?

कॉमर्स से ग्रेजुएशन करने वाले छात्रों के लिए अकाउंटिंग, बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर सबसे प्रमुख करियर विकल्प माने जाते हैं। बीकॉम के बाद उम्मीदवार अकाउंटेंट, टैक्स कंसल्टेंट, ऑडिट असिस्टेंट, बैंकिंग प्रोफेशनल और फाइनेंशियल एनालिस्ट जैसी भूमिकाओं में काम कर सकते हैं।

इसके अलावा चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS), कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी (CMA), Mबीए और विभिन्न बैंकिंग परीक्षाएं भी बीकॉम छात्रों के लिए लोकप्रिय विकल्प हैं।

हाल के वर्षों में डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक (FinTech) सेक्टर के तेजी से विस्तार ने कॉमर्स ग्रेजुएट्स के लिए रोजगार के नए रास्ते खोले हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने वाले उम्मीदवारों के लिए भविष्य की संभावनाएं और भी बेहतर मानी जा रही हैं।

बीएससी के बाद साइंस स्टूडेंट्स कहां बना सकते हैं करियर?

बीएससी करने वाले विद्यार्थियों के लिए रिसर्च, हेल्थकेयर, प्रयोगशालाएं (लैब), आईटी, डेटा एनालिटिक्स और शिक्षा क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं। विषय के अनुसार उम्मीदवार लैब टेक्नीशियन, रिसर्च असिस्टेंट, डेटा एंट्री स्पेशलिस्ट, साइंस टीचर और टेक्निकल प्रोफेशनल जैसी नौकरियों में अपना करियर शुरू कर सकते हैं।

कंप्यूटर साइंस, गणित और सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) जैसे विषयों से पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए आईटी इंडस्ट्री और डेटा से जुड़े क्षेत्रों में अच्छी संभावनाएं हैं। वहीं, बायोलॉजी और केमिस्ट्री की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी मेडिकल, फार्मा और रिसर्च सेक्टर में आगे बढ़ सकते हैं।

सही करियर चुनने के लिए क्या करें?

सिर्फ डिग्री हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है। छात्रों को अपनी रुचि, कौशल और करियर लक्ष्य के अनुसार आगे की पढ़ाई या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करनी चाहिए।

साथ ही, नई तकनीकों और उद्योगों की मांग को देखते हुए प्रोफेशनल कोर्स या स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम भी करियर को नई दिशा दे सकते हैं। बीए, बीकॉम और बीएससी जैसी पारंपरिक डिग्रियों के बाद भी सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में कई ऐसे अवसर मौजूद हैं, जहां सही तैयारी के दम पर सफल करियर बनाया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद, एटा-हापुड़ समेत कई जिलों में आंगनवाड़ी भर्ती; नहीं देना होगा एग्जाम

उत्तर प्रदेश में आंगनवाड़ी भर्ती का इंतजार कर रही महिलाओं के लिए अच्छा मौका है। राज्य के 16 नए जिलों में आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इच्छुक और योग्य महिलाएं ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट upanganwadibharti.in पर जाकर आवेदन फॉर्म भरना होगा।

क्या है आवेदन की शर्तें?

आंगनवाड़ी वर्कर पद के लिए आवेदन करने वाली महिला उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा अधिक पढ़ाई यानी ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन कर चुकी महिलाएं भी इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकती हैं। उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 18 साल और अधिकतम उम्र 35 साल होनी चाहिए। आयु की गणना 1 जुलाई 2026 को आधार मानकर की जाएगी। उम्र प्रमाण के लिए हाईस्कूल की मार्कशीट और प्रमाण पत्र को मान्य माना जाएगा।

आवेदन करने वाली महिला उसी ग्रामसभा या शहरी क्षेत्र के वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए, जहां से वह आवेदन कर रही है। दूसरे ग्रामसभा या वार्ड के निवासियों के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

बिना परीक्षा ऐसे होगा चयन

आंगनवाड़ी वर्कर पद पर उम्मीदवारों का चयन 12वीं के अंकों के आधार पर तैयार मेरिट लिस्ट से किया जाएगा। इस भर्ती में किसी भी तरह की लिखित परीक्षा नहीं होगी।

इन दस्तावेजों की होगी जरूरी?

विधवा उम्मीदवारों को ग्राम पंचायत अधिकारी या संबंधित नगर निकाय द्वारा जारी प्रमाण पत्र और परिवार पंजिका की प्रमाणित कॉपी देनी होगी। तलाकशुदा या परित्यक्ता महिलाओं के लिए न्यायालय या कानूनी आदेश को मान्य माना जाएगा।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से फुली-फंडेड एमबीए का चांस

रहने-खाने के लिए मिलेंगे 28 लाख

दुनिया में हायर एजुकेशन के लिए ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी को सबसे बेहतरीन संस्थान माना जाता है। ब्रिटेन की इस यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने का खर्च भी कम नहीं है, खासतौर पर अगर आपको मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई करनी है। अच्छी बात ये है कि कई सारे ऐसे संस्थान हैं, जो ऑक्सफर्ड में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देते हैं। ऐसा ही एक संस्थान ऑक्सफर्ड में एमबीए करने के लिए स्कॉलरशिप दे रहा है।

आंत्रप्रेन्योरशिप से जुड़े हुए संस्थान स्कोल सेंटर ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी में एमबीए करने के लिए 'स्कोल एमबीए स्कॉलरशिप 2027' दे रहा है। अगर आप ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी से एमबीए करने का सपना देख रहे हैं, तो फिर आपके लिए गुड न्यूज है, क्योंकि आप भी इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। ये स्कॉलरशिप ऑक्सफोर्ड के 'सैड बिजनेस स्कूल' में पढ़ने के लिए दी जा रही है और अभी इसके लिए एप्लिकेशन प्रोसेस की शुरुआत हो चुकी है।

एमबीए स्कॉलरशिप के फायदे क्या हैं?

ट्यूशन फीस माफः स्कॉलरशिप पाने वाले स्टूडेंट की एमबीए कोर्स की पूरी फीस माफ हो जाएगी।

रहने-खाने का खर्चः पढ़ाई के दौरान ब्रिटेन में रहने-खाने के लिए 21,805 पाउंड (लगभग 28 लाख रुपये) सालाना दिए जाएंगे।

स्कॉलर्स कम्युनिटी की सदस्यताः स्टूडेंट को 'स्कोस स्कॉलर कम्युनिटी' का हिस्सा बनने का मौका मिलता है, जिससे दुनिया भर के दिग्गज सोशल इनोवेटर्स और लीडर्स के साथ नेटवर्किंग करने और सीखने का अवसर मिलता है।

स्कॉलरशिप लिंकः यूके स्कॉल एमबीए स्कॉलरशिप

ऑक्सफर्ड स्कॉलरशिप के लिए कौन अप्लाई कर सकता है?

स्टूडेंट का अकेडमिक बैकग्राउंड अच्छा होना चाहिए। उसके पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मिली बैचलर्स डिग्री होनी चाहिए।

स्टूडेंट का सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड होना चाहिए। खुद का सोशल वेंचर होने पर प्राथमिकता मिल सकती है।

स्कॉलरशिप आवेदन के समय साबित करना होगा कि एमबीए की भारी-भरकम फीस भरना मुमकिन नहीं है।

स्टूडेंट के पास एक सोशल आंत्रप्रेन्योर होने की क्वालिटी होनी चाहिए।

उसके काम से समाज पर एक सकारात्मक और स्थायी प्रभाव दिखना चाहिए।

ऑक्सफोर्ड एमबीए के लिए निर्धारित अंग्रेजी भाषा जरूरतों (जैसे IELTS/TOEFL) को पूरा करना अनिवार्य है।

स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कैसे करें?

ऑक्सफर्ड में पढ़ने के लिए मिल रही इस स्कॉलरशिप के लिए ऑनलाइन अप्लाई करना होगा। सबसे पहले आपको ऑक्सफोर्ड सैड बिजनेस स्कूल के एमबीए प्रोग्राम के लिए सीधे अप्लाई करना होगा और एक पूरा एमबीए एप्लीकेशन सबमिट करना होगा। एप्लिकेशन फॉर्म के फंडिंग सेक्शन में आपको 'स्कोल स्कॉलरशिप निबंध' मिलेगा, जिसे पूरा करके सबमिट करना जरूरी है। एमबीए एप्लिकेशन और स्कॉलरशिप निबंध दोनों को 8 जनवरी 2027 से पहले पूरा करना होगा। शॉर्टलिस्ट किए जाने पर उम्मीदवारों को इंटरव्यू सहित चयन प्रक्रिया के अगले चरणों के लिए बुलाया जाएगा।

इंडियन ऑयल में 1,450 अप्रेंटिस पदों पर बंपर वैकेंसी, 12 अगस्त तक करें आवेदन

युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका सामने आया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने कुल 1,450 अप्रेंटिस पदों बंपर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इंडियन ऑयल की ओर से जारी 1,450 रिक्तियों में ट्रेड अप्रेंटिस - अटेंडेंट ऑपरेटर (केमिकल प्लांट) डिसिप्लिन - केमिकल के 274, ट्रेड अप्रेंटिस (फिटर) डिसिप्लिन - मैकेनिकल के 314, टेक्नीशियन अप्रेंटिस डिसिप्लिन - केमिकल के 327, टेक्नीशियन अप्रेंटिस डिसिप्लिन - मैकेनिकल के 83, टेक्नीशियन अप्रेंटिस डिसिप्लिन - इलेक्ट्रिकल के 277, टेक्नीशियन अप्रेंटिस डिसिप्लिन - इंस्ट्रूमेंटेशन के 70, ट्रेड अप्रेंटिस - सेक्रेटेरियल असिस्टेंट (लोकेशन - पानीपत) के 21, ट्रेड अप्रेंटिस - सेक्रेटेरियल असिस्टेंट (लोकेशन - नई दिल्ली) के 9, ट्रेड अप्रेंटिस - अकाउंटेंट के 2, ट्रेड अप्रेंटिस - डेटा एंट्री ऑपरेटर (फ्रेशर अप्रेंटिस) के 55 और ट्रेड अप्रेंटिस - डेटा एंट्री ऑपरेटर (स्किल सर्टिफिकेट होल्डर्स) के 18 पद शामिल हैं। इन सभी पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 14 जुलाई से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त तय की गई है। ऐसे में जो पात्र और इच्छुक उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आईओसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। हालांकि, आवेदन करने से पहले उम्मीदवारों का एनएटीएस/एनएपीएस पोर्टल पर रजिस्टर होना भी अनिवार्य है।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान/विश्वविद्यालय से संबंधित ट्रेड/विषय के अनुसार 3 वर्षीय बीएससी (गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान या औद्योगिक रसायन विज्ञान), कम से कम 2 वर्ष की अवधि वाले फिटर ट्रेड में आईटीआई के साथ मैट्रिक (10वीं) पास, केमिकल इंजीनियरिंग/पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग/केमिकल टेक्नोलॉजी/रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग/मैकेनिकल इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग/इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोल इंजीनियरिंग/एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्ष का डिप्लोमा, 3 वर्ष का बीए/बीएससी/बीकॉम, 12वीं पास, 12वीं पास और 'डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर' में स्किल सर्टिफिकेट होना चाहिए।

आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 24 वर्ष तय की गई है, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की सूची 20 अगस्त को जारी की जाएगी। वहीं, दस्तावेज सत्यापन 27 अगस्त से 3 सितंबर के बीच आयोजित होने की संभावना है।

रिपोर्ट में दावा : उम्मीद से बेहतर रह सकती है पहली तिमाही की जीडीपी ग्रोथ

भारत की अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। बेहतर होते व्यापक आर्थिक हालात के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7 प्रतिशत रह सकती है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी पिछली तीन मौद्रिक नीति समीक्षाओं में पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति को देखते हुए वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा, अब हमारा मानना है कि परिस्थितियां बदल चुकी हैं और पहली तिमाही की वृद्धि दर अनुमान से कहीं बेहतर रह सकती है। दूसरी ओर, अप्रैल 2026 तक आयातित महंगाई नियंत्रित रही, क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों के माध्यम से भारतीय उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। रिपोर्ट में कहा गया, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई की दिशा अगले दो तिमाहियों में 5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। हालांकि, पहली तिमाही में महंगाई दर 3.9 प्रतिशत रही। पूरे वित्त वर्ष 27 के लिए महंगाई का अनुमान फिलहाल 5 प्रतिशत है, जो आरबीआई के निर्धारित लक्ष्य दायरे के भीतर है। जून में धीमी शुरुआत और 40 प्रतिशत वर्षा की कमी के बावजूद जुलाई में हुई अच्छी बारिश से देशभर में कुल वर्षा की कमी घटकर लगभग 13 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे कुछ खाद्यान्न उत्पादक राज्यों को छोड़कर जुलाई में लगभग सभी राज्यों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। जुलाई खरीफ बुवाई का सबसे महत्वपूर्ण महीना माना जाता है। रिपोर्ट में कहा गया, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दूसरे चरण (अगस्त-सितंबर) के दौरान देश में सामान्य से कम (दीर्घकालिक औसत का 94 प्रतिशत से कम) वर्षा होने का अनुमान जताया है। इसके अतिरिक्त, जून के मध्य से अल नीनो प्रभाव शुरू हो चुका है और यह लगातार मजबूत हो रहा है। आने वाले महीनों में इसके और तीव्र होने की संभावना है। अल नीनो की मौजूदा स्थिति और इसके सामान्य जीवनचक्र को देखते हुए इसके 2027 की शरद ऋतु तक बने रहने की आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल देश के प्रमुख जलाशयों में पर्याप्त जल भंडारण उपलब्ध है। यह सामान्य स्तर के बराबर है, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम है। मानसून आगे बढ़ने के साथ इसमें और सुधार होने की संभावना है।

तेल महंगा, फिर भी रुपया मजबूत: आखिर कैसे रिजर्व बैंक और पूंजी प्रवाह ने संभाली कमान? नहीं बिगड़ने दिए हालात

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते जुलाई के दौरान वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेज बढ़ोतरी हुई। इसके बावजूद भारतीय रुपया केवल 0.8 प्रतिशत ही कमजोर हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, विदेशी पूंजी का मजबूत प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक के सक्रिय हस्तक्षेप ने रुपये को बड़ी गिरावट से बचाए रखा।

विदेशी निवेश और आरबीआई के कदमों ने कैसे दी मजबूती?

रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का प्रवाह 22 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ी भूमिका इक्विटी निवेश की रही, जबकि डेट मार्केट में भी निवेश बढ़ा। इसके अलावा आरबीआई के विशेष उपायों के जरिए 40.8 अरब अमेरिकी डॉलर का पूंजी प्रवाह आकर्षित हुआ। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि केंद्रीय बैंक ने रुपये को स्थिर बनाए रखने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में सक्रिय हस्तक्षेप किया।

डॉलर इंडेक्स में गिरावट से रुपये को कितना फायदा मिला?

बैंक ऑफ बड़ौदा के अनुसार, जुलाई के दौरान अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में 1.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे रुपये को अतिरिक्त सहारा मिला। हालांकि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का दबाव बना रहा, लेकिन मजबूत पूंजी प्रवाह के कारण इसका असर काफी हद तक सीमित रहा। जुलाई में एफपीआई के जरिए 4.2 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आया, जिसमें सबसे अधिक योगदान इक्विटी निवेश का रहा। वहीं, डेट सेगमेंट में भी निवेश में सुधार दर्ज किया गया।

क्या भारत की बाहरी आर्थिक स्थिति अभी भी मजबूत बनी हुई है?

रिपोर्ट के अनुसार, व्यापार घाटा बढ़ने के बावजूद भारत की बाहरी आर्थिक स्थिति फिलहाल मजबूत बनी हुई है। इसका प्रमुख कारण प्रवासी भारतीयों से मिलने वाला मजबूत प्रेषण (रेमिटेंस), सेवा क्षेत्र से बढ़ता अधिशेष और विदेशी मुद्रा भंडार का मजबूत स्तर है। 24 जुलाई तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682.4 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो लगभग 10 महीने के आयात के लिए पर्याप्त माना जाता है।

आने वाले समय में रुपये की चाल कैसी रह सकती है?

बैंक ऑफ बड़ौदा का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती हैं, जिससे विदेशी मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। हालांकि, लगातार विदेशी पूंजी प्रवाह और आरबीआई की नीतिगत पहल रुपये को अधिक कमजोर होने से बचाने में अहम भूमिका निभाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, निकट भविष्य में भारतीय रुपया 95.25 से 95.75 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकता है।

जहां थे, वहीं आ गए मस्क, अब पहले से भी हो गए गरीब

बने थे दुनिया के पहले खरबपति

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की संपत्ति में बड़ी गिरावट आई है. कुछ ही समय पहले दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बनने वाले मस्क की नेटवर्थ अब स्पेसएक्स के आईपीओ से पहले जितनी थी, उसी के करीब पहुंच गई है. इसकी सबसे बड़ी वजह स्पेसएक्स के शेयरों में आई तेज गिरावट मानी जा रही है. स्पेसएक्स के शेयर जून में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे थे, लेकिन उसके बाद इनमें तेज बिकवाली देखने को मिली है. शेयरों में आई इस गिरावट का सीधा असर मस्क की कुल संपत्ति पर पड़ा, क्योंकि उनकी दौलत का बड़ा हिस्सा स्पेसएक्स और टेस्ला में हिस्सेदारी से जुड़ा है.

कितनी घट गई दौलत?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेसएक्स के आईपीओ के बाद एलन मस्क की नेटवर्थ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी. लेकिन हालिया गिरावट के बाद उनकी संपत्ति में सैकड़ों अरब डॉलर की कमी आई है और यह फिर से आईपीओ से पहले के स्तर के आसपास आ गई है. हालांकि, इतनी गिरावट के बावजूद मस्क अब भी दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल हैं.

क्यों आई इतनी बड़ी गिरावट?

स्पेसएक्स के शेयरों में लगातार गिरावट की कई वजहें हैं. आईपीओ के बाद कंपनी का वैल्यूएशन काफी ऊंचा माना जा रहा था, जिसके चलते निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी. इसके अलावा कंपनी के भविष्य के खर्च, एआई निवेश और स्टारशिप कार्यक्रम से जुड़े जोखिमों को लेकर भी बाजार में चिंता बनी हुई है.

टेस्ला का भी पड़ा असर?

एलन मस्क की संपत्ति सिर्फ स्पेसएक्स पर निर्भर नहीं है. टेस्ला के शेयरों में कमजोरी ने भी उनकी नेटवर्थ पर असर डाला है. दोनों कंपनियों के शेयरों में गिरावट आने से उनकी संपत्ति में एक साथ बड़ी कमी दर्ज की गई.

क्या अब भी दुनिया के सबसे अमीर हैं मस्क?

नेटवर्थ में बड़ी गिरावट के बावजूद एलन मस्क अब भी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में गिने जाते हैं. हालांकि, ट्रिलियन डॉलर क्लब में पहुंचने के बाद इतनी तेजी से उनकी संपत्ति का घटना बाजार में चर्चा का विषय बना हुआ है.

सिगरेट पर भारी-भरकम टैक्स से कंपनियों पर बढ़ा दबाव, मुनाफे में जबरदस्त गिरावट

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार द्वारा सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर टैक्स में की गई भारी बढ़ोतरी का असर अब देश की प्रमुख सिगरेट कंपनियों के प्रदर्शन पर साफ दिखाई देने लगा है। नया टैक्स सिस्टम लागू होने के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में आईटीसी, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शुद्ध राजस्व, बिक्री मात्रा और मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है।

इन तीनों कंपनियों की देश के सिगरेट बाजार में 90 प्रतिशत से ज्यादा की हिस्सेदारी है। बाजार के अलग-अलग अनुमानों के अनुसार, भारत में सिगरेट की सालाना खपत करीब 100-120 अरब स्टिक के आसपास है। सरकार ने इस साल फरवरी में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया था। इसके साथ ही पुराने मुआवजा उपकर की जगह सिगरेट की लंबाई के आधार पर नया एडिशनल एक्साइज ड्यूटी सिस्टम लागू किया गया, जो प्रति 1,000 सिगरेट पर 2,100 रुपये

से 8,500 रुपये तक है। हालांकि, टैक्स में बढ़ोतरी के बाद कंपनियों की बिक्री से प्राप्त कुल आय में बढ़ोतरी दिखाई दी, लेकिन वास्तविक या शुद्ध राजस्व पर इसका नकारात्मक असर पड़ा। कंपनियों को बढ़े हुए टैक्स का बोझ कीमतों में समायोजित करने, बिक्री मात्रा बनाए रखने और प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में बदलाव करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। देश की टॉप सिगरेट कंपनी आईटीसी ने जून तिमाही में अपने सिगरेट कारोबार से ऑपरेशनल रेवेन्यू में 73.71 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। ये बढ़कर 16,596.67 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में ये 9,553.86 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि टैक्स में भारी बढ़ोतरी की वजह से सिगरेट की कीमतों में किए गए बदलाव की वजह से ऑपरेशनल रेवेन्यू में वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, उत्पादों की बिक्री से मिलने वाला वास्तविक राजस्व 31.45 प्रतिशत घटकर 3,769.11 करोड़ रुपये रह गया। पिछले साल इसी तिमाही में ये 5,498.93 करोड़ रुपये था। आईटीसी ने कहा कि उसकी सिगरेट यूनिट ने सभी हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक और संतुलित कदम उठाए हैं। कंपनी के प्रमुख ब्रांड में इंडिया किंग्स, इंसिग्निया, क्लासिक, गोल्ड फ्लेक, विल्स नेवी कट, कैप्सटन और प्लेयर्स शामिल हैं।

गॉडफ्रे फिलिप्स के मुनाफे में 44 प्रतिशत से भी ज्यादा की गिरावट

इस दौरान गॉडफ्रे फिलिप्स का एकीकृत शुद्ध लाभ 44.3 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 198.39 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू करीब दोगुना होकर 3,819.56 करोड़ रुपये रहा, लेकिन इसमें 2,614 करोड़ रुपये की एक्साइज ड्यूटी शामिल थी। एक्साइज ड्यूटी को हटाने के बाद कंपनी का शुद्ध राजस्व 18.8 प्रतिशत घटकर 1,206 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में ये 1,486 करोड़ रुपये था। कंपनी कैवेंडर्स, फोर स्क्वायर, रेड एंड व्हाइट, स्टेलर, नॉर्थ पोल और टिपर जैसे ब्रांड के अलावा फिलिप मॉरिस के लबोरो ब्रांड की भी बिक्री करती है।

वीएसटी इंडस्ट्रीज का प्रॉफिट 24 प्रतिशत गिरा

वीएसटी इंडस्ट्रीज पर भी नए टैक्स सिस्टम का असर पड़ा। कंपनी का जून तिमाही में राजस्व लगभग दोगुना होकर 881.49 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल ये 424.93 करोड़ रुपये था। हालांकि, कंपनी का शुद्ध लाभ 24.42 प्रतिशत घटकर 42.42 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल की पहली तिमाही में 56.13 करोड़ रुपये था। इतना ही नहीं, वीएसटी इंडस्ट्रीज की बिक्री भी 14 प्रतिशत घट गई। वीएसटी इंडस्ट्रीज के पास टोटल, एडिशंस और चार्म्स जैसे ब्रांड हैं।

काला सागर से शिपमेंट में देरी, तेल आयात के विकल्प की तलाश

सूरजमुखी तेल के दाम में आ सकती है मजबूती

इंदौर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। रूस का सूरजमुखी तेल निर्यात जुलाई में घटकर 1.80 लाख टन रहने का अनुमान है, जो जून की तुलना में 53.9 प्रतिशत कम है और पिछले वर्ष की समान अवधि से 14.3 प्रतिशत कम है। आज अगस्त में निर्यात और घटकर 1.50 लाख टन रह सकता है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम होगा। इस गिरावट का मुख्य कारण ब्लैक सी और अजोव सागर क्षेत्र में शिपिंग मार्गों एवं बंदरगाहों पर हुए हमलों के कारण उत्पन्न लाजिस्टिक बाधाएँ हैं।

जब तक व्यवस्था सामान्य नहीं होती, तब तक रूस से सभी वनस्पति तेलों का निर्यात दबाव में रह सकता है। इधर, ब्लैक सी क्षेत्र से आपूर्ति बाधित होने के कारण भारत अब खाद्य तेलों के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहा है। रूस और यूक्रेन से आने वाले शिपमेंट में लगभग 60 दिनों तक की देरी की खबर हैं। भारतीय खरीदार दक्षिण अमेरिका से सोयाबीन तेल की खरीद बढ़ा रहे हैं, साथ ही पाम तेल और रेपसीड तेल का आयात भी बढ़ा रहे हैं। भारत में

जुलाई के दौरान सूरजमुखी तेल की कीमतें लगभग 6 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं।त्योहारों के दौरान तेजी जारी रहने के आसार है। जुलाई में पाम तेल आयात लगभग 40 प्रतिशत बढ़कर 7 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि सोयाबीन तेल आयात 5 लाख टन तक पहुंच सकता है। सूत्रों के अनुसार विदेशी बाजार की कमजोरी से पाम और सोया तेल पर दबाव बना हुआ है, जबकि सरसों तेल अपेक्षाकृत मजबूत है। मजबूत मलेशियाई निर्यात गिरावट को सीमित कर सकता है, लेकिन निकट अवधि में केएलसी और सीबीओटी में सुधार आए बिना खाद्य तेलों में बड़ी तेजी की संभावना फिलहाल सीमित दिखाई देती है। इंदौर खाद्य तेल बाजार में सीमित पूछताछ के चलते कीमतों में स्थिरता रही। सोयाबीन की आवक कम होने से भाव मजबूत बोले गए। इंदौर छावनी मंडी में सरसों निमाड़ी (बारीक) 8100-8300, रायडा 7100-7200, सोयाबीन 7000, टोली 5300-5400 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे। लूज तेल (टैक्स अतिरिक्त)- मुंगफली तेल इंदौर 1730-1740, मुंबई मूंगफली तेल 1740, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1455-1460, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1400-1405, इंदौर पाम तेल 1525, मुंबई सोया रिफाइंड 1485, मुंबई पाम तेल 1485, राजकोट तेलिया 2700, गुजरात लूज 1675, कपास्या तेल इंदौर 1600 रुपये प्रति दस किलो। प्लांट सोयाबीन भाव- प्रेस्टीज 7300, केपी निवाड़ी 7300, धानुका 7275, अवी 7275, स्नेहिल नीमच 7275, नीमच प्रोटीन 7275, धीरेंद्र सोया 7275, लिविंग फूड्स 7251, मित्तल 7251, आइडिया लक्ष्मी देवास 7250, एबीआइएस बदनावर 7250, बंसल 7250, प्रकाश 7250, सालासर हरदा 7250, पतंजलि 7200, खंडवा 7150, दिव्य ज्योति 7100, केएन इटारसी 7375, बैतुल 7350, एमएस साल्वेक्स नीमच 7150, रामा 7100 रुपये प्रति क्विंटल।

जुलाई में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में उछाल

एलपीजी की डिमांड में गिरावट, जान लीजिए कारण

नई दिल्लीः सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों की पेट्रोल और डीजल की बिक्री में जुलाई के दौरान जोरदार उछाल आया।

उद्योग के प्रारंभिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। कमजोर मॉनसून के कारण किसानों और वाहन चालकों की ओर से ईंधन की मांग बढ़ने से ऐसा हुआ। हालांकि इस दौरान एलपीजी की बिक्री में गिरावट देखने को मिली इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की पेट्रोल बिक्री जुलाई में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 34.5 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 31.4 लाख टन थी। यह मात्रा जुलाई, 2024 में बेचे गए 29.9 लाख टन से 15.1 प्रतिशत अधिक और 2023 की समान अवधि में दर्ज स्तर से 36.1 प्रतिशत अधिक रही। हालांकि, जून की तुलना में पेट्रोल की बिक्री 34.8 लाख टन से 1.1 प्रतिशत घट गई।

डीजल की बिक्री

भारत में आर्थिक गतिविधियों के एक प्रमुख संकेतक डीजल की बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत बढ़कर 71.2 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले 64.3 लाख टन थी। डीजल भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला ईंधन है, जो माल ढुलाई, कृषि मशीनरी और सिंचाई को ऊर्जा प्रदान करता है। सामान्य से कम मॉनसूनी बारिश ने मुख्य बुवाई के मौसम के दौरान सिंचाई की मांग को बढ़ा दिया। विमान ईंधन (एटीएफ) की बिक्री जुलाई के दौरान 2.9 प्रतिशत बढ़कर 6,59,900 टन हो गई। यह मात्रा जुलाई, 2024 के 6,41,300 टन की खपत से 2.3% अधिक और जुलाई, 2023 के 5,66,600 टन से 16.5% अधिक थी। इस दौरान एलपीजी की बिक्री में गिरावट जारी रही, जो 17.4% घटकर 23.7 लाख टन रह गई। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि इसका मुख्य कारण यह था कि पश्चिम एशिया संकट के बाद से कुछ मांग पीएनजी में स्थानांतरित हो गई है।

इंडोनेशिया में एक नाव में लगी आग, कई जहाज मदद में जुटे

नई दिल्ली, 2 अगस्त (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास रविवार को एक नाव (फेरी) में आग लग गई है। आग इतनी भयानक है कि इसमें कम से कम पांच लोगों की जान जा चुकी है और अभी भी 41 लोग लापता हैं। हालांकि सूचना मिलते ही बचाव टीम एक्टिव हो गई है और जिंदगी की तलाश में जुट गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह नाव रोजाना यात्रियों को लेकर आती-जाती थी। सोशल मीडिया पर आए कई वीडियो में भी यात्रियों को जलती हुई नाव के अगले हिस्से की ओर भागते हुए देखा गया।

इंडोनेशिया की नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के अनुसार, यह नाव पूर्वी जावा के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर जा रही थी और उसमें 271 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। रविवार दोपहर तक 225 लोगों को बचा लिया गया था, जबकि खोज और बचाव अभियान अभी भी जारी था। अधिकारियों ने बताया कि आग रविवार सुबह लगी, हालांकि आग लगने की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। मदुरा द्वीप जावा के उत्तर-पूर्वी तट के पास स्थित है। सूचना मिलते ही बचाव दल घटना स्थल पर पहुँचे, साथ ही आस-पास के कई अन्य जहाज भी बचाव कार्य में जुट गए। इस दौरान कुछ यात्री जलती हुई नाव से बचने के लिए समुद्र में कूद गए। जकार्ता ग्लोब की रिपोर्ट के अनुसार, केएमपी मुतियारा सेंटोसा 2 के कैप्टन ने जहाज से संपर्क टूटने से पहले अधिकारियों को आग लगने की सूचना दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सुराबाया सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख नानांग सिगिट ने कहा, "टीबी हसनूर 26 और ब्रिटिश मेंटर उन यात्रियों को निकालने में मदद कर रहे हैं जो केएमपी मुतियारा सेंटोसा-2 से कूदे थे। अब चार जहाज नाव के पास मौजूद हैं।" नानांग सिगिट ने यह भी बताया कि बचाव कार्य में लगा जहाज एसएआर 249 परमाडी रास्ते में है, लेकिन उसे घटना स्थल तक पहुँचने में लगभग 6 घंटे लगेंगे। जकार्ता ग्लोब की रिपोर्ट के मुताबिक, जब आग लगी, तो नाव सबसे नजदीकी जमीन, बुरुआन सापुडी द्वीप से लगभग 19 नॉटिकल मील दूर थी। बचाव दल के पहुँचने तक नाव का अधिकतर हिस्सा आग की लपटों में घिर चुका था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	कर्क	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	वृषभ	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
कर्क---	04-46	बजे
सिंह---	07-02	बजे
कन्या--	09-08	बजे
तुला----	11-14	बजे
वृश्चिक--	13-24	बजे
धनु----	15-38	बजे
मकर--	17-44	बजे
कुंभ---	19-34	बजे
मीन---	21-12	बजे
मेष----	22-48	बजे
वृष-----	00-34	बजे
मिथुन--	02-34	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष. - 426873

सूर्योदय 05-56 सूर्यास्त. 18-48

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

मास - श्रावण कृष्ण पक्ष सोमवार 03 August 2026

तिथि - पंचमी 22-54 तक उपरान्त षष्ठी

नक्षत्र - उ.भाद्रपद 22-00 तक उप रेवती

योग - सुकर्मा 21-13 रात्रि तक उप धृति

करण - कौलव 11-08 तक उप तैतिल

नागपंचमी मरुस्थली

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-33 से 09-10 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
अमृत	05-56 - 07-33	शुभ
काल	07-33 - 09-10	अशुभ
शुभ	09-10 - 10-46	शुभ
रोग	10-46 - 12-22	अशुभ
उत्पात	12-22 - 13-59	अशुभ
चंचल	13-59 - 15-35	शुभ
लाभ	15-35 - 17-11	शुभ
अमृत	17-11 - 18-48	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	18-48 - 20-11	शुभ
रोग	20-11 - 21-35	अशुभ
काल	21-35 - 22-59	अशुभ
लाभ	22-59 - 00-22	शुभ
उत्पात	00-22 - 01-46	अशुभ
शुभ	01-46 - 03-10	शुभ
अमृत	03-10 - 04-34	शुभ
चंचल	04-34 - 05-56	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूंढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है ।अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंततः दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है ।आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

'पहले खरीदते थे, अब दूसरे राज्यों को दे रहे बिजली'

421 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात : सीएम भजनलाल

उदयपुर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को उदयपुर जिले को 421 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। नगर निगम के सुखाड़िया रंगमंच सभागार में सीएम भजनलाल शर्मा ने 21 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। साथ ही 435 नए विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि बिजली उत्पादन के लिए कई परियोजना विकसित की गई है और बिजली उत्पादन में प्रदेश आत्मनिर्भर बन रहा है। पहले हम बिजली खरीदते थे। लेकिन, अब दूसरे राज्यों को बिजली दे रहे है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का विकास एक निर्धारित रोडमैप के आधार पर कर रहे है। देश में सर्वाधिक जल परियोजना राजस्थान में संचालित हो रही है। हाल ही में 35 हजार करोड़ की यमुना जल परियोजना का शिलान्यास किया गया है। राम जल सेतु लिंक परियोजना का भी काम तेज से चल रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के हितों के लिए सरकार लगातार काम रही है। सरकार ने 4 लाख से ज्यादा युवाओं को नियुक्तियां देने का लक्ष्य रखा है और अब तक 178000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके है। पिछली गहलोत सरकार पर तंज कसते हुए सीएम भजनलाल ने कहा कि पहले हर परीक्षा का पेपर लीक होता था। लेकिन, इस सरकार में कोई पेपर लीक नहीं हुआ है।

उदयपुर दौरे के दौरान सीएम भजनलाल शर्मा नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उदयपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम ने युवा साथियों को नशामुक्त जीवन अपनाने, अपने परिवार एवं समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा विकसित राजस्थान, विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई। साथ ही, 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' यूथ आइकन पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ नशामुक्त समाज के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनजागरूकता, शिक्षा, परामर्श, पुनर्वास एवं जनभागीदारी आधारित अभियानों को निरंतर गति प्रदान कर रही है। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री हेमन्त मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला सुरक्षा संकल्प आयोजन के तहत उदयपुर के राजस्थान कृषि महाविद्यालय परिसर से नारी शक्ति रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली आरसीए परिसर से शुरू होकर सूरजपोल, बापू बाजार और देहली गेट होते हुए टाउन हॉल पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, महिला कांस्टेबल, अश्वारोही पुलिस बल, महिला सशक्तीकरण से जुड़ी विभिन्न झांकियां, महिला खिलाड़ी, गाइड तथा एनएसएस की स्वयंसेविकाओं सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, सांसद डॉ मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा भी मौजूद रहे।

धारीवाल बोले– राजस्थान में गहलोत ही हाईकमान, अपने बयान पर कायम

जयपुर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में भले ही एकजुटता के लाख दावे किए जाते हों, लेकिन पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं है. हाल ही में आदिवासी अंचल के कार्यकर्ताओं की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आवास पर कथित जॉइनिंग के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अशोक गहलोत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था.

डोटासरा ने गहलोत का नाम लिए बगैर उन पर कई तंज कसे थे, साथ ही यह भी कहा था कि वो अपनी आखिरी सांस तक किसी व्यक्ति का नारा नहीं लगाएंगे, बल्कि कांग्रेस का ही नारा लगाएंगे. साथ ही डोटासरा ने पूर्व मंत्री और हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए महेंद्रजीत सिंह मालवीय को भी निशाने पर लिया था.

इस मामले के बाद अब राजस्थान कांग्रेस की सियासत एक बार फिर तेज हो गई है. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जहां इस मामले में सफाई देते हुए एकजुटता के दावे किए थे, तो वहीं अब अशोक गहलोत के ही करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल का बयान भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है.

शांति धारीवाल ने शुक्रवार को कोटा में एक रैली के बाद मीडिया से बातचीत मे एक बार फिर अशोक गहलोत को हाईकमान बताकर पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को ही चुनौती दे डाली. धारीवाल का यह बयान कांग्रेस के सियासी हलकों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है.

धारीवाल ने शुक्रवार को कोटा में कहा था कि राजस्थान में तो अशोक गहलोत थी हाईकमान हैं. मैं आज भी अपने इस बयान पर कायम हूं. दिल्ली का आलाकमान अलग है. वो सबसे बड़ा आलाकमान है, लेकिन राजस्थान कांग्रेस का आलाकमान तो अशोक गहलोत हैं. क्या कारण है कि कोई भी कार्यकर्ता जयपुर में पैर रखता है तो उसका दूसरा पैर अशोक गहलोत के बंगले पर ही जाता है. अशोक गहलोत के बंगले पर लोग क्यों जाते हैं, चाहे वो ट्रेन से आए, बस से आए या फिर कार से आए. उतरते ही सबसे पहले अशोक गहलोत के आवास पर जाता है, इसके क्या कारण हैं.

26 सितंबर 2022 को भी दिया था यही बयान : शांति धारीवाल ने 26 सितंबर 2022 को भी मंत्री रहते हुए अस्पताल रोड स्थित अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए अशोक गहलोत को हाईकमान बताया था. उससे एक दिन पहले पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से भेजे गए केंद्रीय पर्यवेक्षक अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे को अशोक गहलोत के आवास से बैरंग लौटना पड़ा था. जब गहलोत गुट के 100 से ज्यादा विधाय बैठक में शामिल नहीं हुए थे और विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी को जाकर अपने इस्तीफे सौंप दिए थे, तब केंद्रीय पर्यवेक्षक मुख्यमंत्री के नाम को लेकर रायशुमारी करने आए थे. उसके अगले ही दिन धारीवाल ने मीडिया में अशोक गहलोत को हाईकमान बताया था.

हालांकि, इस बयान के बाद पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से धारीवाल को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया था. साथ ही दिल्ली तलब किया गया था. धारीवाल के साथ ही तत्कालीन मंत्री महेश जोशी और कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ को भी नोटिस जारी किए गए थे.

धारीवाल के बयान ने नई बहस से छेड़ी : वहीं, शांति धारीवाल के इस बयान ने पार्टी में नई बहस छेड़ दी है. पार्टी में गुटबाजी को लेकर कार्यकर्ताओं में भी मायूसी छा रही है.

कांग्रेस ने जेल में बंद कार्यकर्ता को बनाया उपाध्यक्ष

'दागी' नेता को सौंपी महासचिव की कमान

बलविंदर सिंह और देवा भड़क

कोटा, 2 अगस्त (एजेंसियां)। नगर निगम चुनाव से पहले शहर कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का एलान कर दिया गया है। नई टीम में जिलाध्यक्ष राखी गौतम समेत 32 कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। पहले सवा सौ से अधिक कार्यकर्ताओं की जंबो कार्यकारिणी थी। प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अनुमोदन के बाद नई कार्यकारिणी की घोषणा की।

कार्यकारिणी में निगम चुनाव के मद्देनजर सोशल इंजीनियरिंग का ध्यान रखा गया है। पार्टी के दिग्गज नेता अपने-अपने खेमे से जुड़े कार्यकर्ताओं को शामिल करवाने में सफल रहे। नई कार्यकारिणी में दो कार्यकर्ताओं के खिलाफ संगीन धाराओं में मामले दर्ज होने के बावजूद उन्हें पदाधिकारी बनाया गया है। इसकी राजनीतिक हलकों में खासी चर्चा हो रही है।

नई कार्यकारिणी में देवा भड़क (गुर्जर) को उपाध्यक्ष बनाया गया है। देवा फिलहाल राजकार्य में बाधा पहुंचाने और वन विभाग की टीम पर हमला करने के आरोप में जेल में बंद है। भड़क पहले भामाशाह कृषि उपज मंडी समिति का उपाध्यक्ष था। भड़क देहात की कार्यकारिणी में भी पदाधिकारी रह चुका है। पूर्व पार्षद बलविदंर सिंह बिल्लू को महासचिव बनाया गया है। बिल्लू मौजूदा कार्यकारिणी में भी उपाध्यक्ष था। बिल्लू के खिलाफ भी संगीन धाराओं में आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

नई टीम में युवाओं के साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को भी मौका दिया है। इसमें 40 की आयु के 6 कार्यकर्ताओं मौका मिला है, जबकि 40 से 50 तक के 12 कार्यकर्ता और 50 से ऊपर के 14 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। जिलाध्यक्ष राखी गौतम समेत तीन महिलाएं टीम में शामिल हैं।

शहर की नई टीम में पांच उपाध्यक्ष बनाए गए हैं, जिसमें श्याम गौतम, विकास जैन, सोनू (फरूयुद्दीन कुरैशी), देवा गुर्जर भड़क, राकेश शर्मा (राकू) शामिल हैं। सोनू कुरैशी उप महापौर रह चुके हैं।

स्वतंत्रता दिवस से पहले राजस्थान में बॉर्डर पार से आई नशे की बड़ी खेप

11 अत्याधुनिक विदेशी हथियार भी जब्त

बीकानेर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले सीमा पार से ड्रोन के जरिए भेजी गई नशे और हथियारों की बड़ी खेप को बीकानेर पुलिस ने पकड़कर बड़ी सफलता हासिल की है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में पुलिस ने 10 किलो हेरोइन तथा 11 अलग-अलग विदेशी हथियार बरामद किए हैं। जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपए बताई जा रही है।

पुलिस ने मामले में आरोपी वीरेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पूरे गिरोह को भी नामजद किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि खेप सरहद पार से ड्रोन ड्रॉपिंग के जरिए भारतीय सीमा में पहुंचाई गई थी, जिसे आगे सप्लाई करने की तैयारी थी। इस बड़ी कार्रवाई में साइबर सेल के दीपक यादव और श्रीराम की भूमिका भी अहम रही। सिंडिकेट के तार पंजाब तक जुड़े है। बीकानेर पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ते हुए अन्य आरोपियों और अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह की तलाश में जुटी है।

आईजी ओमप्रकाश के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में चलाए गए ह्यूमन इंटेलिजेंस आधारित ऑपरेशन में पाकिस्तान सीमा से ड्रोन ड्रॉप की गई 999 मार्का अफगान हेरोइन की 10 किलो खेप बरामद की। साथ ही ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 11 अत्याधुनिक विदेशी हथियार भी जब्त किए हैं। इनमें दो तुर्की निर्मित, पांच स्टार मार्क 30 बोर पिस्टल, 22 मैगजीन और 100 जिंदा कारतूस शामिल हैं।

विकास कार्यों में लापरवाही पर सांसद सख्त!

अफसरों को सुनाई खरी-खरी, कहा- मिलावटी दूध पर लगे तुरंत रोक

झालावाड़, 2 अगस्त (एजेंसियां)। झालावाड़ जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक जिला परिषद सभागार में झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सांसद ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी परियोजनाएं तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी होनी चाहिए।

बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, अमृत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, विद्युत सहित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा की गई। सांसद ने पेयजल संकट वाले गांवों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने, जल अर्पण दिवस को सफल बनाने तथा परवन परियोजना की प्रगति तेज करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों को उन्नत तकनीक, फसल बीमा और उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं, स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में जिला अस्पताल और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों, दवाइयों और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जर्जर विद्यालय भवनों के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। सांसद ने रिक्त पदों को भरने, नामांकन बढ़ाने के प्रयास तेज करने और निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही एसएफसी मद की राशि के वितरण और उपयोग की जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक करने को कहा, ताकि योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 49,984 आवास स्वीकृत हुए हैं। सांसद ने शेष आवासों का निर्माण और भुगतान शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। राजीविका और पीएनबी आरसेटी योजनाओं की समीक्षा के दौरान स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को मधुमक्खी पालन सहित आयवर्धक गतिविधियों से जोड़ने तथा प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए गए।

एक क्लिक और 15.64 लाख साफ

पेंशन अपडेट के बहाने ठगों ने बुजुर्ग का बैंक खाता किया खाली

जोधपुर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। साइबर ठग अब लोगों की वर्षों की जमा-पूंजी पर सेंध लगाने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। जोधपुर शहर में एक बुजुर्ग व्यक्ति को पेंशन अपडेट कराने का झांसा देकर साइबर ठगों ने 15.64 लाख रुपए ठग लिए। जानकारी के मुताबिक पेंशन अपडेट कराने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक बुजुर्ग को व्हाट्सऐप पर लिंक भेजा। जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, मोबाइल स्क्रीन हैक हो गई और ठगों ने बैंक खाते तक पहुंच बना ली।

इसके बाद कुछ ही देर में बैंक खाते से 15 लाख 64 हजार रुपये अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए निकाल लिए गए। व्हाट्सऐप पर पेंशन अपडेट और फ्लाइट, बस व ट्रेन टिकट बुकिंग की सुविधा का झांसा देकर भी फर्जी लिंक भेजा गया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल, साइबर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। साथ ही लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करे, वरना नुकसान हो सकता है। जोधपुर शहर में रातानाडा थाना क्षेत्र के उम्मेद हेरिटेज निवासी श्रीपाल काला (71) ने साइबर थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि 26 जुलाई को उनके व्हाट्सऐप नंबर पर एक अज्ञात नंबर से संदेश आया। उसमें पेंशन संबंधी सुविधा और ऑनलाइन टिकट बुकिंग का लिंक भेजा गया था। भरोसा कर उन्होंने लिंक पर क्लिक कर दिया। इसके बाद मोबाइल की स्क्रीन काम नहीं करने लगी और कुछ ही देर में बैंक खाते से लगातार रकम कटने के संदेश आने लगे। पीड़ित ने बताया कि ठगों ने अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 15.64 लाख रुपए निकाल लिए। रकम कटने का पता चलते ही उन्होंने बैंक से संपर्क कर खाता फ्रीज कराया और साइबर थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

शिक्षक भर्ती पेपर लीक गिरोह पर एसओजी ने कसा शिकंजा

मोटी रकम लेने वाला मुख्य दलाल अरेस्ट; अब खुलेंगे कई राज

जयपुर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक कराने वाले गिरोह के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की कार्रवाई लगातार जारी है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 के प्रश्न-पत्र लीक मामले में एसओजी ने गिरोह के मुख्य दलाल को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का मानना है कि आरोपी से पूछताछ में पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुरेश कसनिया (30) देशवाल, कुचेरा नागौर का रहने वाला है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुरेश कसनिया अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अभ्यर्थियों को परीक्षा की निर्धारित तिथि और समय से पहले प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराने तथा उसे पढ़ाने का झांसा देता था। इसके बदले अभ्यर्थियों से भारी रकम वसूली जाती थी। एसओजी के अनुसार आरोपी पूरे गिरोह में दलाल और समन्वयकर्ता की भूमिका निभा रहा था तथा अभ्यर्थियों और पेपर लीक सिंडिकेट के बीच कड़ी बना हुआ था। एसओजी की जांच में इससे पहले इसी मामले में प्रदीप कसनिया और बृजेंद्र सांगवा उर्फ विज्जू को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब सुरेश कसनिया की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी पेपर लीक गिरोह की पूरी श्रृंखला, पैसे के लेन-देन और अन्य संलिप्त आरोपियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

इधर, प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की कार्रवाई जारी है। करीब 8 वर्ष से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी दिलखुश मीणा (30) निवासी राजगढ़ (अलवर) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी गिरोह में दलाल और मध्यस्थ की मुख्य भूमिका निभाता था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि 15 जुलाई 2018 को आयोजित एसएससी संयुक्त हायर सेकेंडरी लेवल-2017 द्वितीय चरण की परीक्षा में गिरोह ने मूल परीक्षार्थियों की जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर पेपर हल करवाए थे। इसके एवज में लाखों रुपए का अवैध लेन-देन हुआ था। आरोपी दिलखुश ने ही विशाल चौधरी के जरिये डमी परीक्षार्थी उपलब्ध कराने का संपर्क सूत्र बनाया था।

गर्भवती हत्याकांड में बड़ा फैसला : 24 घंटे बाद धरना समाप्त

21 लाख मुआवजा और फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा केस

सीकर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। सीकर के सरवड़ी गांव में गर्भवती प्रियंका कंवर की हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर चल रहा धरना प्रशासन और संघर्ष समिति के बीच सहमति बनने के बाद समाप्त हो गया। पीड़ित परिवार को 21 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई, विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया।

सीकर जिले के धोद थाना क्षेत्र के सरवड़ी गांव में गर्भवती प्रियंका कंवर पर घर में घुसकर किए गए जानलेवा हमले और चार दिन बाद इलाज के दौरान उनकी मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर चल रहा धरना शनिवार को करीब 24 घंटे बाद समाप्त हो गया। प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और संघर्ष समिति के बीच कई दौर की वार्ता के बाद आर्थिक सहायता, त्वरित जांच और आरोपी को जल्द सजा दिलाने सहित प्रमुख मांगों पर सहमति बनी।

गौरतलब है कि 27 जुलाई को सरवड़ी गांव में पड़ोसी युवक ने घर में घुसकर गर्भवती प्रियंका कंवर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। आरोपी ने उनके गले के साथ-साथ हाथ-पैरों पर भी वार किए थे। गंभीर रूप से घायल प्रियंका को जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण गर्भ में पल रहे छह माह के शिशु की पहले ही मौत हो गई थी, जबकि चार दिन तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद प्रियंका ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है।

प्रियंका की मौत के बाद ग्रामीणों और परिजनों का आक्रोश बढ़ गया और धोद थाने के बाहर धरना शुरू कर दिया गया। समझौते के तहत पीड़ित परिवार को जनसहयोग से 21 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने और विशेष लोक अभियोजक (स्पेशल पीपी) नियुक्त करने पर सहमति बनी। डीएसपी और एएसपी के नेतृत्व में निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कराने का भी भरोसा दिया गया। प्रशासन पात्रता के अनुसार परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएगा। परिवार की कानूनी लड़ाई में सीकर बार के वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र हुड्डा, मदनलाल कुमावत, हरीश शर्मा, हनुमान सिंह पालवास, निर्मल शर्मा, भंवर सिंह बालापोता, शिवरतन शर्मा, रामरतन बगड़िया और भगत सिंह चौधरी सहित अधिवक्ताओं की टीम निशुल्क पैरवी करेगी। वहीं, धोद की सरस्वती स्कूल के निदेशक शिवराज सिंह ने प्रियंका के तीन वर्षीय बेटे की पहली से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई और हॉस्टल का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की। जनसहयोग से जुटाई गई सहायता राशि को भी बच्चे के नाम एफडी कराने का प्रयास किया जाएगा।

खूनी खेल, आपसी रंजिश में युवक की चाकू से गोदकर हत्या, वारदात के बाद आरोपी फरार

जोधपुर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। ब्लू सिटी जोधपुर के सूरसागर थाना क्षेत्र स्थित महाराणा प्रताप कॉलोनी में चाकूबाजी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. आपसी रंजिश को लेकर हुए विवाद में एक युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. सूचना मिलते ही सूरसागर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा. पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है. मृतक की पहचान निखिल वाल्मीकि के रूप में हुई है.

बताया जा रहा है कि देर रात किसी बात को लेकर निखिल और कुछ युवकों के बीच विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने धारदार हथियार से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. गंभीर चोट लगने के कारण निखिल की मौके पर ही मौत हो गई. वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी मौके से फरार हो गए. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए. इसके बाद सूरसागर थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास से जरूरी साक्ष्य जुटाए. फोरेंसिक टीम ने भी मौके से सबूत एकत्र किए, ताकि जांच में मदद मिल सके.

नकली आर्मी वर्दी से ठगी की साजिश, 1000 मीटर कपड़ा बरामद

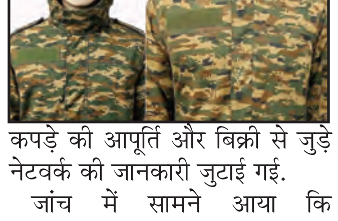

श्रीगंगानगर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारतीय सेना की खुफिया इकाई और राजस्थान पुलिस के संयुक्त अभियान में नकली लड़ाकू वर्दी तैयार करने और सप्लाई करने वाले नेटवर्क का पता चला है. कार्रवाई के दौरान करीब 1000 मीटर अनधिकृत सेना-पैटर्न का कपड़ा जब्त किया गया है. मामले की जांच अब सप्लाई चेन से जुड़े लोगों तक पहुंचने के लिए आगे बढ़ाई जा रही है.

खुफिया एजेंसियों को जून में बरेली में पकड़े गए नकली सैन्य वर्दी के मामले की जांच के दौरान श्रीगंगानगर से जुड़े अहम सुराग मिले थे. इन इनपुट के आधार पर स्थानीय स्तर पर कपड़े की आपूर्ति और बिक्री से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटाई गई.

जांच में सामने आया कि श्रीगंगानगर की एक स्थानीय फर्म कथित तौर पर शहर के अलावा लालगढ़ जट्टान, सूरतगढ़ और आसपास के बाजारों में सेना के पैटर्न वाला अनधिकृत कपड़ा सप्लाई कर रही थी. इस जानकारी के आधार पर मामले को गंभीरता से लेते हुए आगे की कार्रवाई की योजना बनाई गई.

खुफिया इकाई ने जून में सामने आए बरेली के नकली वर्दी मामले से मिले इनपुट को राजस्थान पुलिस के साथ साझा किया. इसके बाद जुलाई के मध्य में पुलिस को इस नेटवर्क से संबंधित रिपोर्ट सौंपी गई. रिपोर्ट मिलने के बाद जिले के अलग-अलग इलाकों में मौजूद दुकानों और संबंधित ठिकानों की जानकारी जुटाई गई.

इसके बाद राजस्थान पुलिस ने जिले भर में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने भारी मात्रा में नया-पैटर्न वाला सेना जैसा दिखने वाला कपड़ा बरामद किया. बरामद सामग्री की जांच की जा रही है और उसके स्रोत का पता लगाने की कोशिश जारी है.

दरगाह में मोबाइल चोरी करने वाले शातिर गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार; नौ लाख रुपये के फोन बरामद

अजमेर, 2 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर की दरगाह थाना पुलिस ने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर जेबकतरा गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 9 लाख रुपये कीमत के 25 महंगे एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह दरगाह परिसर और आसपास आने वाली भीड़ का फायदा उठाकर लोगों की जेब से मोबाइल चोरी करता था। दरगाह थाना प्रभारी दिनेश कुमार जीवनानी ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। दरगाह परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। साथ ही तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिरों से मिली सूचनाओं और होटल संचालकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर गिरोह तक पहुंचने में सफलता मिली। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अजीम शेख उर्फ कालिया, सद्दाम हुसैन उर्फ मक्खी, अजीम खान उर्फ गिटक, मोहम्मद गयासुद्दीन, शफीक शेख उर्फ बिरयानी और सैयद इशाक अली को गिरफ्तार किया है।

2029 के बाद देश में केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का ही पंजीकरण : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार 2029 के बाद देश में केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण करने की दिशा में काम कर रही है।

उन्होंने हैदराबाद के बेगमपेट स्थित आईएएस ऑफिसर्स क्लब में तेलंगाना आरटीसी के एमडी नागी रेड्डी के साथ मिलकर एक ईवी बस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक होंगे बल्कि 40 देशों से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता को भी कम करेंगे।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में 73 प्रतिशत बिजली कोयले से प्राप्त होती है, लेकिन भविष्य में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल के तहत, उन्होंने आंध्र प्रदेश में 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से भूमिगत कोयला गैसीकरण और सतही कोयला गैसीकरण परियोजनाओं की योजना की घोषणा की, साथ ही चीन पर निर्भरता कम करने के लिए महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में 3,600 करोड़ रुपये के निवेश की भी घोषणा की।

इस अवसर पर बोलते हुए तेलंगाना आरटीसी के एमडी नागी रेड्डी ने बताया कि आरटीसी वर्तमान में 1,050 इलेक्ट्रिक बसें चला रही है और 'पीएम-ईबस सेवा' (पीएम-ईड्राइव) योजना के तहत 2,200 और बसें खरीदने की तैयारी में है। उन्होंने कहा, "हम अंतर-शहरी परिचालन के लिए 500 बसों का उपयोग कर रहे हैं। अगले पांच वर्षों में डीजल और पेट्रोल वाहनों की संख्या में काफी कमी आएगी। आरटीसी अंतिम-मील कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए भी योजना बना रही है।

हाई कोर्ट से राहत

संगारेड्डी ने रेजिनथल में 566 एकड़ ज़मीन अधिग्रहण का नोटिफ़िकेशन वापस लिया

संगारेड्डी, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाई कोर्ट का फ़ैसला न्यालकल मंडल के रेजिनथल गाँव के 292 किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आया, क्योंकि कोर्ट ने संगारेड्डी ज़िला प्रशासन से गाँव के किसानों की 566.12 एकड़ ज़मीन के अधिग्रहण के लिए जारी नोटिफ़िकेशन को वापस लेने को कहा।

जब ज़िला प्रशासन ने पिछले साल जनवरी में नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन के लिए इन ज़मीनों के अधिग्रहण का नोटिफ़िकेशन जारी किया, तो किसान हाई कोर्ट गए और कहा कि ज़िला प्रशासन 'भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013' का उल्लंघन करके अधिग्रहण कर रहा है। किसानों ने कहा कि वे साल में कई फ़सलें उगा रहे थे क्योंकि ये सभी 566 एकड़ ज़मीन उपजाऊ थी। हालाँकि कोर्ट ने ज़िला प्रशासन को इन ज़मीनों को अधिग्रहण से बाहर रखने का निर्देश दिया था, लेकिन संगारेड्डी के अधिकारियों ने केवल उन किसानों को बाहर रखा जिनके नाम पर कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिससे बाकी किसानों को फिर से कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा।

हाल ही में एक और फ़ैसले में कोर्ट ने किसानों के पक्ष में बात कही, जिसके बाद संगारेड्डी कलेक्टर प्रतीक जैन ने 29 जून को इन ज़मीनों के अधिग्रहण के लिए पहले जारी नोटिफ़िकेशन को वापस लेने का नोटिफ़िकेशन जारी किया।

अग्रसेन बैंक ने कोठापेट में अपनी 14वीं शाखा खोली

इस वित्तीय वर्ष में दो और शाखाएं खोली जाएंगी : प्रमोद केडिया

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने आज अपनी 14वीं शाखा का उद्घाटन 11-9-138, लक्ष्मी नगर कॉलोनी, कोठापेट एक्स रोड, सरूरनगर मंडल, आर.आर. जिला में किया। शाखा का उद्घाटन तेलंगाना राज्य आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष अमरवेदी लक्ष्मीनारायण ने किया। इसी तरह, एटीएम सेंटर का उद्घाटन प्रमुख व्यवसायी सतीश गोयल ने किया। ओम प्रकाश अग्रवाल, पुरुषोत्तम गोयल और नरेश गोयल ने बैंक की अन्य सुविधाओं का उद्घाटन किया ताकि सभी ग्राहक इनका लाभ उठा सकें।

बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने बताया कि बैंक ने आज कोठापेट में अपनी 14वीं शाखा खोली है और इस वित्तीय वर्ष में दो और शाखाएं खोली जाएंगी। उन्होंने बैंक में लगातार भरोसा बनाए रखने के लिए सभी जमाकर्ताओं और हितधारकों का आभार व्यक्त किया और वादा किया कि वे पूरी जांच-पड़ताल और उचित मूल्यांकन के बाद ही लोन और एडवांस देकर इस भरोसे को कायम रखेंगे।

उन्होंने बताया कि बैंक का कुल कारोबार 1450 करोड़ रुपये का हो गया है, जिसमें 850 करोड़ रुपये की जमा राशि और 600 करोड़ रुपये का एडवांस शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक का लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल 2000 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करना है। साथ ही, बैंक का लक्ष्य 1000 करोड़ रुपये की जमा राशि का आंकड़ा पार करना भी है, जो 'शेड्यूल्ड बैंक' का दर्जा पाने के लिए पहली शर्त है। उन्होंने सभी हितधारकों से आगे आने और बैंक की आकर्षक ब्याज दरों (जमा पर) और प्रतिस्पर्धी लोन उत्पादों का लाभ उठाने का आग्रह किया, ताकि बैंक अपने लक्ष्यों को समय से पहले हासिल कर सके।

इस अवसर पर बैंक ने उन प्रमुख लोगों को भी सम्मानित किया जिन्होंने बैंक की जबरदस्त वृद्धि में योगदान दिया, जिनमें रूपेंद्र महेंद्र (सीनियर हाई कोर्ट एडवोकेट), कैप्टन अहमद, मोहन रेड्डी, प्रयाग अग्रवाल, एम. श्रीधर और लक्ष्मीनारायण शामिल हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम में बैंक के निदेशक सीए भी शामिल हुए। नवीन कुमार अग्रवाल - वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुरेश कुमार अग्रवाल - उपाध्यक्ष, नारायण दत्त - अध्यक्ष बीओएम, निदेशक: नरसिंग दास, मोहन अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल और राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और बीओएम-सदस्य दिनेश चंद्र शर्मा, सीए विनय कुमार गोयल, महावीर पित्ती भी उपस्थित रहे।

सीवी राव - महाप्रबंधक/सीईओ, आनंद अग्रवाल - डीजीएम, जी प्रसाद, टी शंकर चंद्र रेड्डी, गोपाल तिवारी और श्रीमती ज्योति राठी कोठापेट शाखा प्रबंधक और सभी स्टाफ सदस्य कार्यक्रम में शामिल हुए।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी बडेर मे रविवार 13 सितम्बर भादवा सुदी बीज महोत्सव को भव्यरुप से मनाने के लिए विशेष मीटिंग आयोजितकर विचार-विमर्श करते हुए अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पँवार, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जसवंत देवड़ा, सहसचिव हीराराम खंडाला, महिलाध्यक्ष सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्ष इन्द्रा आगलेचा, अनिता सोयल, सचिव निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्ष नीलू लचेटा । अवसर पर तीनोफ़्ु कमेटियोफ़्ु के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्योफ़्ु को अपने-अपने कार्यो की जिम्मेदारी से अवगत कराया गया ।

जुलाई में 7,865 करोड़ वाणिज्यिक कर का संग्रह कर रचा इतिहास

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने जुलाई 2026 में 7,865 करोड़ रुपये के संग्रह के साथ अब तक का सबसे अधिक एक महीने का वाणिज्यिक कर राजस्व दर्ज किया है, जो मजबूत आर्थिक विकास, बेहतर कर अनुपालन और प्रभावी प्रवर्तन उपायों को दर्शाता है। वाणिज्यिक कर आयुक्त एम रघुनांदन राव ने मीडियाकर्मियों को रिकॉर्ड प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा कि संग्रह जुलाई 2025 में एकत्र किए गए 6,624 करोड़ रुपये की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और अप्रैल 2026 में हासिल किए गए 7,598 करोड़ रुपये के पिछले मासिक रिकॉर्ड को पार कर गया है। केवल जीएसटी राजस्व ही 4,452 करोड़ रुपये रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, तेलंगाना में पंजीकृत करदाताओं से एकत्र किया गया कुल जीएसटी (सीजीएसटी, एसजीएसटी और आईजीएसटी सहित) 5,819 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, 14 की मौत

खैबर पख्तूनख्वा में युवक ने थाने में जाकर ब्लास्ट किया, 20 लोग गंभीर रूप से घायल

इस्लामाबाद, 2 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में रविवार को एक पुलिस स्टेशन के बाहर आत्मघाती हमला हुआ। इसमें 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, हमले के समय पास के काबल चौक पर आतंकवाद के खिलाफ शांति रैली चल रही थी।

स्वात के जिला पुलिस अधिकारी उमर खान के मुताबिक, इसी दौरान एक युवक काबल पुलिस स्टेशन के गेट पर पहुंचा। पुलिस वालों ने उसे रोककर तलाशी लेने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका। इससे पहले पुलिस हरकत में आती, युवक को खुद को ब्लास्ट कर दिया।

धमाका जिस वक्त हुआ तब रैली में आखिरी वक्ता का भाषण हो रहा था। धमाके की आवाज सुनकर रैली में मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। घायलों को सैदू शरीफ टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फिलहाल किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को सील कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

आज भारत को विश्व भर में अपार सम्मान प्राप्त है: रामचंद्र राव

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार एक विकसित भारत और एक विकसित तेलंगाना के निर्माण की दिशा में काम कर रही है।

रामचंदर राव बाल्टीमोर में अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन (एटीए) के 19वें सम्मेलन और युवा सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका में हैं। वे बाल्टीमोर में भाजपा समर्थकों, शुभचिंतकों और समर्थकों के साथ एक मुलाकात कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। तेलंगाना के लोग अब भाजपा को एकमात्र विश्वसनीय विकल्प के रूप में देख रहे हैं और पार्टी तेलंगाना में लगातार मजबूत हो रही है। लोग बीआरएस और कांग्रेस दोनों से तंग आ चुके हैं। तेलंगाना से भाजपा के आठ सांसद हैं और हमने एमएलसी चुनावों में भी महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। कई सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि भाजपा राज्य में एक शक्तिशाली राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही है, उन्होंने कहा। तेलंगाना भाजपा प्रमुख ने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और दोनों पार्टियां एमएलसी चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को हराने के लिए एकजुट होकर मतदान किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई राष्ट्रीय मुद्दों पर भी बीआरएस कांग्रेस का समर्थन करती रहती है। उन्होंने एटीए के सदस्यों को अमेरिका के बाल्टीमोर में भारतीय जनता पार्टी के शुभचिंतकों, समर्थकों और सहानुभूति रखने वालों के साथ बातचीत करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया। एनडीए सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत को विश्व भर में अपार सम्मान प्राप्त है। भारत विकसित भारत की राह पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। देश में रिकॉर्ड गति से राजमार्गों का निर्माण हो रहा है। बुनियादी ढांचे का विकास बड़े पैमाने पर हो रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। राव ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने संघर्ष क्षेत्र से भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकाला। भारत ने पाकिस्तान और अन्य देशों के छात्रों की भी मदद की। उन्होंने जोर देकर कहा कि यही वह शक्ति, विश्वसनीयता और सम्मान है जो आज भारत के पास है और देश रिकॉर्ड गति से राजमार्गों का निर्माण कर रहा है। बुनियादी ढांचे का विकास बड़े पैमाने पर हो रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान कई देशों को तेल संकट का सामना करना पड़ा और उन्हें पेट्रोल की राशनिंग करनी पड़ी। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की रणनीतिक योजना और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण भारत को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। केंद्र सरकार का मुख्य उद्देश्य केवल रोजगार चाहने वालों को पैदा करना नहीं है, बल्कि युवाओं को रोजगार सृजनकर्ता बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। उद्यमिता की इस भावना को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और मुद्रा योजना जैसी पहल शुरू कीं। राव ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, देश भर में रिकॉर्ड संख्या में स्टार्टअप उभर रहे हैं और भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस, इस नए भारत का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसकी स्थापना युवा ने की थी। मुझे स्काईरूट के पवन चंदना से हुई मुलाकात याद है, जिन्होंने मुझे बड़े आत्मविश्वास से बताया था कि कुछ ही वर्षों में वे अंतरिक्ष में यात्रियों को भी भेज सकेंगे। पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, भारत ने स्वदेशी हथियारों और प्रणालियों का उपयोग करके अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं की मजबूती का प्रदर्शन किया। हमारे रक्षा निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक समय था जब भारत बुनियादी रक्षा आवश्यकताओं के लिए भी अन्य देशों पर निर्भर था। आज, हमारी सशस्त्र सेनाएं तेजी से स्वदेशी रूप से निर्मित उपकरणों का उपयोग कर रही हैं, उन्होंने कहा। 2014 से पहले भारत में लगभग 75 हवाई अड्डे थे। आज यह संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में भी वारंगल और आदिलाबाद में दो और हवाई अड्डे बन रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार ने तेलंगाना को अभूतपूर्व विकास सहायता प्रदान की है। कर हस्तांतरण को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने से राज्य को काफी लाभ हुआ है।

कमिटमेंट और डिसिप्लिन के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल करें: प्रो. जयलक्ष्मी

मेडक, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद की रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. ए. जयलक्ष्मी ने ग्रेजुएट हो रहे छात्रों से कहा कि वे कमिटमेंट और डिसिप्लिन के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल करें।

रविवार को नरसापुर के BV राजू इंस्टीट्यट ऑफ टेक्नोलॉजी के 26वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए, प्रो. जयलक्ष्मी ने कहा कि ग्रेजुएशन कई सालों की कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण का नतीजा है। हर बच्चे के करियर में माता-पिता के अटूट सहयोग को मानते हुए, उन्होंने उन्हें हर छात्र की सफलता के पीछे का 'साइलेंट आर्किटेक्ट' (मौन निर्माता) बताया और ग्रेजुएट्स व उनके परिवारों को बधाई दी।

श्री विष्णु एजुकेशनल सोसाइटी के वाइस-चेयरमैन रविचंद्रन राजगोपाल ने ग्रेजुएट्स को प्रोफेशनल सफलता के लिए काबिलियत, अनुकूलन क्षमता और ट्रांसडिसिप्लिनैरिटी (अलग-अलग विषयों को समझने की क्षमता) जैसे ज़रूरी गुण विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने उन छात्र उद्यमियों की सराहना की जिन्हें सोसाइटी ने अपने बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम के ज़रिए सपोर्ट किया था और ग्रेजुएट्स को भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी अपने पूर्व छात्रों (एलुमनाई) को उनके प्रोफेशनल कामों में सपोर्ट करता रहेगा।

प्रिंसिपल डॉ. संजय दुबे ने कैंपस प्लेसमेंट, रिसर्च पब्लिकेशन और इनोवेशन में संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रेजुएट हो रहे छात्रों का स्वागत किया, औपचारिक रूप से 26वें ग्रेजुएशन डे की शुरुआत की और ग्रेजुएशन की शपथ दिलाई। समारोह के दौरान, अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम के 1,510 छात्रों को उनकी डिग्री दी गई।

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के गड्डम साई लिखित कुमार रेड्डी को प्रतिष्ठित 'पद्म भूषण डॉ. बीवी राजू मेमोरियल अवॉर्ड-2026' दिया गया। कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग की गोपीशेट्टी सौम्या को 'बेस्ट आउटगोइंग एकेडमिक अवॉर्ड-2026' से सम्मानित किया गया। पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन के लिए डिपार्टमेंट में टॉप करने वाले और बेहतरीन स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल दिए गए। इस मौके पर डायरेक्टर के. लक्ष्मी प्रसाद, प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. जे. बंगाराजू, परीक्षा नियंत्रक डॉ. कपुला प्रभाकर राव और अन्य लोग मौजूद थे।

नलगोंडा में सीसी सड़कें और चौबीसों घंटे पीने का पानी उपलब्ध होगा : मंत्री

64 लाभार्थियों को कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक चेक

नलगोंडा , 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि नलगोंडा शहर के सभी डिवीजनों में प्रत्येक घर को सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़कें, भूमिगत जल निकासी और चौबीसों घंटे पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराने के उपाय किए जाएंगे। रविवार को नलगोंडा तहसीलदार कार्यालय में 64 लाभार्थियों को 64.07 लाख रुपये के कल्याणा लक्ष्मी और शादी मुबारक चेक वितरित करने के बाद लाभार्थियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने शहर में चल रही विकास परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नगर निगम की सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी डिवीजनों में सीसी सड़क और जल निकासी का काम पहले ही शुरू हो चुका है। पेयजल संबंधी प्रमुख पहलों का जिक्र करते हुए कोमातिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाल ही में 83 करोड़ रुपये के पेयजल संयंत्र की आधारशिला रखी, साथ ही शहर में जल आपूर्ति अवसंरचना के लिए अतिरिक्त 300 करोड़ रुपये स्वीकृत किए। नलगोंडा को नगर निगम का दर्जा मिलने के बाद,

मंत्री ने केंद्र सरकार से 1,000 करोड़ रुपये तक की विकास निधि प्राप्त करने का विश्वास व्यक्त किया। कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार सभी पात्र निवासियों को राशन कार्ड और उत्तम गुणवत्ता वाला चावल उपलब्ध करा रही है। इसके अतिरिक्त, 700 इंदिराम्मा आवासों को पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है और भूमि के मालिक पात्र परिवार इस वर्ष आवास योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रशासन की गरीबों और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिए जा रहे हैं। एमएलसी शंकर नाइक ने राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की और नलगोंडा में व्यापक अवसंरचना विकास को आगे बढ़ाने का श्रेय मंत्री कोमटिरेड्डी को दिया। इससे पहले दिन में, मंत्री ने साई नगर में चल रहे प्रमुख जल निकासी निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नालगोंडा नगर निगम के लिए अमृत-2 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की भी समीक्षा की।

भद्राचलम में गोदावरी का जलस्तर 53 फीट के पार

कोठागुडेम, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को जिले के भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर 53 फीट (चेतावनी का तीसरा स्तर) पार करने के बाद तीसरी चेतावनी जारी की गई। सुबह 11 बजे नदी का जलस्तर 56.10 फीट था और पानी का बहाव 15.96 लाख क्यूसेक दर्ज किया गया। बाढ़ के बढ़ते जलस्तर ने नदी के किनारे बसे विभिन्न मंडलों के कई निचले गांवों में परिवहन को प्रभावित किया।

भद्राचलम को डुमुगुडेम और चेरला मंडलों से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर यातायात ठप हो गया है क्योंकि थुरुबाका में सड़क पर बाढ़ का पानी भर गया है। मुरुमुरु में मुख्य सड़क पर बाढ़ का पानी जमा होने से आंध्र प्रदेश के चिंटूर, कुनावरम और वीआर पुरम मंडलों के लिए यातायात बाधित हो गया है; यह सड़क भद्राचलम को इन मंडलों से जोड़ती है।

शनिवार सुबह, जिला कलेक्टर अंकित ने गोदावरी स्नान घाटों, बाढ़ तटबंध क्षेत्र और भद्राचलम-कुनावरम मुख्य सड़क के किनारे बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। शहर में बाढ़ का पानी घुसने से रोकने के लिए गोदावरी बाढ़ तटबंध के पास कुनावरम सड़क पर एक अस्थायी बैरियर लगाया गया है।

दूसरी ओर, किसानों ने शिकायत की कि कुनावरम रोड पर हाल ही में बने तटबंध के स्लुइस (पानी के निकास द्वार) में रिसाव के कारण गोदावरी का बाढ़ का पानी खेतों में घुस गया। शांतिनगर कॉलोनी के किसानों ने इस समस्या के समाधान के लिए सिंचाई विभाग से संपर्क किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिंचाई विभाग ने तीन दिनों तक यह कहकर रेत पहुंचाई कि इसका इस्तेमाल बाढ़ के दौरान किया जाएगा, लेकिन जिन अधिकारियों ने शुरू में रेत की बोरियां उपलब्ध कराने का वादा किया था, वे बाद में कोई कार्रवाई नहीं कर पाए, जिससे बाढ़ का पानी फसलों में भर गया।

किसानों ने चेतावनी दी कि अगर सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने तुरंत कोई कदम नहीं उठाया, तो वे कुनावराम रोड साइट से रेत ले जाने वाले वाहनों को रोक देंगे।

जिला कलेक्टर अंकित ने शनिवार को गोदावरी स्नान घाटों, भद्राचलम में बाढ़ सुरक्षा तटबंध क्षेत्र और भद्राचलम-कुनावराम मुख्य सड़क पर बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला अधिकारियों को सतर्क रहने और आपस में तालमेल बिठाकर काम करने का निर्देश दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

तन्वी शर्मा ने जीता ताइपे ओपन का खिताब

17 साल की भारतीय शटलर ने फाइनल में वियतनाम की खिलाड़ी को हराया

ताइपे एरिना, 2 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में विमेंस सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में 17 साल की तन्वी ने वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थुय लिन्ह गुयेन को सीधे गेम में 21-16, 21-16 से मात दी। यह तन्वी का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है।

पंजाब की रहने वाली तन्वी ने यह मुकाबला महज 36 मिनट में अपने नाम किया।

पिछले साल US ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहीं तन्वी ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया है। वह 2008 में साइना नेहवाल के बाद ताइपे ओपन में महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

तन्वी ने पहले गेम की शुरुआत शानदार की और 10-2 की बढ़त बना ली।

साल	उपलब्धि
2025	डेनमार्क चैलेंज की विजेता
2025	ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता
2025	गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता
2024	बॉन इंटरनेशनल का खिताब जीता
2024	बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा
जूनियर विश्व चैंपियनशिप	सिल्वर मेडल विजेता

बीच में उनसे कुछ गलतियां हुईं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए पहला गेम 21-16 से जीत लिया।

दूसरे गेम में थुय लिन्ह ने 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन तन्वी ने लगातार अंक लेकर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी पकड़ बनाए रखी और 21-16 से गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

तन्वी को पीवी सिंधु के पूर्व मेंटर पार्क ते-सांग कोचिंग दे रहे हैं। खिताबी जीत के बाद तन्वी ने अपना गोल्ड मेडल उतारकर कोच पार्क ते-सांग के गले में डाल दिया और दोनों ने साथ में फोटो खिंचवाई।

17 साल और 222 दिन की उम्र में तन्वी ताइपे ओपन के इतिहास की सबसे कम उम्र की फाइनलिस्ट बनीं। उन्होंने कोरिया के ली योंग डे का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2006 में 17 साल और 287 दिन की उम्र में पुरुष युगल फाइनल खेला था।

श्रीलंका दौरे से पहले टीम इंडिया को लगा सबसे बड़ा झटका

चोट के कारण बाहर हुए जसप्रीत बुमराह!

मुंबई, 2 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया श्रीलंका दौरे के लिए जल्द ही रवाना होने वाली है. दोनों देशों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जाने वाला है. जब टीम इंडिया का ऐलान हुआ था, तो फैंस इस बात से खुश थे कि आखिर टेस्ट क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह की वापसी होने जा रही है. हालांकि, अब खबर सामने आई है कि जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं.

बीसीसीआई ने जब टीम इंडिया का ऐलान किया था, तब साफ कर दिया था कि फिटनेस टेस्ट के आधार पर जसप्रीत बुमराह श्रीलंका दौरे का हिस्सा बनेंगे. अपनी फिटनेस साबित करने के लिए बुमराह बीसीसीआई सीओई में गए थे. टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को अपने बाएं घुटने में तकलीफ

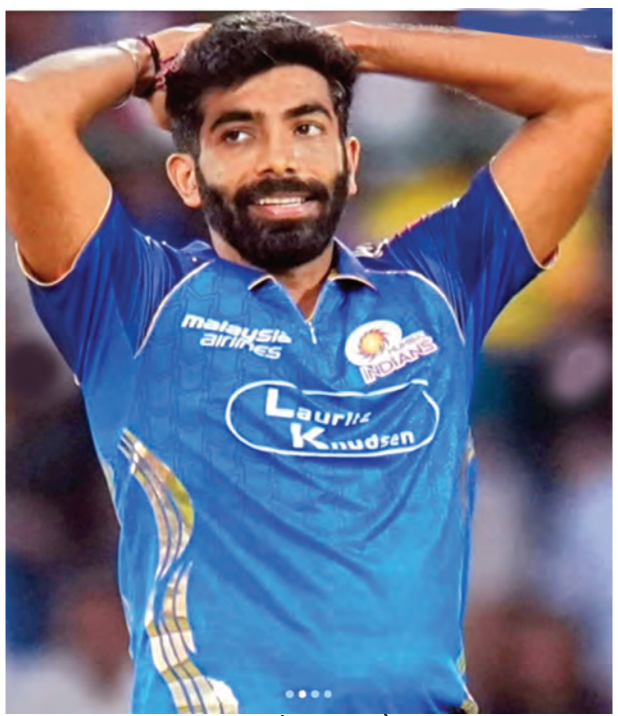

महसूस हुई. इसी वजह से बीसीसीआई के अधिकारियों ने फैसला किया है कि बुमराह को अभी मैदान पर लाना सही नहीं होगा और उन्हें पूरी तरह से ठीक होने की सलाह दी गई है.

जसप्रीत बुमराह को टेस्ट सीरीज के लिए तैयार किए जाने की बात की जा रही थी लेकिन घुटने में समस्या की शिकायत के बाद मेडिकल टीम किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहती है. एक सूत्र ने टीओआई को बताया, 'पहले भी कई मौकों पर खिलाड़ियों की वापसी में जल्दबाजी की गई और वे फिर चोटिल हो गए. हम दोबारा जोखिम नहीं लेना चाहते, खासकर जसप्रीत बुमराह के मामले में. उनका पूरी तरह फिट होना ही लक्ष्य है. इस साल काफी क्रिकेट बचा है.'

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वाडः शुभमन गिल , केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन.

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बवाल: ग्लास्गो के रेस्तरां में भारत के गलत नक्शे पर विवाद; लवलीना भड़कीं, लगाई क्लास

ग्लास्गो, 2 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के दौरान ग्लास्गो के एक भारतीय रेस्तरां में भारत के गलत नक्शे को लेकर विवाद खड़ा हो गया। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, भारतीय दल के खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान परोसे गए नैपकिन पर छपे भारत के नक्शे में पूर्वोत्तर राज्यों को नहीं दिखाया गया था। इस पर ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कड़ी आपत्ति जताई। लवलीना ने ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीता। उन्हें फाइनल में हार मिली।

असम की रहने वाली लवलीना ने नैपकिन पर छपे नक्शे को देखते ही अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'नैपकिन पर बने नक्शे में हमारा पूर्वोत्तर नहीं दिखाया गया है। बाहर भी मैप लगा है, उसमें भी हमारा नॉर्थ ईस्ट नहीं है। ये मुझे बहुत बुरा लगा। भारत का हर हिस्सा महत्वपूर्ण है और उसे सही तरीके से दिखाया जाना चाहिए।' उनकी इस टिप्पणी के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने भी रेस्तरां द्वारा इस्तेमाल किए गए नक्शे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नैपकिन पर केवल पूर्वोत्तर ही नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर का भी अधूरा चित्रण किया गया है। उन्होंने रेस्तरां प्रबंधन से अपील करते हुए कहा, 'सिर्फ नॉर्थ ईस्ट नहीं, इसमें कश्मीर भी पूरा नहीं है। गलत नक्शे वाले सभी नैपकिन तुरंत हटाए जाएं और उनकी जगह भारत की संपूर्ण भौगोलिक सीमा को सही ढंग से दर्शाने वाले नक्शे का इस्तेमाल किया जाए।'

ग्लास्गो का 'मिस्टर सिंह्स इंडिया – द होम ऑफ करी' शहर के लोकप्रिय भारतीय रेस्तरां में शामिल है। पिछले तीन दशकों से संचालित यह रेस्तरां अक्सर विभिन्न देशों के खिलाड़ियों और विशिष्ट मेहमानों की मेजबानी करता रहा है। हालांकि, विवाद सामने आने के बाद भी रेस्तरां प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब भारतीय मुक्केबाजी टीम ने ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारत ने मुक्केबाजी में रिकॉर्ड 10 पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण और तीन रजत शामिल रहे। प्रीति पवार, जैस्मिन लंबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि जादूमणि सिंह, लवलीना बोरगोहेन और नरेंद्र बेरवाल ने रजत पदक अपने नाम किए। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बीच भारत के गलत नक्शे को लेकर उठा विवाद भी चर्चा का केंद्र बन गया।

दलीप ट्रॉफी में रजत पाटीदार को सेंट्रल जोन की कप्तानी

रिंकू सिंह उप-कप्तान बने; डिफेंडिंग चैंपियन सीधे सेमीफाइनल में उतरेगी

बेंगलुरु, 2 अगस्त (एजेंसियां)। सेंट्रल जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। पिछले सीजन टीम को खिताब दिलाने वाले रजत पाटीदार को एक बार फिर कप्तानी सौंपी गई है। टीम में भारतीय खिलाड़ी रिंकू सिंह, हर्ष दुबे और यश ठाकुर भी शामिल हैं। रिंकू को उपकप्तान बनाया गया है।

डिफेंडिंग चैंपियन होने के कारण सेंट्रल जोन को पहले राउंड में बाय मिला है। टीम 30 अगस्त से शुरू होने वाले सेमीफाइनल में सीधे उतरेगी, जहां उसका सामना ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। टूर्नामेंट 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होगा, जबकि फाइनल 6 सितंबर से खेला जाएगा। मध्य प्रदेश के स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन को भी टीम में शामिल किया गया है। उन्हें हाल ही में श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चुना गया है। उनके साथ हर्ष दुबे और उत्तर प्रदेश के लेग स्पिनर जीशान अंसारी भी टीम में हैं। जीशान ने हाल ही में भारत-ए के श्रीलंका दौरे पर पांच साल बाद रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी की थी।

विदर्भ के ओपनर अमन मोखाडे को बेहतरीन 2025-26 रणजी सीजन का पुरस्कार मिला है। उन्होंने 11 पारियों में 760 रन 76 की औसत से बनाए थे और इसी प्रदर्शन के दम पर भारत-ए टीम में भी जगह बनाई थी। छत्तीसगढ़ के ओपनर आयुष पांडे को भी टीम में शामिल किया गया है, जिन्होंने श्रीलंका दौरे पर भारत-ए के लिए डेब्यू किया था। मध्यक्रम में रजत पाटीदार के साथ विदर्भ के यश राठौड़ अहम भूमिका निभाएंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में यश ठाकुर के अलावा नचिकेत भूटे और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान शामिल हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी आर्यन जुयाल संभाल सकते हैं, जबकि कुणाल सिंह राठौड़ बैकअप विकेटकीपर होंगे।

रजत पाटीदार (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), सारांश जैन, अमन मोखाडे, कुणाल चंदेला, जीशान अंसारी, आर्यन पांडे, अर्शद खान, आयुष पांडे, यश राठौड़, हर्ष दुबे, कुणाल सिंह राठौड़ (विकेटकीपर), यश ठाकुर और नचिकेत भूटे।

हार्दिक पंड्या ने सिर मुंडवाया : तिरूपति बालाजी के दर्शन किए, गर्लफ्रेंड महिका शर्मा भी साथ

तिरुमाला, 2 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने रविवार को तिरुमाला के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति बालाजी) में पूजा-अर्चना की। इस दौरान हार्दिक सिर मुंडवाए हुए थे। हार्दिक के साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी मौजूद थीं। मंदिर में दर्शन के दौरान हार्दिक और माहिका दोनों ही पारंपरिक सफेद कपड़ों में दिखाई दिए। तिरुपति मंदिर में श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर के प्रति अपनी आस्था जताने और मनोकामना पूरी होने पर या उसके लिए प्रार्थना करते हुए मुंडन कराते हैं। हर साल लाखों लोग यहां अपने बाल दान करते हैं। बाद में इन बालों की नीलामी की जाती है और उससे मिलने वाली आय का उपयोग मंदिर के संचालन और अन्य सामाजिक-धार्मिक कार्यों में किया जाता है। हार्दिक चोट से उबरकर वापसी की कोशिश कर रहे हैं। हार्दिक पंड्या आईपीएल 2026 के बाद से चोट के कारण क्रिकेट से दूर हैं। पहले उन्हें पीठ में अकड़न की समस्या हुई, फिर जांघ की चोट ने उनकी वापसी टाल दी।

आईपीएल 2026 में उन्होंने मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी, लेकिन पांच बार की चैंपियन टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। चोट के कारण हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ लिमिटेड ओवर सीरीज, इंग्लैंड दौरे की वनडे और टी-20 सीरीज तथा जिम्बाब्वे के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज भी नहीं खेल सके। उन्होंने आईपीएल 2026 के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। ऐसे में माना जा रहा है कि तिरुमाला में पूजा-अर्चना के साथ वह अब मैदान पर वापसी की तैयारियों में जुट गए हैं। हार्दिक पंड्या ने मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चा चल रही है। हालांकि, अभी तक इस बारे में अधिकारिक बयान नही आया है। पंड्या 2015 से 2021 तक एमआई की ओर से खेले थे। इसके बाद उन्होंने टीम छोड़ दी और दो साल (2022 और 2023) गुजरात टाइटंस की कप्तानी की।

जोफ्रा आर्चर ने की करियर की सबसे घातक गेंदबाजी

सिर्फ 2 रन पर गिरे 5 विकेट, लंदन स्प्रिट ने गंवाया मैच

द हंड्रेड, 2 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड में चल रहे द हंड्रेड में 1 अगस्त को लंदन सप्रिट और साउदर्न ब्रेव के बीच मुकाबला खेला गया. उस मुकाबले में साउदर्न ब्रेव ने लंदन स्पिरिट को 5 विकेट से हरा दिया. साउदर्न ब्रेव के लिए जीत की स्क्रिप्ट लिखने में जोफ्रा आर्चर की घातक गेंदबाजी का सबसे बड़ा योगदान रहा. आर्चर ने अपने द हंड्रेड करियर की बेस्ट गेंदबाजी करते हुए पहले बल्लेबाजी करने उतरी लंदन स्प्रिट की ऐसी कमर तोड़ी की साउदर्न ब्रेव के बल्लेबाजों के लिए टीम को जीत तक पहुंचाना आसान हो गया.

आर्चर के कहर के आगे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी लंदन सप्रिट की खराब हालत का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि उसके अंतिम 5 विकेट सिर्फ 2 रन पर ही गिर गए. लंदन स्पिरिट की टीम 6 विकेट पर 103 रन से कब 105 रन पर ऑल आउट हो गई पता भी नहीं चला. लंदन स्पिरिट के गिरे अंतिम के 5 विकेटों में से 3 विकेट अकेले जोफ्रा आर्चर ने लिए.

जोफ्रा आर्चर ने 20 गेंदों में 11 गेंदें डॉट फेंकी और सिर्फ 9 रन देकर 4 विकेट लिए. ये द हंड्रेड में उनकी गेंदबाजी का बेस्ट फीगर है. आर्चर के इसी कहर की बदौलत लंदन स्पिरिट 100 गेंदों वाली क्रिकेट में सिर्फ 92 गेंदों पर ही ऑल आउट हो गई. उसने केवल 105 रन बनाए, जिसमें 56 रन अकेले जॉनी बेयरस्टो के रहे, जिन्हें आर्चर ने ही अपना शिकार बनाया.

साउदर्न ब्रेव को 100 गेंदों में 106 रन बनाने का आसान लक्ष्य मिला, जिसे उसने 5 विकेट खोकर 97 गेंदों पर हासिल कर लिया. साउदर्न ब्रेव की ओर से जेमी स्मिथ ने ओपनिंग करते हुए 36 रन बनाए. उनके अवावा डेविड मिलर 39 रन बनाकर

अभिषेक शर्मा ने पंजाब इंटर-डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट में दोहरा शतक जड़ा

अमृतसर के लिए खेलते हुए 91 बॉल पर 233 रन

मोहाटी, 2 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा ने पंजाब इंटर-डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के एक वनडे मैच में दोहरा शतक जड़ा है। अमृतसर मेंस सीनियर टीम की ओर से खेलते हुए अभिषेक ने तरन तारन मेंस सीनियर टीम के खिलाफ यह कारनामा किया। उनकी इस पारी की बदौलत अमृतसर की टीम ने 50 ओवर में 500 रन का आंकड़ा पार कर लिया। अभिषेक ने इस मुकाबले में 91 गेंदों का सामना करते हुए 233 रन की पारी खेली। उन्होंने 250 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 15 चौके और 25 छक्के लगाए। यानी उन्होंने सिर्फ बाउंड्री के जरिए ही 202 रन बना डाले। इस मैच में अभिषेक के दोहरे शतक और अभय चौधरी की 91 रनों की पारी के दम पर अमृतसर मेंस सीनियर टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 533 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। हाल के समय में अभिषेक शर्मा भारतीय टीम के लिए खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट की पिछली सात पारियों में वे एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ हालिया तीन मैचों की सीरीज में उन्होंने 1, 8 और 2 रन बनाए थे। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टी-20 टीम अब सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स में एक्शन में नजर आएगी।

डूरंड कप: अजारेई की हैट्रिक से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की धमाकेदार शुरुआत, बोडोलैंड एफसी को 6-0 से रौंदा

गुवाहाटी, 2 अगस्त (एजेंसियां)। गत चैंपियन नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने 135वें डूरंड कप में खिताब बचाने के अभियान का शानदार आगाज किया। इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में ग्रुप एफ के मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने बोडोलैंड एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त दी। वापसी कर रहे अलाउद्दीन अजारेई ने शानदार हैट्रिक लगाकर टीम की बड़ी जीत की नींव रखी।

इससे पहले भव्य उद्घाटन समारोह में असम की सांस्कृतिक विरासत, भारतीय सशस्त्र बलों की सैन्य परंपराओं और एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट की विरासत का शानदार संगम देखने को मिला। उद्घाटन समारोह में असम के खेल मंत्री बिस्वजीत दैमारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वित्त, पर्यावरण एवं वन मंत्री जयंत मल्लबरुआह, पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल वीएमबी कृष्णन, चतुर्थ कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नीरज शुक्ला समेत सेना और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत हॉट एयर बैलून, जैज बैंड और सेना के ब्रास व पाइप बैंड की संयुक्त प्रस्तुति से हुई। इसके बाद कुत्तों के प्रदर्शन, सैन्य बैंड और एनसीसी की छात्राओं के बैंड ने दर्शकों का मनोरंजन किया। स्काईडाइविंग, पैरामोटर और विमान प्रतिरूप प्रदर्शन ने रोमांच बढ़ाया। असम की सांस्कृतिक झलक बागुरुम्बा, बारद्वी सिखला, बिहू और भोरताल की प्रस्तुतियों में दिखी। 'बदलूराम का बदन' की प्रस्तुति के साथ सैन्य परंपरा को भी सामने रखा गया। हेलीकॉप्टर और सुखोई-30 एमकेआई के हवाई प्रदर्शन ने समारोह को यादगार बना दिया। इसके बाद तीनों डूरंड कप ट्रॉफियों को मैदान में प्रदर्शित किया गया। खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की मौजूदगी में मुख्य अतिथि ने औपचारिक किक मारकर गुवाहाटी चरण के मुकाबलों का शुभारंभ किया।

मैच में नॉर्थईस्ट ने शुरू से ही गेंद पर पकड़ बनाए रखी। हालांकि पहला गोल 45+3वें मिनट में हुआ, जब अजारेई ने बोडोलैंड की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाकर बाएं पैर से गोल किया।

चंडीगढ़ क्रिकेट टीम के हेड कोच से मारपीट

अज्ञात हमलावरों ने कार रुकवाकर पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया

चंडीगढ़, 2 अगस्त (एजेंसियां)। चंडीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन की पुरुष टीम के हेड कोच राजीव नय्यर के साथ मोहाली के सेक्टर 97 के पास मारपीट हुई है।उन्होंने पुलिस में इसकी शिकायत की।

58 साल के कोच ने अपनी शिकायत में बताया कि शुक्रवार शाम को पांच अज्ञात लोगों ने उनकी कार रुकवाकर उन पर हमला कर दिया। हमलावर एक सफेद रंग की एसयूवी में सवार थे, जिस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी।

फिलहाल, नय्यर अक्टूबर में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए चंडीगढ़ यूटी क्रिकेट एसोसिएशन की टीम को तैयार कर रहे हैं। नय्यर की शिकायत के अनुसार वे लॉन्चिंग पैड एकेडमी

में अपनी टीम के लिए एक क्रिकेट मैच आयोजित करने गए थे। शाम करीब 5 बजे जब मैच खत्म हुआ और वह अपनी कार से वापस जा रहे थे, तभी हमलावरों ने उन्हें रोक लिया और मारपीट की। नय्यर ने इस हमले को बिना किसी उकसावे के की गई कार्रवाई बताया है। उन्होंने किसी पर भी शक जाहिर नहीं किया है और न ही हमलावरों की पहचान की है।

सोहाना पुलिस स्टेशन में पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ दंगा करने (रायटिंग) का मामला दर्ज किया गया है। एसएचओ सिमरजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई गाड़ी का पता लगा लिया है और मामले की जांच जारी है। राजीव नय्यर पर पिछले साल नवंबर में मध्य प्रदेश के कोच संदीप अरोड़ा पर थप्पड़ मारने और अपमानित करने का आरोप लगाया था।नय्यर टीम को लेकर बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट के दौरान इंदौर दौरे पर गए थे। उस शिकायत के बाद नय्यर को छुट्टी पर भेज दिया गया था और उनके खिलाफ जांच शुरू की गई थी।

बोनालू महोत्सव के दौरान पहली बार एआई-आधारित भीड़ प्रबंधन प्रणाली लागू

हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त ने उज्जैनी महाकाली मंदिर का दौरा किया

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार रविवार को अपने परिवार के साथ सिकंदराबाद स्थित श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर गए। उन्होंने देवी को रेशमी वस्त्र और 'बोनम' अर्पित किया और विशेष प्रार्थनाएं कीं। इसके बाद उन्होंने मंदिर स्थल पर हैदराबाद शहर पुलिस द्वारा किए गए सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए सज्जनार ने बताया कि हैदराबाद में आषाढ़ बोनालू उत्सव का समृद्ध ऐतिहासिक महत्व है। उन्होंने कहा कि शहर भर में उत्सव शांतिपूर्ण माहौल में और पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोलकोंडा और बल्कम्पेट क्षेत्रों में बोनालू जात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो चुकी है, जबकि श्री उज्जैनी महाकाली और लाल दरवाजा पर देवी-देवताओं के उत्सव भव्य रूप से चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि हैदराबाद नगर पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पहले से ही मजबूत व्यवस्थाएं कर रखी हैं। उन्होंने बताया कि उज्जैनी महाकाली बोनालू उत्सव के लिए सुरक्षा व्यवस्था लगभग 2,500 पुलिसकर्मियों द्वारा संभाली जा रही है और उन्होंने आगे कहा कि प्रतिवर्ष बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए, महाकाली मंदिर में पहली बार एआई-आधारित भीड़ प्रबंधन और निगरानी प्रणाली लागू की गई है। उन्होंने बताया कि यह अत्याधुनिक एआई प्रणाली मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों द्वारा कैद किए गए चेहरों का विश्लेषण करने के लिए 'चेहरे की पहचान' तकनीक का उपयोग करती है और इससे ज्ञात अपराधियों, चेन स्नैचरों और जेबकतरों की तुरंत पहचान हो जाती है, जिससे पुलिस को तुरंत अलर्ट और कार्रवाई संभव हो पाती है। उन्होंने बताया कि मंदिर में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को कतार प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से सटीक रूप से ट्रैक किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर के विभिन्न हिस्सों और कतारों में भीड़ घनत्व की 'हीटमैप मैपिंग' के माध्यम से लगातार निगरानी की जाएगी और कहा कि यदि भीड़ सुरक्षित सीमा से अधिक हो जाती है, तो भगदड़ को रोकने के लिए सक्रिय उपाय किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बोनालू उत्सव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए बंदोबस्ती विभाग, जीएचएमसी और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय बनाए रखा जा रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने और उत्सव के सफल समापन के लिए पुलिस विभाग को पूरा सहयोग देने का आग्रह किया।

लश्कर बोनालु की शुरुआत

सीएम रेवंत रेड्डी ने उज्जयिनी महाकाली मंदिर में पूजा की

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को लस्कर बोनालू के अवसर पर सिकंदराबाद के ऐतिहासिक उज्जैनी महाकाली मंदिर में देवी उज्जैनी महाकाली को रेशमी वस्त्र अर्पित किए और विशेष पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में मंत्री कोंडा सुरेखा, पोन्नम प्रभाकर और सीतक्का के अलावा कई विधायकों और एमएलसी ने भाग लिया। इससे पहले दिन में, परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ तेलंगाना सरकार की ओर से देवी को पहला बोनम अर्पित किया और औपचारिक रूप से उत्सव का उद्घाटन किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में बोनम चढ़ाने और देवी के दर्शन करने के लिए पहुंचने लगे। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में उत्सवपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने विस्तृत व्यवस्था की थी। आम दर्शन के लिए तीन अलग-अलग कतारें बनाई गई थीं, जबकि बोनम लेकर चलने वाले श्रद्धालुओं के लिए दो कतारें निर्धारित की गई थीं। वीआईपी लोगों के लिए भी एक अलग कतार बनाई गई थी। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के तहत लगभग 1,500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। श्रद्धालुओं की आवाजाही पर नजर रखने के लिए मंदिर परिसर के अंदर और आसपास विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। श्रद्धालुओं को राहत प्रदान करने के लिए कई स्थानों पर विशेष जल शिविर स्थापित किए गए थे, जबकि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य शिविर और एम्बुलेंस तैनात की थीं। पुलिस के संयुक्त आयुक्त जोएल डेविस ने कहा कि लस्कर बोनालू उत्सव के मद्देनजर सिकंदराबाद और उसके आसपास यातायात प्रतिबंध लागू किए जा रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो सके और यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम किया जा सके। यातायात प्रबंधन उपायों के तहत पोगथाबाजार, सुभाष रोड, हिल स्ट्रीट और जनरल बाजार सहित महाकाली मंदिर की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

उज्जैनी महाकाली मंदिर में भक्तों की भीड़ उमडी

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में रविवार को मशहूर लश्कर बोनालु त्योहार शुरू हुआ। सुबह से ही मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त, खासकर महिलाएं, उमड़ पड़ीं। रविवार सुबह से ही मंदिर परिसर में भारी भीड़ रही, क्योंकि भक्त पूजा-अर्चना कर रहे थे और बोनालु चढ़ा रहे थे। मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक जाने वाली सभी छह कतारें महिला भक्तों से खचाखच भरी हुई थीं।

पुलिस और मंदिर प्रशासन कतारों को व्यवस्थित कर रहे हैं। कतार में इंतज़ार का समय दो से तीन घंटे से ज़्यादा है। मंदिर परिसर में पोथाराजू और शिवसत्तुलु नृत्य लयबद्ध तरीके से किए गए, जिससे आध्यात्मिक माहौल बन गया।

मंदिर में वीआईपी के लिए अलग कतारों का इंतज़ाम किया गया था। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार और उनके परिवार के सदस्यों ने मंदिर का दौरा किया और देवी उज्जैनी महाकाली को बोनम चढ़ाया।

बारिश से नुकसान का आकलन जारी

आदिलाबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने आदिलाबाद ज़िले में भारी बारिश कम हुई, जिससे लोगों को राहत मिली। तीन हफ़्ते के अंतराल के बाद हुई भारी बारिश से किसान बहुत खुश थे। बारिश में थोड़ी राहत मिलने पर उन्होंने खरपतवार हटाने और पौधे लगाने जैसे खेती के काम तेज़ कर दिए। शनिवार को आदिलाबाद, निर्मल, मंचरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद ज़िलों में शिक्षण संस्थान सामान्य रूप से खुले रहे।

चारों ज़िलों के ग्रामीण इलाकों में सड़क संपर्क बहाल हो गया। ग्रामीण लोग किराने का सामान खरीदने के लिए मंडल केंद्रों और कस्बों में आते दिखे। उटनूर (एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसी-उटनूर) और बेज्जर मंडल के गांवों के आदिवासियों को बारिश कम होने से राहत मिली।

इसी तरह, श्रीरामपुर, मंदामरी और गोलेटी क्षेत्रों में एससीसीएल(सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड) की ओपनकास्ट खनन परियोजनाओं में कोयला खनन और ओवरबर्डन हटाने का काम फिर से शुरू हुआ। सिंचाई परियोजनाओं में भरपूर पानी आने से किसान खुश है। धान उगाने वालों ने भारी बारिश पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि बारिश की मदद से वे धान, कपास, सोयाबीन और अन्य फसलें उगा सकेंगे।

इस क्षेत्र में बुधवार से शुक्रवार तक लगातार तीन दिनों तक भारी बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। भारी बारिश के कारण सड़कें और कॉज़वे क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि कई घर ढह गए। आदिलाबाद में एक गौशाला गिरने से मवेशियों की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जा रहा है। बुधवार को खानापुर मंडल के एरवाचिंटल गांव में एक उफनती हुई धारा को पार करने की कोशिश के दौरान, चमनपल्ली गांव की रहने वाली और सामाजिक सुरक्षा पेंशन पाने वाली मारसाकोला पारुबाई (45) कथित तौर पर पानी के तेज बहाव में बह गईं।

तालाब कट्टा में कपड़े धोते समय महिला की बिजली का झटका लगने से मौत

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तालाब कट्टा के भवानी नगर में एक घर में कपड़े धोते समय बिजली का झटका लगने से 30 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला की पहचान महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले की रहने वाली ताहिरा बी के तौर पर हुई। वह भवानी नगर में अपनी बहन के घर पर रह रही थी।

पुलिस के मुताबिक, घर पर कपड़े धोते समय ताहिरा बी बिजली की चपेट में आ गई। परिवार वाले उसे तुरंत पास के एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल भेजा गया। डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद, हॉस्पिटल में भर्ती होने के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल भेजा गया है।

जूपल्ली का तेलंगाना पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने का आग्रह

मंत्री ने अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन सम्मेलन को संबोधित किया

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) से अपील की है कि वे तेलंगाना को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने में राज्य सरकार के साथ साझेदारी करें, और इसके आकर्षणों को अपने विदेशी मित्रों और सहकर्मियों से परिचित कराएं और उन्हें राज्य का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित करें।अमेरिका के बाल्टीमोर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 19वें अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन (एटीए) सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन और अन्य अनिवासी भारतीय संगठनों को तेलंगाना में पर्यटन स्थलों और विरासत स्थलों को गोद लेने और उनके संरक्षण, जीर्णोद्धार और विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया। जूपल्ली ने कहा कि तेलंगाना की समृद्ध पर्यटन क्षमता को वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से प्रदर्शित करने में तेलुगु प्रवासी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य की विरासत, संस्कृति, इतिहास और प्राकृतिक आकर्षणों को विश्व के सामने प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रयास में तेलुगु प्रवासियों की सक्रिय भागीदारी चाहती है। मंत्री ने कहा कि सरकार हैदराबाद में लगभग 10 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक एनआरआई भवन स्थापित करने के प्रयास कर रही है। प्रस्तावित सुविधा से आने वाले एनआरआई को एक ही छत के नीचे कई सेवाएं मिलेंगी और यह प्रवासी तेलुगु समुदाय के लिए समन्वय और सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेगा। तेलुगु प्रवासी समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए, जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि विदेशों में बसे तेलुगु लोगों ने तेलुगु भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित और बढ़ावा देने के साथ-साथ शिक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और उद्यमिता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने 1990 में स्थापित अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन की सराहना करते हुए कहा कि इसने संयुक्त राज्य अमेरिका में तेलुगु लोगों को एक साथ लाया है और भावी पीढ़ियों के लिए तेलुगु भाषा, संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। मंत्री ने अपने पैतृक गांवों के विकास और तेलंगाना की अर्थव्यवस्था में प्रवासी भारतीयों के योगदान को भी स्वीकार किया और उनसे राज्य के विकास और पर्यटन प्रोत्साहन प्रयासों में सहयोग जारी रखने का आग्रह किया।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 333 लोगों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबरबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 333 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) के स्तर के आधार पर कुल 269 दोपहिया वाहन, 11 तिपहिया वाहन, 51 चार पहिया वाहन और 2 भारी वाहन दर्ज किए गए। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया है कि शराब के नशे में गाड़ी चलाना एक गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पाया जाता है और किसी घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो ऐसे व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के तहत अधिकतम सजा 10 वर्ष कारावास और जुर्माना है। पिछले सप्ताह (27 जुलाई से 1 अगस्त तक) अदालतों में शराब पीकर वाहन चलाने के कुल 232 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें से 3 व्यक्तियों को जुर्माना और कारावास, 6 व्यक्तियों को जुर्माना और सामाजिक सेवा तथा 223 व्यक्तियों को केवल जुर्माना लगाया गया।

सरकारी नौकरी की सूचनाओं में देरी के कारण युवक ने आत्महत्या की कोशिश की

खम्मम, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी नौकरी की सूचनाओं में देरी और नौकरी कैलेंडर न होने से परेशान होकर, एक युवक ने कथित तौर पर मधिरा निर्वाचन क्षेत्र में आत्महत्या करने की कोशिश की।

मुदिगोंडा मंडल के न्यू लक्ष्मीपुरम गांव के बेरोजगार युवक गड्डम वेणु कुमार, गांव के पास मुथाराम में मिशन भगीरथ में आउटसोर्सिंग की नौकरी कर रहे थे। बताया जाता है कि उन्होंने शनिवार को अपनी जान देने के लिए काम की जगह पर चूहे मारने की दवा खा ली।

उन्होंने राज्य सरकार को संबोधित तीन पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा। पत्र में उन्होंने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से इसे सोशल मीडिया पर शेयर करने को कहा ताकि यह डिप्टी सीएम विक्रमार्का, सीएम ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक पहुंच सके। उनके एक दोस्त को यह पत्र एक स्थानीय सोशल मीडिया ग्रुप पर पोस्ट किया हुआ मिला और उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, जिन्होंने उन्हें खम्मम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

वेणु कुमार ने अपने सुसाइड नोट में कहा कि उन्होंने यह चरम कदम ग्रुप परीक्षाओं की सूचना जारी करने में देरी के कारण उठाया, जिसके लिए वह पिछले पांच वर्षों से तैयारी कर रहे थे, लेकिन नौकरी कैलेंडर न होने के कारण केवल एक बार परीक्षा में शामिल हो पाए।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के युवाओं ने कांग्रेस सरकार को इसलिए चुना क्योंकि पार्टी ने नौकरी कैलेंडर जारी करने का वादा किया था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मौजूदा सरकार ने उन नौकरियों को भरा जिनके लिए पिछली सरकार ने सूचनाएं जारी की थीं, लेकिन नया नौकरी कैलेंडर जारी करने में विफल रही।

नशा मुक्त भारत ही विकसित भारत की मजबूत नींव : शिव प्रताप शुक्ल

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि नशा मुक्त भारत ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ चल रहा अभियान केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का राष्ट्रीय आंदोलन है और प्रत्येक नागरिक की इसमें सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

रविवार को गच्चीबौली स्थित ब्रह्माकुमारी शांति सरोवर वैश्विक शांति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने युवाओं और विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल माध्यम से शुरू किए गए 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ देखा। इस अवसर पर उन्होंने तेलंगाना में '10 करोड़ नशा मुक्त शपथ अभियान' का शुभारंभ किया तथा युवाओं और विद्यार्थियों को नशा विरोधी शपथ दिलाई। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए नशा मुक्त भारत अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण जनआंदोलन है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति है और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तभी संभव है, जब युवा स्वस्थ, अनुशासित और सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करने वाले हों।

उन्होंने कहा कि देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है, इसलिए उन्हें नशे की बुराई से बचाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नशीले पदार्थ केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को ही बर्बाद नहीं करते, बल्कि परिवारों को तोड़ते हैं, सामाजिक सौहार्द को कमजोर करते हैं और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधा बनते हैं। उन्होंने युवाओं से योग, अध्यात्म, खेलकूद और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने ब्रह्माकुमारी संस्था की राजयोग ध्यान के माध्यम से शांति, सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों के प्रसार में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, युवा विकास, मूल्यपरक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति अभियान और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में संस्था के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि माई भारत मंच के माध्यम से युवाओं को इस अभियान का नेतृत्व सौंपना दूरदर्शी निर्णय है। देशभर में 100 सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान के दौरान पदयात्राएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और ई-शपथ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा होगी। स्वामी विवेकानंद के प्रेरक संदेश 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत' का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने '10 करोड़ नशा मुक्त शपथ अभियान' का पोस्टर जारी किया, देशभर में नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए ब्रह्माकुमारी स्वयंसेवकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा नशा मुक्त भारत अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष रूप से तैयार जागरूकता वाहन का भी शुभारंभ किया।

चिलकलगुडा में नया बस टर्मिनल बनाने की योजना

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की बढ़ती मांग के बीच, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार की अन्य परियोजनाओं के साथ-साथ सिकंदराबाद के चिलकलगुडा में एक नया बस टर्मिनल विकसित करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। इस प्रस्तावित सुविधा से व्यस्त सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और राथीफाइल बस स्टेशन पर भीड़ कम होने की उम्मीद है।

हाल ही में, टीजीएसआरटीसी और साउथ सेंट्रल रेलवे के बीच ज़मीन की अदला-बदली के संबंध में प्रस्ताव रखे गए थे। योजना के तहत, रेलवे अधिकारियों ने काचीगुडा बस डिपो से सटी लगभग पांच एकड़ आरटीसी ज़मीन की मांग की है ताकि काचीगुडा रेलवे स्टेशन का विस्तार और आधुनिकीकरण किया जा सके; यह स्टेशन वर्तमान में हर दिन 70 से अधिक ट्रेन सेवाओं और 40,000 से अधिक यात्रियों को संभालता है। इसके बदले में, टीजीएसआरटीसी ने इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार के लिए चिलकलगुडा में लगभग पांच एकड़ रेलवे ज़मीन हासिल करने का अनुरोध किया है। पता चला है कि निगम भविष्य की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काचीगुडा डिपो में बची हुई ज़मीन का उपयोग करके एक नया डिपो बनाने की योजनाओं पर भी विचार कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि हालांकि अभी तक कुछ भी ठोस नहीं हुआ है, लेकिन अन्य संभावनाओं के साथ-साथ चिलकलगुडा में एक टर्मिनल बनने की संभावना है। इससे बस संचालन को फिर से व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी जो वर्तमान में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और राथीफाइल बस स्टेशन के आसपास केंद्रित है, जहां भारी ट्रैफिक जाम एक पुरानी समस्या है। इस बीच, यह भी पता चला है कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के चल रहे पुनर्विकास के हिस्से के रूप में स्काईवॉक के निर्माण के लिए टीजीएसआरटीसी से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) लेने पर भी चर्चा चल रही है। इससे सिकंदराबाद ईस्ट मेट्रो स्टेशन और रेलवे स्टेशन के बीच पैदल यात्रियों के लिए एक निर्बाध संपर्क सुविधा मिलने की उम्मीद है।

तस्करी की जा रही 2.15 लाख रुपये की शराब ज़ब्त

मंचेरियल, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भीमराम मंडल मुख्यालय पर तेलंगाना से महाराष्ट्र तस्करी की जा रही शराब ज़ब्त की गई। ज़ब्त की गई शराब की कीमत 2.15 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने बताया कि एक गाड़ी से शराब की 228 बोतलें और बीयर के 216 कैन ज़ब्त किए गए; इस गाड़ी से शराब को तेलंगाना से महाराष्ट्र के सिरोंचा ले जाया जा रहा था। पुलिस ने गाड़ी को रोकने की कोशिश की, लेकिन ड्राइवर तेज़ी से भाग निकला। गाड़ी का पीछा करने के बाद पुलिस ने शराब ज़ब्त कर ली। मामला दर्ज कर लिया गया है। ड्राइवर फरार है और उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

हेट स्पीच रोकथाम बिल पर पहली बैठक संपन्न

हैदराबाद, 2 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हेट स्पीच और हेट क्राइम्स (रोकथाम) बिल, 2026 की जांच के लिए बनाई गई सेलेक्ट कमेटी की पहली बैठक स्पीकर जी. प्रसाद कुमार के चैंबर में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए स्पीकर ने कहा कि सदन ने कमेटी को प्रस्तावित कानून की व्यापक समीक्षा करने और विधानसभा को अपने सुझाव सौंपने की ज़िम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने भरोसा जताया कि कमेटी विस्तृत चर्चा के ज़रिए निष्पक्ष रूप से बिल की जांच करेगी।

बैठक की अध्यक्षता ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर पोन्नम प्रभाकर ने की, जिन्होंने कहा कि कमेटी ऐसे सुझाव तैयार करेगी जिनसे समाज को फ़ायदा हो और जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का काम करें। मंत्री ने कहा कि सदस्यों के बीच विस्तृत चर्चा के बाद सभी सुझावों को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कमेटी नियमित रूप से बैठक करेगी और जल्द से जल्द स्पीकर को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.